FOCUS NEWS
फोकस न्यूज

facebook.com/fnind
x.com/fnind
focusnewsindia.blogspot.in
www.focusnews.co.in
@FocusnewsIn

...आपका अपना अखबार

राष्ट्रीय संस्करण। नई दिल्ली। बुधवार 11 दिसंबर 2024। एकादशी, मार्गशीर्ष मास, शुक्ल पक्ष। 2081 विक्रम संवत । पेज – 12 । मूल्य 2 रु । वर्ष : 12। अंक : 145

मानवाधिकार के लिए नये खतरे हैं साइबर अपराध, जलवायु परिवर्तन: राष्ट्रपति मुर्मू

। कृष्णा अग्रवाल ।

नयी दिल्ली, फोकस नयूज, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि मानवाधिकारों पर अब तक का विमर्श मानव पर केंद्रित रहा है जिसके तहत उल्लंघनकर्ता किसी व्यक्ति को माना जाता है, लेकिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के हमारे दैनिक जीवन में प्रवेश करने से अब अपराधी कोई गैर–मानव या ''कोई लक्ष्य केंद्रित सॉफ्टवेयर'' हो सकता है। मानवाधिकार दिवस पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि साइबर अपराध एवं जलवायु परिवर्तन मानवाधिकारों के लिए ''नये खतरे'' हैं। मानवाधिकार दिवस हर वर्ष 10 दिसंबर को मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा (यूडीएचआर) के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जिसे 1948 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अपनाया और घोषित किया गया था। यूडीएचआर मानव अधिकारों के संरक्षण और संवर्धन के लिए एक वैश्विक मानक के रूप में कार्य करता है। भारत में संयुक्त राष्ट्र के राजनयिक मिशन के प्रमुख शोम्बी शार्प ने इस अवसर पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस का संदेश पढ़ा। स्क्रीन पर दिखाये गए गुतारेस के संदेश में कहा गया, ''मानवाधिकार दिवस पर, हम एक कठोर सच्चाई का सामना कर रहे हैं। मानवाधिकारों पर हमला हो रहा है। करोड़ों लोग गरीबी, भुखमरी, खराब स्वास्थ्य और शिक्षा प्रणालियों में फंसे हुए हैं जो अभी तक कोविड–19 महामारी से पूरी तरह से उबर नहीं पाए हैं। वैश्विक असमानताएं बढ़ रही हैं। संघर्ष तेज हो रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय कानून को जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा है।'' संदेश में कहा (शेष पेज दो पर)

ऑटो चालकों को 10 लाख रुपये की बीमा, बेटी की शादी के लिए मदद: चुनाव से पहले केजरीवाल की घोषणा

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले, जनाधार बढ़ाने के प्रयास के तहत आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को शहर के ऑटो रिक्शा चालकों के लिए 10 लाख रुपये के जीवन बीमा सहित पांच 'गारंटी' की घोषणा की। केजरीवाल ने कोंडली विधानसभा क्षेत्र में ऑटो चालक नवनीत के परिवार के सदस्यों के साथ भोजन करने के बाद यह घोषणा की। ऑटो चालकों के कल्याण के लिए आप की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने पांच (चुनावी) गारंटी की घोषणा की, जो पार्टी के सत्ता में फिर से आने पर लागू की जाएगी। केजरीवाल ने कहा, ''मैं सभी ऑटो रिक्शा चालकों के लिए पांच गारंटी की घोषणा करता हूं––10 लाख रुपये तक का जीवन बीमा, पांच (शेष पेज दो पर)

हिमाचल सरकार ने हरित ऊर्जा और ई-वाहन बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए

हिमाचल प्रदेश सरकार ने मंगलवार को राज्य में पांच चुने गये हरित गलियारों में सुविधाओं को बढ़ाने के लिए दो कंपनियों के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

पूजा ने राष्ट्रीय अंडर–18 रिकॉर्ड के साथ हेप्टाथलन का स्वर्ण पदक जीता

हरियाणा की पूजा ने मंगलवार को 39वीं राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अंडर–18 वर्ग में राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ हेप्टाथलन का स्वर्ण पदक जीता।

अल्लू अर्जुन अभिनीत 'पुष्पा 2: द रूल' फिल्म ने 800 करोड़ रुपये की कमाई पार की

अल्लु अर्जुन की 'पुष्पा 2: द रूल' फिल्म ने रिलीज होने के बाद पहले सप्ताहांत पर 'बॉक्स ऑफिस' पर 829 करोड़ रुपये की कमाई की है और दुनियाभर में 800 करोड़ रुपये की कमाई पार करने वाली 'सबसे तेज भारतीय फिल्म' बन गयी है।

आधुनिक विकास और गंगा के अस्तित्व पर मंडराता संकट

भारत की सबसे महत्वपूर्ण नदी गंगा जो भारत और बांग्लादेश में कुल मिलाकर 2510 किमी की दूरी तय करती हुई उत्तराखंड में हिमालय से लेकर बंगाल की खाड़ी के सुंदरवन तक विशाल भू भाग को सींचती है, देश की प्राकृतिक संपदा ही नहीं, जन जन की भावनात्मक आस्था का आधार भी है।

जो लोग जोखिम के लिए तैयार नहीं होते, वे पीछे रह जाते हैं : मुख्यमंत्री

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जो लोग जोखिम के लिए तैयार नहीं होते, वे पीछे रह जाते हैं।

ट्रंप ने भारतीय–अमेरिकी हरमीत ढिल्लों को नागरिक अधिकारों के लिए सहायक अटॉर्नी जनरल नामित किया

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय मूल की अमेरिकी हरमीत ढिल्लों को सोमवार को न्याय विभाग में नागरिक अधिक. ारों के लिए सहायक 'अटॉर्नी जनरल' नामित किया।

लड़का बोला - लिपस्टिक अच्छी है 😊
लड़की बोली - थैंक्स 😊
लड़का - बलियाँ भी बहुत अच्छी है 😊
लड़की - थैंक्स 😊
लड़का - नेकलेस भी बहुत प्यारा है 😊
लड़की - थैंक्स भईया जी 😊
लड़का - कमाल है फिर भी चुड़ेल लग रही

सिसोदिया ने जंगपुरा सीट के लिए चुनाव–प्रचार शुरू किया, कहा– निर्वाचन क्षेत्र मायने नहीं रखता

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा पटपड़गंज सीट पर नये उम्मीदवार को खड़ा किए जाने के एक दिन बाद पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया ने अपने नये निर्वाचन क्षेत्र जंगपुरा के लिए 'हनुमान चालीसा' का पाठ कर मंगलवार को चुनाव–प्रचार अभियान की शुरुआत की। इस दौरान स्थानीय लोग वहां मौजूद रहे। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने पहले खुद को भगवान हनुमान जी का सच्चा भक्त होने का दावा किया था। आप ने सोमवार को 20 उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची जारी की थी, जिसमें सिसोदिया अब जंगपुरा से चुनाव लड़ेंगे, जबकि शिक्षक और हाल ही में पार्टी में शामिल हुए अवध ओझा, सिसोदिया की वर्तमान पटपड़गंज सीट से चुनाव लड़ेंगे। दिल्ली की 70 विधानसभा सीट पर अगले साल फरवरी में चुनाव होने की संभावना है। सिसोदिया ने कहा कि शिक्षा (शेष पेज दो पर)

वर्ष 2014 से शहरी क्षेत्र में निवेश में 16 गुना वृद्धि हुई : खट्टर

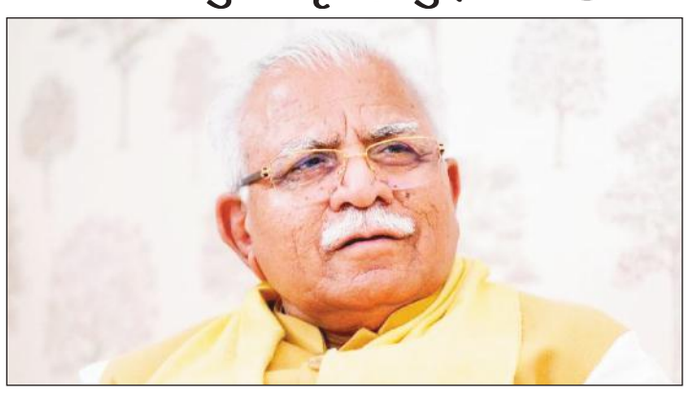

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि 2014 के बाद से शहरी क्षेत्र में निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने 2047 तक 'विकसित भारत' के नजरिये को साकार करने के लिए केंद्र की प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री खट्टर ने अपने मंत्रालय की उपलब्धियों पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि शहरी क्षेत्र में निवेश में 16 गुना वृद्धि हुई है, जो 2004 से 2014 के बीच लगभग 1,78,053 करोड़ रुपये से बढ़कर 2014 से अब तक 28,52,527 करोड़ रुपये हो गया है।उन्होंने कहा कि पिछले छह महीनों में शहरी विकास योजनाओं का विस्तार किया गया है और उन्हें अधिक गति और दक्षता के साथ क्रियान्वित किया गया है। खट्टर ने इस बात पर भी जोर दिया (शेष पेज दो पर)

समुद्री विरासत सम्मेलन में प्रदर्शित की जाएगी देश की विरासत : सोनोवाल

नयी दिल्ली, केंद्रीय पोत परिवहन मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि सरकार भारतीय समुद्री विरासत सम्मेलन (आईएमएचसी) 2024 में देश की समुद्री विरासत को प्रदर्शित करेगी और निवेशकों से इस क्षेत्र के विकास का हिस्सा बनने का आग्रह करेगी। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार से शुरू होने वाले दो दिवसीय कार्यक्रम में दुनियाभर के देशों के समुद्री इतिहासकार, पुरातत्वविद और समुद्री शोधकर्ता भाग लेंगे। केंद्रीय पोत परिवहन मंत्री ने संवाददाताओं को बताया कि इस कार्यक्रम में समुद्री अन्वेषण, पुरातात्विक आंकड़े, नौसैनिक वास्तुकला और समुद्री संस्कृतियों के विशाल इतिहास पर चर्चा की जाएगी। इस कार्यक्रम में हाल की विभिन्न शोध परियोजनाओं से पुरातात्विक और पाठ्य संदर्भों में पाए गए साक्ष्यों पर चर्चा की जाएगी, जो पश्चिमी हिंद महासागर में फैले समुद्री नेटवर्क के साथ भारत के प्रभाव और साझा संबंधों पर जोर देते हैं।

अजय सेठ को राजस्व सचिव का अतिरिक्त प्रभार

नयी दिल्ली, आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ को मंगलवार को तत्काल प्रभाव से राजस्व विभाग का अतिरिक्त कार्यभार सौंप दिया गया। निवर्तमान राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का गवर्नर नियुक्त किए जाने के बाद सेठ को दोहरी जिम्मेदारी सौंपी गई है। मल्होत्रा बुधवार को आरबीआई के 26वें गवर्नर का पदभार ग्रहण करेंगे। एक सरकारी आदेश के मुताबिक, सक्षम प्राधिकार ने आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ को तत्काल प्रभाव से राजस्व सचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपने की स्वीकृति दी है। नियमित नियुक्ति होने या अगला आदेश आने तक, जो भी पहले हो, यह आदेश प्रभावी होगा। कर्नाटक कैडर के 1987 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी सेठ अप्रैल, 2021 से ही वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग में सचिव हैं। वह मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक और एमबीए डिग्रीधारक हैं। उनके पास सार्वजनिक वित्त एवं प्रशासन में काम करने का लंबा अनुभव है।

सीयूईटी–यूजी: 12वीं के विषय की बाध्यता नहीं, अब विद्यार्थी किसी भी विषय की दे सकेंगे परीक्षा

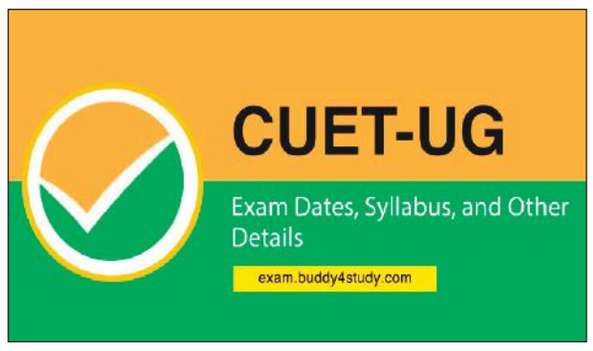

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अध्यक्ष जगदीश कुमार ने कहा है कि 2025 से (विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा – स्नातक) सीयूईटी–यूजी केवल कंप्यूटर आधारित परीक्षा के तौर पर आयोजित की जाएगी तथा विद्यार्थी को किसी भी विषय में प्रवेश परीक्षा देने की इजाजत होगी, भले ही उन्होंने 12वीं में उस विषय की पढ़ाई न की हो। कुमार ने 'पीटीआई–भाषा' के साथ बातचीत के दौरान कहा कि आयोग द्वारा गठित की गयी विशेषज्ञों की एक समिति ने इस परीक्षा की समीक्षा की तथा कई बदलावों का प्रस्ताव दिया। कुमार ने कहा, ''पिछले साल के 'हाइब्रिड मोड' (कंप्यूटर आधारित एवं उत्तर पुस्तिका वाली व्यवस्था) के विपरीत 2025 से माध्यम सीबीटी (कंप्यूटर आधारित परीक्षा) ही होगा। हमने विषयों की संख्या भी 63 से घटाकर 37 कर दी है तथा हटा दिये गये विषयों के लिए प्रवेश सामान्य योग्यता परीक्षण में मिले अंक के आधार पर दिये जायेंगे।'' उन्होंने कहा, ''प्रतिभागियों को सीयूईटी–यूजी में उन विषयों को चुनने की भी अनुमति दी जाएगी, जिसकी पढ़ाई उन्होंने 12वीं कक्षा में नहीं की, ताकि विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में कठोर (शेष पेज दो पर)

रात में सोने से पहले चेहरे पर इस तरह से करें विटामिन ई का इस्तेमाल, हर मौसम में स्किन करेगी ग्लो

विटामिन ई एक ऐसा विटामिन है जो स्किन के लिए बेहद फायदेमंद है। यह कोलेजन को बूस्ट करने के साथ, स्किन की टाइटनिंग में मददगार है। इसके अलावा ये विटामिन आपकी स्किन के टैक्सचर को बेहतर बनाने के साथ दाग–धब्बों को ठीक करने में मददगार है। साथ ही ये विटामिन आपकी स्किन के लिए एक खास न्यूट्रिएंट की तरह भी काम करता है। इसके अलावा भी विटामिन ई के फायदे कई हैं। लेकिन, उन्हें जानने से पहले जान लेते हैं कि आप फेशियल मसाज के लिए इस विटामिन का इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं।

चेहरे पर ऐसे करें विटामिन ई का इस्तेमाल: : विटामिन ई कैप्यूल को नारियल तेल या बादाम के तेल में मिलाकर लगाना है। आपको करना ये है कि रात में सोने से पहले 1 चम्मच नारियल का तेल या फिर बादाम का तेल लें। (शेष पेज दो पर)

लाइफ में अमीर बनना है तो आज से अपना लें ये 7 नियम, नहीं रहेगी पैसों की कमी

निवेश में हमेशा एक अच्छी रणनीति का होना बहुत जरूरी है। अमीर बनने की इच्छा तो सभी रखते हैं। लेकिन अमीर बनना इतना आसान नहीं है। पैसा कमाने का कोई शॉर्ट कट नहीं होता। इसके लिए अनुशासन, धैर्य और एक निवेश रणनीति की जरूरत होती है। आज हम आपको कुछ ऐसे फॉर्मूले बताने जा रहे हैं, जिन्हें फॉलो करने से आपकी इन्वेस्टमेंट जर्नी आसानी हो जाएगी और आप एक बड़ा फंड तैयार कर पाएंगे। आइए जानते हैं।

1. 72 का नियम: 72 के नियम की मदद से आप जान सकते हैं कि एक तय ब्याज दर पर कितने समय में पैसा दोगुना होगा। इसके आपको 72 में उस ब्याज दर का भाग देना होगा, जो कि आपको निवेश पर मिल रही है। उदाहरण के लिए आपको किसी बैंक में एफडी पर 7 प्रतिशत का ब्याज मिल रहा है। आपका 72 में 7 का भाग देंगे, तो जबाव 10.28 आएगा। (शेष पेज दो पर)

मानवाधिकार के... (पेज एक का शेष) गया है कि घृणास्पद बयानबाजी भेदभाव, विभाजन और हिंसा को बढ़ावा दे रही है। मुर्मू ने अपने संबोधन में कहा, ''यह उन संस्थाओं को याद करने का दिन है जो समाज के सबसे कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा और उन्हें बढ़ावा देने का प्रयास करती हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राज्य मानवाधिकार आयोग, विभिन्न अन्य संस्थाएं, न्यायपालिका और अन्य प्रमुख हितधारकों ने बेजुबानों की आवाज बनने के लिए अथक प्रयास किया है। मैं सभी के लिए मानवाधिकार सुनिश्चित करने की दिशा में उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता और अथक परिश्रम के लिए उनकी सराहना करती हूं।'' राष्ट्रपति ने कहा कि भारत आज एक ''उज्ज्वल उदाहरण'' बन गया है, जहां गरीबी उन्मूलन, वंचितों को मुफ्त भोजन उपलब्ध कराकर भूख मिटाने तथा युवाओं को अपने सपने साकार करने के लिए समान अवसर प्रदान करने के लिए ''सरकार द्वारा पहल की जा रही है।'' राष्ट्रपति ने कहा कि भविष्य की ओर बढ़ने के साथ ही ''हमें उभरती चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। मानवाधिकारों के लिए साइबर अपराध और जलवायु परिवर्तन नये खतरे हैं।'' उन्होंने कहा कि डिजिटल युग परिवर्तनकारी होते हुए भी अपने साथ साइबर धमकी, डीपफेक, गोपनीयता संबंधी चिंताएं और गलत सूचना के प्रसार जैसे जटिल मुद्दे लेकर आया है। ये चुनौतियां एक सुरक्षित, संरक्षित और न्यायसंगत डिजिटल माहौल को बढ़ावा देने का महत्व रेखांकित करती हैं ताकि प्रत्येक व्यक्ति के अधिकारों और सम्मान की रक्षा हो सके। मुर्मू ने अपने संबोधन में एआई और मानव जीवन पर इसके प्रभाव पर भी चर्चा की। मुर्मू ने कहा, ''एआई अब हमारे दैनिक जीवन में प्रवेश कर चुका है, कई समस्याओं का समाधान कर रहा है और कई नयी समस्याएं भी पैदा कर रहा है।'' उनहोंने कहा कि मानवाधिकारों पर अब तक का विमर्श मानव पर केंद्रित रहा है जिसके तहत उल्लंघनकर्ता किसी व्यक्ति को माना जाता है, लेकिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के हमारे जीवन में प्रवेश करने से अब अपराधी कोई गैर–मानव या ''कोई लक्ष्य केंद्रित सॉफ्टवेयर' हो सकता है।'' उन्होंने कहा, '' मैं यह विषय आपके विचारार्थ छोड़ती हूं।'' राष्ट्रपति ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का मामला भी हमें वैश्विक स्तर पर मानवाधिकारों की सोच पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर करता है।

ऑटो चालकों... (पेज एक का शेष) लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा, एक बेटी की शादी के लिए एक लाख रुपये की सहायता, साल में दो बार पोशाक के लिए होली और दिवाली पर 2,500 रुपये का भत्ता और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए उनके बच्चों की मुफ्त कोचिंग की व्यवस्था। साथ ही, (दिल्ली) सरकार 'पूछो' ऐप फिर से शुरू करेगी।'' केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के ऑटो चालकों ने हमेशा आप का समर्थन किया है और विश्वास जताया कि यह समुदाय फरवरी 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत में एक अहम भूमिका निभाएगा। 'पूछो' ऐप के जरिये यात्री, आसानी से बुकिंग करने के लिए सीधे पंजीकृत ऑटो चालक से संपर्क कर पाएंगे। इस कदम का उद्देश्य शहर में अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी बेहतर करना है। ऑटो चालक नवनीत ने कहा, ''वह (केजरीवाल) जो कुछ करते हैं लोगों के कल्याण के लिए करते हैं। वह हमारी बात परिवार के सदस्य की तरह सुनते हैं और हमारी चिंताओं का वास्तविक रूप से समाधान करते हैं।'' आप द्वारा पांच 'गारंटी' दिये जाने से एक दिन पहले, सोमवार को केजरीवाल ने अपने आवास पर चाय पर ऑटो चालकों से मुलाकात की थी। शहर के ऑटो चालकों को आप के गठन के आरंभ से ही इसका मूल मतदाता माना जाता है। उच्चतम न्यायालय के 2011 के आदेश के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में ऑटो रिक्शा की कुल संख्या एक लाख सीमित की गई है। हालांकि, चूंकि ऑटो चालक पालियों में काम करते हैं, इसलिए इनकी (ऑटो चालकों की) संख्या 1.5 लाख से अधिक है। दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव में आप, भाजपा और कांग्रेस के बीच कड़ा मुकाबला होने की संभावना है।

सिसोदिया ने... (पेज एक का शेष) मंत्री और उपमुख्यमंत्री के तौर पर उन्हें लोगों से बहुत प्यार मिला। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किस विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। पटपड़गंज से विधायक और उपमुख्यमंत्री रहते हुए भी मैंने जंगपुरा के लिए बहुत काम किया है और यहां स्कूल बनाने के लिए खुद मैंने काम पर नजर रखी है। अगर मैं अब जंगपुरा से विधायक चुना जाता हूं तो मैं पूरी दिल्ली के लिए काम करूंगा। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है।'' मनीष सिसोदिया ने सोशल मीडिया 'मंच' एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने 'हनुमान चालीसा' का पाठ कर जंगपुरा सीट के लिए चुनाव–प्रचार की शुरुआत की और यहां किलोकरी क्षेत्र के एक मंदिर में पूजा–अर्चना कर भगवान का आशीर्वाद लिया। उन्होंने पोस्ट में कहा, ''हे हनुमान जी महाराज, आपके चरणों में यही विनती है कि हम जो भी करें, उसमें आप गुरु की भांति हम पर कृपा बनाए रखें। हर समय हमारे दिल में इंसानियत की ज्योति जलती रहे। हम जहां भी रहें, जो भी करें, सब ईश्वर के स्मरण के साथ ही करें। ऐसी कृपा हम पर सदैव बनाए रखेंद्य'' पूर्व उपमुख्यमंत्री ने पहले कहा था कि ओझा के लिए पटपड़गंज सीट छोड़ने का कारण शिक्षा के प्रति ओझा का ''दृष्टिकोण और समर्पण'' है। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया कि सिसोदिया ने पटपड़गंज सीट छोड़कर जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र इसलिए चुना जिससे वह यहां ''सुरक्षित'' रहें क्योंकि उन्होंने विधायक रहते हुए पटपड़गंज के लिए कोई काम नहीं किया है। दिल्ली में 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में सिसोदिया ने पटपड़गंज पर भाजपा के उम्मीदवार रवि नेगी के खिलाफ चुनाव लड़ा था। वह मुश्किल से 3,500 मतों के मामूली अंतर से ही जीत पाए थे। सिसोदिया ने कहा कि लोग 'आप' द्वारा बनाए गए भव्य स्कूलों, अस्पतालों और बिजली के शून्य बिलों के कारण भाजपा के लिए वोट मांगने वाले लोगों को 'खामोश' कर रहे हैं।

महाराष्ट्र की कोलेवाड़ी ग्राम सभा ने चुनावों में मतपत्रों के प्रयोग का प्रस्ताव पारित किया

पुणे, (भाषा) महाराष्ट्र के सतारा जिले में कोलेवाड़ी ग्राम सभा ने भविष्य में होने वाले सभी चुनाव मतपत्रों के जरिए कराने को लेकर एक प्रस्ताव पारित किया है। इसी के साथ महाराष्ट्र में कोलेवाड़ी ईवीएम के खिलाफ प्रस्ताव पारित करने वाला दूसरा गांव बन गया है। कोलेवाड़ी गांव कराड (दक्षिण) विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। इस विधानसभा का पूर्व में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण प्रतिनिधित्व करते थे। पृथ्वीराज चव्हाण को पिछले माह हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार अतुल भोसले से 39,355 मतों से हार का सामना करना पड़ा था। कोलेवाड़ी के लोगों द्वारा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के माध्यम से किए गए मतदान पर संदेह व्यक्त करने के बाद यह प्रस्ताव पारित किया गया है। इससे कुछ दिन पहले सोलापुर के मालशिरस निर्वाचन क्षेत्र के मरकडवाड़ी गांव के लोगों के एक वर्ग द्वारा ईवीएम की विश्वसनीयता पर संदेह व्यक्त करते हुए मतपत्रों का उपयोग करके 'मॉक' पुनर्मतदान की कोशिश की थी। प्रशासन और पुलिस ने उनके प्रयास को विफल कर दिया था और इसे लेकर उनके खिलाफ मामले दर्ज किये गये। कोलेवाड़ी ग्राम प्रधान रत्नमाला पाटिल के पति शंकरराव पाटिल ने मंगलवार को कहा, '' ग्राम सभा की बैठक में ग्रामीणों की इस भावना कि आगामी चुनाव मतपत्र से कराये जाएं न कि ईवीएम से, का सम्मान करते हुए दो दिसंबर को प्रस्ताव पारित किया। '' पाटिल ने कहा कि ग्रामीण इस बात को लेकर अचंभित थे कि विधानसभा चुनाव में चव्हाण कोलेवाड़ी में अपेक्षित वोट हासिल करने में असफल रहे। एक ग्राम सेवक ने भी प्रस्ताव पारित किए जाने की पुष्टि की। ग्रामीण ने कहा, ''कोलेवाड़ी ग्राम सभा ने एक प्रस्ताव पारित कर कहा है कि भविष्य में चुनाव ईवीएम के बजाय मतपत्रों के माध्यम से कराए जाने चाहिए।'' उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग को लोगों की इस 'सामूहिक मांग' को देखते हुए मतपत्र प्रणाली पर वापस लौटना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन मतपत्र के जरिये मतदान की अनुमति नहीं देता है तो हम मतदान का बहिष्कार करेंगे।

सीयूईटी–यूजी... (पेज एक का शेष) विषयात्मक सीमाओं को पार करने का अवसर मिल सके।'' परीक्षा के 2025 के संस्करण में किये गये बदलावों की व्याख्या करते हुए कुमार ने कहा कि विद्यार्थी अब छह के बजाय अधिकतम पांच विषयों में सीयूईटी –यूजी दे पायेंगे। यूजीसी अध्यक्ष ने कहा, '' इसी तरह, परीक्षा की अवधि, जो विषयों के हिसाब से 45 मिनट से 60 मिनट तक होती थी, अब 60 मिनट के रूप में मानकीकृत कर दी गई है। परीक्षा में वैकल्पिक प्रश्नों की अवधारणा भी समाप्त कर दी गयी है और अब सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे।''

रात में... (पेज एक का शेष) इसमें विटामिन ई मिला लें। दोनों को मिक्स कर लें और हल्के–हल्के हाथों पर लगाकर चेहरे की मसाज करें। याद रखें कि इस मसाज से पहले अपने चेहरे की सफाई कर लें। फिर इस मसाज को लगभग 10 से 20 मिनट करें। इस दौरान आप फेस मसाजर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। सुबह उठने के बाद नॉर्मल पानी से अपना चेहरा साफ कर लें।

विटामिन ई से स्किन को मिलते हैं ये फायदेः झुर्रियों से दिलाता है छुटकाराः विटामिन ई फेस मसाज से फाइन लाइन्स और झुर्रियों से छुटकारा पाया जा सकता है। दरअसल, ये स्किन की टोनिंग में मददगार है और इसके टैक्सचर को सही करता है। साथ ही, ये झुर्रियों को कम करता है और चेहरे पर एजिंग के लक्षणों में कमी लाता है।

स्किन टोनिंग में फायदेमंदः फेस टोनिंग में विटामिन ई मसाज तेजी से काम कर सकता है। ये स्किन में कोलेजन को बूस्ट कर स्किन टाइटनिंग में मददगार है। इसके अलवा ये ब्लड सर्कुलेशन को तेज करता है जिससे स्किन का टैक्सचर सही होता है और स्किन में रौनक आती है।

वर्ष 2014... (पेज एक का शेष) कि शहरीकरण की तीव्र गति ने शहरी विकास को भारत की विकास रणनीति का एक प्रमुख स्तंभ बना दिया है। मंत्री ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन (जेएनएनयूआरएम) के तहत 2004 से 2014 के बीच 66,837 करोड़ रुपये की परियोजनाएं मंजूर की गईं थीं, लेकिन मोदी सरकार ने 2014 से अटल कायाकल्प और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत) के तहत 2.73 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। खट्टर ने शहरी आवास और पीएमएवाई 2.0 के बारे में कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के दूसरे चरण के तहत एक नयी किराया आवास श्रेणी पेश की गयी है, जिससे प्रवासी आबादी को लाभ होगा। इस योजना के अंतर्गत नियोजित एक करोड़ शहरी आवासों में से लगभग सात प्रतिशत के लिए अनंतिम मंजूरी जैसी नयी पहल की गई है और इससे समय पर आवंटन सुनिश्चित होगा तथा प्रक्रिया में तेजी आएगी। उन्होंने बताया कि पीएमएवाई 2.0 के तहत 88.32 लाख घरों का निर्माण किया गया है। खट्टर ने कहा कि 25 शहरों में चल रही पायलट परियोजना के परिणामों के आधार पर शीघ्र ही संशोधित राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) शुरू किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इस योजना के तहत अब तक 13,422 करोड़ रुपये की ऋण राशि वितरित की जा चुकी है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत नौ जून 2024 से अब तक सरकार 1,123 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी कर चुकी है।

वुजूखाने के सर्वेक्षण की मांग वाली याचिका पर सुनवाई 18 दिसंबर को

प्रयागराज, (भाषा) इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने वाराणसी स्थित ज्ञानवापी मस्जिद के वुजूखाने के सर्वेक्षण की मांग वाली याचिका पर मंगलवार को सुनवाई टाल दी। मंगलवार को जब इस मामले में सुनवाई शुरू हुई, तो अदालत को बताया गया कि उच्चतम न्यायालय में इस मामले में 16 दिसंबर को सुनवाई होगी। इस पर अदालत ने सुनवाई के लिए 18 दिसंबर की तिथि तय की। वाराणसी की अदालत में श्रृंगार गौरी पूजा वाद में वादकारियों में से एक राखी सिंह द्वारा दायर पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की अदालत कर रही है। यह पुनरीक्षण याचिका वाराणसी के जिला न्यायाधीश के 21 अक्टूबर 2023 के आदेश को चुनौती देते हुए दायर की गई है जिसमें जिला न्यायाधीश ने ज्ञानवापी मस्जिद में वुजूखाना क्षेत्र (कथित शिवलिंग को छोड़कर) का सर्वेक्षण करने का भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को निर्देश देने से मना कर दिया था।

लाइफ में... (पेज एक का शेष) यानी 7 प्रतिशत की ब्याज पर 10.28 वर्ष में आपका पैसा डबल होगा।

2. 10–12–10 का नियमः 10–12–10 नियम बताता है कि 10 वर्षों के लिए 12% वार्षिक रिटर्न देने वाले किसी निवेश विकल्प में हर महीने 10,000 रुपये का निवेश करके आप लगभग 23–24 लाख रुपये जमा कर सकते हैं। वहीं, अगर आप 12% की औसत वार्षिक रिटर्न वाले किसी इक्विटी म्यूचुअल फंड या शेयरों में हर महीने 43,000 रुपये का निवेश करते हैं, तो आप 10 वर्षों में 1 करोड़ रुपये का फंड तैयार कर सकते हैं।

3. 20–10–12 नियमः 20–10–12 का नियम एक लंबी अवधि की निवेश रणनीति है। यह बताता है कि 12% वार्षिक रिटर्न देने वाले किसी निवेश विकल्प में 20 वर्षों के लिए हर महीने 10,000 रुपये का निवेश करें, तो 1 करोड़ रुपये का फंड जमा कर सकते हैं।

4. 50–30–20 का नियमः 50–30–20 का नियम एक पर्सनल फाइनेंस गाइडलाइन है, जो आपको अपनी आय को विभिन्न वित्तीय लक्ष्यों के लिए आवंटित करने में मदद करता है। इस नियम के अनुसार, आपको अपनी आय का 50% जरूरी खर्चों के लिए, 30% मनोरंजन और बाहर खाने जैसे विवेकाधीन खर्चों के लिए और 20% बचत और निवेश के लिए रखना चाहिए।

5. 40–40–12 का नियमः 10–20 वर्षों में बड़ा फंड तैयार करने के लिए आप 40–40–12 के नियम को अपना सकते हैं। इसमें आपको बचत अधिक करनी होती है। इस नियम के अनुसार आपको अपनी मंथली इनकम का 40 फीसदी बचाना है और इन्वेस्ट करना है। अपने पोर्टफोलियो का 40 फीसदी हिस्सा म्यूचुअल फंड या शेयरों का रखें और इक्विटी में निवेश करके 12 फीसदी औसत सालाना रिटर्न का टार्गेट रखें।

6. 15–15–15 नियमः 15–15–15 नियम के अनुसार, यदि आप 15 वर्षों के लिए हर महीने 15,000 रुपये का निवेश किसी ऐसे निवेश विकल्प में करें जहां आपको प्रति वर्ष औसतन 15% का रिटर्न मिलता है, तो आप लगभग 1 करोड़ रुपये जमा कर सकते हैं।

7. 25x का नियम यह नियम अर्ली रिटायरमेंट पाने की इच्छा रखने वालों के लिये है। इस नियम के अनुसार, आपको अपने वार्षिक खर्चों की 25 गुना रकम बचाने की आवश्यकता है, ताकि आप आराम से रिटायर हो सकें। उदाहरण के लिए, यदि आपको अपने जीवनयापन के लिए सालाना 4 लाख रुपये की आवश्यकता है, तो आपको रिटायरमेंट फंड के लिए 1 करोड़ रुपये (4 लाख रुपये X25) की जरूरत पड़ेगी। आप एसआईपी जैसे निवेश विकल्पों का इस्तेमाल करके यह टार्गेट पा सकते हैं। आप जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे, उतना इस टार्गेट को पाना आसान होगा।

Although every possible care and caution has been taken to avoid errors or omissions, this publication is being sold on the condition and understanding that information given in this publication is merely for reference and must not be taken as having the authority of or binding in any way on the writers, editors, publishers, and printers and sellers who do not owe any responsibility for any damage or loss to any person, a purchaser of this publication or not for the result of any action taken on the basis of this work. All disputes are subject to the exclusive jurisdiction of competent court and forums in Delhi/New Delhi only

Published, Printed, Edited and Owned by Krishna Aggarwal Published from New Delhi, Tel- 011-43560023 E-mail- info@focusnews.co.in, focusnews9@gmail.com
RNI NUMBER - DELBIL/2013/56173, Printed from Vibha Publication Pvt Ltd- D-160 B, Noida Phase - I, Uttar Pradesh - 201301

पीएमएवाई–जी के अगले चरण में स्व–सर्वेक्षण विकल्प शामिल होगा : सरकार

नयी दिल्ली, सरकार ने लोकसभा में बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण के अगले चरण के लिए बनाई जा रही लाभार्थियों की नई सूची में लोगों के लिए "स्व–सर्वेक्षण" करने का प्रावधान किया गया है। केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि सरकार ने पीएमएवाई–जी को और पांच साल के लिए लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। मंत्री ने कहा, "भारत सरकार की मंजूरी के अनुरूप, योजना के तहत अतिरिक्त तौर पर पात्र ग्रामीण परिवारों की पहचान के लिए एक सर्वेक्षण किया जा रहा है।" यह सर्वेक्षण आवास–प्लस 2024 मोबाइल ऐप के माध्यम से किया जा रहा है। पेम्मासानी ने कहा, "इस ऐप में स्व–सर्वेक्षण और पूर्व–पंजीकृत सर्वेक्षणकर्ताओं के माध्यम से सहायता प्राप्त सर्वेक्षण दोनों के प्रावधान हैं।"

आईआईटी दिल्ली वहनीयता के लिहाज भारतीय विश्वविद्यालयों में अग्रणीः क्यूएस रैंकिंग

नयी दिल्ली, दिल्ली स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान वहनीयता के मामले में भारत के विश्वविद्यालयों में शीर्ष पर है, जो 255 पायदान की छलांग लगाकर वैश्विक स्तर पर 171वें स्थान पर पहुंच गया है। मंगलवार को घोषित क्यूएस रैंकिंग में यह जानकारी दी गई। क्यूएस की वहनीयता रैंकिंग (2025) में भारत के कुल 78 विश्वविद्यालयों को जगह मिली है। इसमें शीर्ष 10 संस्थानों में से नौ की रैंकिंग में सुधार हुआ है और 21 नए संस्थान इस सूची में शामिल हुए हैं। पर्यावरणीय प्रभाव के लिए आईआईटी दिल्ली और आईआईटी कानपुर दुनिया के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में शामिल हुए हैं। बेंगलुरु स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान को पर्यावरण शिक्षा के लिए दुनिया के शीर्ष 50 संस्थानों की सूची में जगह मिली है। लंदन में रह रहे क्यूएस के उपाध्यक्ष बेन सॉटर ने कहा, "क्यूएस सस्टेनेबिलिटी रैंकिंग (2025) में शामिल 78 भारतीय विश्वविद्यालयों में से 34 ने पिछले वर्ष की तुलना में सुधार किया है तथा आठ का स्थान इस बार भी बरकरार रहा है।" उन्होंने कहा, "यह भारतीय उच्च शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इससे यह पता चलता है कि भारतीय विश्वविद्यालय वहनीयता के लिए अपनी पहलों पर काम कर रहे हैं।" सॉटर ने कहा, "सामाजिक प्रभाव की श्रेणी में शामिल होने के लिए भारत के विश्वविद्यालय स्वास्थ्य एवं कल्याण, शिक्षा और समानता के क्षेत्र में सुधार कर सकते हैं क्योंकि इस श्रेणी में कोई भी संस्थान शीर्ष 350 में शामिल नहीं है।"

हिमाचल सरकार ने हरित ऊर्जा और ई–वाहन बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए

शिमला, (भाषा) हिमाचल प्रदेश सरकार ने मंगलवार को राज्य में पांच चुने गये हरित गलियारों में सुविधाओं को बढ़ाने के लिए दो कंपनियों के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। यहां जारी बयान में कहा गया कि परिवहन विभाग के निदेशक डी सी नेगी ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की मौजूदगी में राज्य सरकार की ओर से एमओयू पर हस्ताक्षर किए, जिसमें ईवीआई टेक्नोलॉजी का प्रतिनिधित्व राहुल सोनी और जियो–बीपी का प्रतिनिधित्व अविनाश शर्मा ने किया।सुक्खू ने कहा कि निविदा समझौते के अनुसार, जियो–बीपी मंडी–जोगिंदरनगर–पठानकोट और कीरतपुर–मनाली–केलांग कॉरिडोर विकसित करेगी, जबकि ईवीआई टेक्नोलॉजी एक साल के भीतर परवाणू–ऊना–संसारपुर–टैरेस–नूरपुर और परवाणू–शिमला–रिकांगपिओ–लोसर कॉरिडोर का काम पूरा करेगी। इसके अलावा इलेक्ट्रोवेव कंपनी शिमला–हमीरपुर–चंबा ग्रीन कॉरिडोर विकसित करने पर काम करेगी। परियोजना के हिस्से के रूप में, कंपनियां एक साल के भीतर इन कॉरिडोर के साथ 41 रणनीतिक स्थानों पर ईवी चार्जिंग स्टेशन, सड़क किनारे की सुविधाएं और सुपरमार्केट स्थापित करेंगी।

राज्यसभा उपचुनाव के लिए सुजीत कुमार ने भाजपा उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया

भुवनेश्वर, (भाषा) बीजू जनता दल (बीजद) के पूर्व सांसद सुजीत कुमार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार के रूप में ओडिशा से राज्यसभा उपचुनाव के लिए सोमवार को नामांकन पत्र दाखिल किया। भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने सोमवार को कुमार के नाम की औपचारिक घोषणा की। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, भाजपा की ओडिशा इकाई के अध्यक्ष मनमोहन सामल और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ कुमार ने नामांकन पत्रों के दो सेट दाखिल किए। कुमार के नामांकन पत्र में 30 विधायक प्रस्तावक बने हैं। मुख्यमंत्री माझी नामांकन पत्रों के एक सेट में प्रस्तावक हैं, जबकि उपमुख्यमंत्री के. वी. सिंह देव ने नामांकन पत्रों के दूसरे सेट में प्रस्तावक के रूप में हस्ताक्षर किए हैं। कुमार ने संवाददाताओं से कहा, "लोग पिछले साढ़े चार वर्षों में राज्यसभा में सांसद के रूप में मेरे काम से अवगत हैं। हमारे नेताओं के सहयोग से मैं कालाहांडी जिले और राज्य के केबीके (कालाहांडी–बोलनगीर–कोरापुट) क्षेत्र के विकास के लिए काम करूंगा। इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।" कुमार ने कहा कि वह बुनियादी ढांचे, सड़क संचार, पर्यटन और अन्य क्षेत्रों के विकास पर ध्यान केंद्रित करेंगे। ओडिशा के संसदीय मामलों के मंत्री मुकेश महालिंग ने कहा कि कुमार अब तक राज्यसभा उपचुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने वाले एकमात्र उम्मीदवार हैं। कुमार ने सितंबर में बीजद सांसद के तौर पर राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था और बाद में भाजपा में शामिल हो गए थे। उनके द्वारा खाली की गई सीट रिक्त थी और निर्वाचन आयोग ने 26 नवंबर को ओडिशा की एक सीट सहित छह राज्यसभा सीट के लिए उपचुनाव की घोषणा की थी। एक अधिसूचना में कहा गया कि नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 10 दिसंबर है, जबकि आवश्यक होने पर मतदान 20 दिसंबर को होगा। ओडिशा विधानसभा में भाजपा के संख्याबल को देखते हुए कुमार का संसद के ऊपरी सदन में चुना जाना तय है। ओडिशा की 147 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 78 विधायक हैं, जबकि बीजद के 51, कांग्रेस के 14, तीन निर्दलीय और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) का एक सदस्य है। संसदीय कार्य विभाग के एक अधिकारी ने कहा, "चूंकि उपचुनाव केवल एक सीट के लिए होगा, इसलिए भाजपा उम्मीदवार ही विजयी होगा।" मयूरभंज जिले से कुडुमी समुदाय की वरिष्ठ नेता ममता मोहंता ने भी राज्यसभा और बीजद से इस्तीफा देकर भाजपा का दामन थाम लिया था। इसके बाद वह भाजपा सदस्य के रूप में निर्विरोध राज्यसभा के लिए चुनी गईं। राज्यसभा से बीजद के दो सदस्यों के इस्तीफे के साथ ही संसद के ऊपरी सदन में पार्टी के सदस्यों की संख्या घटकर सात रह गई है।

यूजीसी ने फर्जी नोटिस पर जताई चिंता, छात्रों और संस्थानों को किया आगाह, जानिए क्या है पूरा मामला?

नई दिल्ली। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने छात्रों और उच्च शिक्षा संस्थानों को एक अहम चेतावनी जारी करते हुए फर्जी और भ्रामक नोटिस से सतर्क रहने को कहा है। आयोग ने यह कदम सोशल मीडिया पर फैल रही झूठी और भ्रामक सूचनाओं को ध्यान में रखते हुए उठाया है। आयोग के अनुसार, हाल के दिनों में ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) और ऑनलाइन (ओएल) कार्यक्रमों के बारे में कई झूठी सूचनाएं सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इन फर्जी नोटिसों में छात्रों को गुमराह करने वाली जानकारी दी जा रही है, जो न केवल उनकी शैक्षणिक यात्रा को प्रभावित कर सकती है, बल्कि संस्थानों की छवि को भी नुकसान पहुंचा सकती है। यूजीसी ने स्पष्ट किया है कि सभी आधिकारिक सूचनाएं केवल दो आधिकारिक वेबसाइटों के माध्यम से जारी की जाती हैं:

जनहित में जारी की गई अपीलः यूजीसी ने अपने बयान में कहा, "यह नोटिस जनहित में जारी किया गया है ताकि छात्रों और उच्च शिक्षा संस्थानों को फर्जी और भ्रामक सूचनाओं से बचाया जा सके। यदि किसी भी व्यक्ति, संगठन, या संस्था द्वारा इस प्रकार का उल्लंघन किया जाता है, तो उसकी सूचना तत्काल यूजीसी को दी जानी चाहिए।"

फर्जी नोटिस की पहचान और रिपोर्टिंगः आयोग ने छात्रों और संस्थानों को सलाह दी है कि वे अनधिकृत नोटिसों की पहचान करने और रिपोर्ट करने में सतर्क रहें। साथ ही, यूजीसी ने यह भी अपील की है कि इस प्रकार के मामलों को सही समय पर रिपोर्ट किया जाए ताकि दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जा सके।

सावधान रहने की सलाहः यूजीसी के इस कदम को छात्रों और संस्थानों को बढ़ती धोखाधड़ी और फर्जीवाड़े से बचाने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि सभी शिक्षा से जुड़े निर्णय सही और विश्वसनीय स्रोतों पर आधारित हों।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव, जानें क्या कहते हैं नियम

नई दिल्ली।। मंगलवार को विपक्षी दलों ने उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को पद से हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया। इस प्रस्ताव पर अब तक 70 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। विपक्षी दलों का आरोप है कि सभापति जगदीप धनखड़ अपने कार्यों में पक्षपात कर रहे हैं।

क्या उपराष्ट्रपति को हटाना संभव है?: विपक्षी दलों द्वारा लाए गए इस प्रस्ताव के बाद यह सवाल उठता है कि क्या उपराष्ट्रपति को पद से हटाया जा सकेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रक्रिया आसान नहीं है क्योंकि इसके लिए कई संवैधानिक और कानूनी प्रावधानों का पालन करना होगा।

उपराष्ट्रपति को हटाने के नियमः भारतीय संविधान के अनुच्छेद 67 के तहत, उपराष्ट्रपति को उनके पद से हटाने के लिए राज्यसभा में प्रभावी बहुमत से प्रस्ताव पारित करना होगा। इसके बाद लोकसभा से इस प्रस्ताव पर साधारण बहुमत की सहमति लेना आवश्यक है।

अनुच्छेद 67(बी) के प्रमुख प्रावधानः: उपराष्ट्रपति को हटाने का प्रस्ताव लाने से पहले 14 दिन का नोटिस देना अनिवार्य है।

प्रस्ताव केवल राज्यसभा में पेश किया जा सकता है और इसे राज्यसभा के तत्कालीन सदस्यों के बहुमत से पारित करना होगा।

राज्यसभा में प्रस्ताव पारित होने के बाद इसे लोकसभा में साधारण बहुमत से पारित किया जाना चाहिए।

जब यह प्रस्ताव सदन में विचाराधीन हो, उस समय उपराष्ट्रपति सदन की अध्यक्षता नहीं कर सकते।

वर्तमान स्थिति और चुनौतीः राजनीतिक समीकरणों पर नजर डालें तो लोकसभा में एनडीए के पास 293 सदस्य हैं, जबकि विपक्षी गठबंधन इंडिया (I.N.D.I.A.) के पास 236 सदस्य हैं। बहुमत के लिए 272 का आंकड़ा जरूरी है। इंडिया गठबंधन को 14 अन्य सांसदों का समर्थन मिलने पर भी यह प्रस्ताव पास कराना मुश्किल होगा।

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2024 के लिए आम आदमी पार्टी ने जारी की दूसरी सूची, नए चेहरों पर जताया भरोसा

नई दिल्ली। दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी तेज हो गई है। आम आदमी पार्टी ने शनिवार को अपने प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी कर दी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप ने इस सूची में नए चेहरों के साथ–साथ पार्टी के पुराने नेताओं पर भी भरोसा जताया है। दूसरी सूची में कुल 20 उम्मीदवारों को जगह दी गई है। इनमें से कई ऐसे नेता शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में बीजेपी और कांग्रेस छोड़कर आप की सदस्यता ली है। वहीं, कुछ मौजूदा विधायकों और हार चुके प्रत्याशियों को फिर से मौका दिया गया है। हाजी यूनुस का टिकट कटने और मनीष सिसोदिया की सीट बदले जाने की चर्चा भी जोरों पर है।

दूसरी सूची के प्रमुख नाम– 1. नरेला – दिनेश भारद्वाज

2. तिमारपुर – सुरेंद्र पाल सिंह बिट्टू, 3. आदर्श नगर – मुकेश गोयल

4. मुंडका – जसबीर कराला, 5. मंगोलपुरी – राकेश जाटव धर्मरक्षक

6. रोहिणी – प्रदीप मित्तल, 7. चांदनी चौक – पुनर्दीप सिंह साहनी (सैबी)

8. पटेल नगर – प्रवेश रतन, 9. मादीपुर – राखी बिड़लान

10. जनकपुरी – प्रवीण कुमार, 11. बिजवासन – सुरेंद्र भारद्वाज

12. पालम – जोगिंदर सोलंकी, 13. जंगपुरा – मनीष सिसोदिया

14. देवली – प्रेम कुमार चौहान, 15. त्रिलोकपुरी – अंजना पारचा

16. पटपड़गंज – अवध ओझा, 17. कृष्णा नगर – विकास बग्गा, 18. गांधी नगर – नवीन चौधरी (दीपू)

19. शाहदरा – पदमश्री जितेंदर सिंह शंटी, 20. मुस्तफाबाद – आदिल अहमद खान

पिछले चुनावों का प्रदर्शनः आप ने 2015 के विधानसभा चुनाव में 67 सीटें जीतकर ऐतिहासिक जीत हासिल की थी। हालांकि, 2020 में यह संख्या घटकर 62 रह गई, लेकिन पार्टी ने प्रचंड बहुमत से सत्ता में वापसी की।

चुनावी मुकाबले का आगाजः आप की दूसरी सूची के बाद पार्टी के चुनावी समीकरण और रणनीति के संकेत साफ हो गए हैं। नई सूची में जहां पुराने नेताओं का अनुभव दिखता है, वहीं नए चेहरों को शामिल कर पार्टी ने अपनी तैयारियों को धार दी है।

बेलगावी में मराठी भाषी लोगों को दबाया जा रहा, इसे केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया जाए : आदित्य ठाकरे

पुणे, (भाषा) शिवसेना नेता (उबाठा) नेता आदित्य ठाकरे ने सोमवार को आरोप लगाया कि कर्नाटक के बेलगाम में मराठी भाषी लोगों के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने मांग की कि इस क्षेत्र को केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया जाए। मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में नई सरकार के गठन को लेकर जश्न मनाया जा रहा है, वहीं पड़ोसी राज्य (कर्नाटक) के बेलगावी में स्थिति बिगड़ रही है। महाराष्ट्र एकीकरण समिति के सदस्य सोमवार से शुरू हो रहे कर्नाटक विधानसभा के शीतकालीन सत्र का विरोध कर रहे हैं। इस संगठन ने बेलगावी में एक सभा का आयोजन किया था, लेकिन कर्नाटक सरकार ने कथित तौर पर सभा पर रोक लगा दी और महाराष्ट्र के नेताओं के राज्य में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया। विधायक ठाकरे ने पूछा, "बेलगावी में मराठी भाषी लोगों को दबाया जा रहा है। कल से ही इस क्षेत्र में स्थिति बिगड़ती जा रही है। हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया जा रहा है। (महाराष्ट्र के) पिछले "असंवैधानिक" मुख्यमंत्री ने वादा किया था कि वे विवादित क्षेत्र में रहने वाले मराठी भाषी लोगों को अतिरिक्त धनराशि देंगे। उस आश्वासन का क्या हुआ?" उन्होंने सवाल किया कि क्या केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार बेलगावी को केंद्र शासित प्रदेश घोषित करने के लिए तैयार है। ठाकरे ने कहा, "हमारी मांग थी और है कि बेलगावी को केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया जाना चाहिए।"

महाकुंभ से पहले गंगा नदी की निर्मलता सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री प्रयास करें: कांग्रेस

नयी दिल्ली, (भाषा) कांग्रेस ने सोमवार को उत्तर प्रदेश और कुछ अन्य राज्यों की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकारों पर गंगा नदी को 'अपवित्र' करने का आरोप लगाया और कहा कि प्रयागराज में 13 जनवरी से आरंभ हो रहे महाकुंभ से पहले यह सुनिश्चित होना चाहिए कि गंगा की पवित्रता और निर्मलता बरकरार रहे तथा लोग बिना किसी दिक्कत के स्नान कर सकें। कांग्रेस नेता अभय दुबे ने यह भी कहा कि इसमें प्रधानमंत्री को खुद प्रयास करना चाहिए। महाकुंभ की शुरुआत 13 जनवरी से होगी और इसका समापन 26 फरवरी को होगा। अभय दुबे ने संवाददाताओं से कहा, "मान्यता है कि जहां भी कुंभ आयोजित होता है, वहां अमृत होता है, लेकिन भाजपा सरकार ने हमारी संस्कृति के साथ खिलवाड़ किया है। एनजीटी (राष्ट्रीय हरित अधिकरण) की प्रमुख पीठ के छह नवंबर 2014 को पारित आदेश में 30 अक्टूबर 2014 को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा एक रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने का जिक्र था। उस रिपोर्ट में पता चला कि प्रयागराज की नगर पालिका निगम के परिक्षेत्र में नालों के पानी के शोधन के लिए केवल 340 एमएलडी की क्षमता के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगे हैं।" उन्होंने दावा किया कि करीब 12 करोड़ 80 लाख लीटर गटर का पानी सीधे गंगा में डाला जा रहा है, जो कि जघन्य पाप है।

दुबे ने कहा, "उत्तराखंड के लिए एनजीटी ने जब गंगोत्री के एक एमएलडी पानी की जांच की तो बड़े पैमाने पर क्वालीफॉर्म बैक्टीरिया मिला। इसका अर्थ है कि भाजपा सरकार ने गंगा के उद्गम को ही अपवित्र कर दिया। उन्होंने दावा किया कि उत्तराखंड में भी 195 एमएलडी सीवरेज गंगा में मिलाया जा रहा है, यानी 19 करोड़ 50 लाख लीटर नाला/गटर का पानी हर दिन उत्तराखंड में गंगा में जा रहा है। दुबे ने सवाल किया कि क्या उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करोड़ों श्रद्धालुओं को भरोसा दिला सकते हैं कि गंगा का पानी कुंभ तक स्नान के लायक हो जाएगा? उन्होंने कहा, "महाकुंभ से पहले गंगा की पवित्रता बरकरार रखने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी प्रयास करना चाहिए और इस पवित्र नदी की पवित्रता के साथ भाजपा की सरकारों में जो हुआ है उसके लिए उन्हें क्षमा मांगनी चाहिए।"

दिल्ली सरकार ने डीटीसी कर्मचारियों की मांगें स्वीकार कीं, वेतन वृद्धि का वादा

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को घोषणा की कि दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के सभी चालकों को इलेक्ट्रिक बसें चलाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा जो शहर के बस बेड़े को इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलने की योजना का हिस्सा है। आतिशी ने यह भी आश्वासन दिया कि वरिष्ठ चालकों, खासकर सहायक टिकट निरीक्षकों को नए इलेक्ट्रिक बस बेड़े में रोजगार के लिए प्राथमिकता दी जाएगी। आतिशी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली सरकार ने डीटीसी कर्मचारियों की कई प्रमुख मांगों पर सहमति व्यक्त की है, जो हाल में अपनी कार्य स्थितियों के विरोध में हड़ताल पर चले गए थे। उन्होंने कहा, " दिल्ली की परिवहन व्यवस्था में डीटीसी बस सेवा की अहम भूमिका है। डीटीसी में 4,500 संविदा चालक और 17,850 संविदा परिचालक हैं। हाल में वे हड़ताल पर चले गए थे। हमने उनकी मांगें सुनीं, जो पूरी तरह से जायज हैं। मैं उन्हें हड़ताल खत्म करने और दो दिन के विरोध प्रदर्शन के बाद हमारी अपील पर प्रतिक्रिया देने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। हम उनकी मांगों को पूरा करने पर काम कर रहे हैं।" कर्मचारियों द्वारा उठाए गए प्राथमिक मुद्दों में से एक सरोजिनी नगर पिंक बस डिपो में तैनात महिला डीटीसी कर्मचारियों का स्थानांतरण था। आतिशी ने कहा कि सरकार ने कर्मचारियों को उनके मूल डिपो में वापस स्थानांतरित करके इस मुद्दे को सुलझा लिया है, जिससे हड़ताल का कारण बने विवाद का एक प्रमुख बिंदु हल हो गया है। एक और महत्वपूर्ण मुद्दा यह था कि कर्मचारियों ने अपने घरों के नज़दीक तैनाती की मांग की थी। आतिशी ने बताया कि दिल्ली सरकार ने चालकों और परिचालकों के लिए ड्यूटी स्टेशन को तर्कसंगत बनाने के उद्देश्य से एक नई नीति पेश की है। उन्होंने कहा कि नई नीति का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कर्मचारियों को उनके घरों के नजदीक डिपो में तैनात किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्मचारियों की मांग को देखते हुए दिल्ली सरकार ने संविदा चालकों और परिचालकों के वेतन में वृद्धि के प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। उन्होंने बताया कि इस प्रस्ताव में महंगाई भत्ता (डीए) और ग्रेड पे शामिल होगा, जो पहले उनके वेतन का हिस्सा नहीं था। आतिशी ने कहा, "संविदा चालकों को वर्तमान में 843 रुपये का दैनिक वेतन मिलता है, जो कुल 21,918 रुपये प्रति माह है। उन्हें डीए या ग्रेड पे नहीं मिलता था। उन्होंने दैनिक वेतन के बजाय एक समेकित राशि का अनुरोध किया है।" आतिशी ने कहा कि सरकार ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और अगले एक . दो महीने के भीतर कर्मचारियों को उनके ग्रेड पे के अनुसार वेतन मिलना शुरू हो जाएगा। आतिशी ने कहा, "प्रस्ताव के अनुसार, संविदा परिचालकों का वेतन 21,900 रुपये से बढ़कर 29,250 रुपये हो जाएगा और संविदा चालकों को 21,918 रुपये के बजाय 32,918 रुपये मिलेंगे।" उन्होंने कहा कि इस वेतन वृद्धि पर 222 करोड़ रुपये का खर्च आएगा जिसे दिल्ली सरकार वहन करेगी।

दिल्ली–एनसीआर में बारिश के बाद शुरू हो सकता है ठंड का कहर, शीतलहर का अलर्ट जारी

नई दिल्ली। दिल्ली–एनसीआर में ठंड ने दस्तक दे दी है। रविवार को जहां सुबह का तापमान 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, वहीं शाम को हुई झमाझम बारिश ने सर्दी का असर और बढ़ा दिया। पंडारा पार्क से बारिश का एक वीडियो सामने आया है, जिसे देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ सकती है। ऐसे में घर से बाहर निकलने वालों को पर्याप्त गर्म कपड़े पहनने की सलाह दी जा रही है।

सुबह का मौसम और वायु गुणवत्ताः भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, रविवार सुबह दिल्ली का न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो औसत से दो डिग्री कम है। इसके साथ ही केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 'खराब' श्रेणी में 276 पर दर्ज किया गया।

शीतलहर की चेतावनीः आईएमडी के वैज्ञानिक डॉ. नरेश कुमार ने बताया कि हिमालय में 8 और 9 दिसंबर को हल्की से मध्यम बर्फबारी हो सकती है। इसके असर से पंजाब और हरियाणा में हल्की बारिश और दिल्ली–एनसीआर में हल्की फुल्की बारिश का अनुमान है। नौ दिसंबर के बाद पश्चिमी विक्षोभ के आगे बढ़ने के साथ ही उत्तर भारत में शीतलहर की स्थिति बनने की संभावना है। 10 दिसंबर से तापमान में गिरावट शुरू होगी, जिससे राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में ठंड का प्रकोप बढ़ सकता है।

सावधानी जरूरीः मौसम विभाग ने ठंड और शीतलहर को लेकर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। ठंड के कारण बीमारियां बढ़ सकती हैं, इसलिए गर्म कपड़ों और अन्य जरूरी एहतियात के साथ ही घर से बाहर निकलें।

दिल्ली का मौजूदा हालः बारिश के बाद जहां ठंड का असर बढ़ गया है, वहीं शहर में वायु गुणवत्ता पहले से ही खराब स्थिति में है। ऐसे में सर्दी और प्रदूषण का दोहरा संकट झेलने के लिए दिल्लीवासी तैयार रहें।

ओडिशा में छह वर्षों में 59,000 लोग ऑनलाइन कारोबार धोखाधड़ी के शिकार हुए : मुख्यमंत्री माझी

भुवनेश्वर, (भाषा) ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सोमवार को विधानसभा को बताया कि पिछले छह वर्षों के दौरान राज्य में 59,000 से अधिक लोग ऑनलाइन कारोबार धोखाधड़ी के शिकार हुए हैं। माझी ने एक लिखित बयान में कहा कि 2019 से नवंबर 2024 के बीच राज्य में ऑनलाइन कारोबार धोखाधड़ी के 769 मामले सामने आए और 59,437 लोग इस तरह की ठगी के शिकार हुए। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस विधायक तारा प्रसाद बहिनीपति के सवाल का जवाब देते हुए बताया कि ऑनलाइन कारोबार धोखाधड़ी के अधिकांश मामले 2023 और 2024 में सामने आए। वर्ष 2023 में कुल 18,994 लोगों को ठगने के 190 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2024 में 472 मामलों में 40,270 लोग ठगी का शिकार हुए। उन्होंने कहा कि 2023 में ओडिशा पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने साइबर अपराधियों के खिलाफ ऑनलाइन कारोबार धोखाधड़ी के चार मामले दर्ज किए, जिन्होंने कथित तौर पर 18,804 लोगों के साथ धोखाधड़ी की। इसी प्रकार, ईओडब्ल्यू ने चालू वर्ष में तीन ऐसे मामले दर्ज किए हैं, जिनमें ऑनलाइन कारोबार के दौरान 40,219 लोगों के साथ धोखाधड़ी की गई।

कर्नाटक विधानसभा : नवनिर्वाचित तीन विधायकों ने ली शपथ

बेलगावी (कर्नाटक), (भाषा) कर्नाटक में कांग्रेस के नवनिर्वाचित तीन विधायकों ने सोमवार को राज्य विधानसभा की सदस्यता की शपथ ली। यहां सुवर्ण विधान सौधा में विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू होते ही ई. अन्नपूर्णा, यासिर अहमद खान पठान और सी. पी. योगीश्वर ने विधायक के रूप में शपथ ली। ये तीनों क्रमशः संडूर, शिग्गांव और चन्नापटना विधानसभा क्षेत्रों में हुए उपचुनाव में विधायक चुने गए हैं। राज्य में 13 नवंबर को हुए उपचुनाव में बेल्लारी के सांसद ई. तुकाराम की पत्नी कांग्रेस उम्मीदवार अन्नपूर्णा ने अपने पति द्वारा खाली की गई सीट पर जीत हासिल की है, जबकि शिग्गांव में पठान ने पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के बेटे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार भरत बोम्मई को हराया है। योगीश्वर ने जनता दल (सेक्युलर) उम्मीदवार और कुमारस्वामी के बेटे निखिल कुमारस्वामी को हराकर चन्नापटना सीट जीती है। कर्नाटक की 224 सदस्यीय विधानसभा में अध्यक्ष को छोड़कर अब कांग्रेस के विधायकों की संख्या 136 हो गई है।

भारत एशिया कप क्वालीफायर 2027 के अंतिम दौर के लिए मुश्किल ग्रुप में

नयी दिल्ली, (भाषा) भारत को अगले साल 25 मार्च से शुरू होने वाले 2027 एशियाई कप क्वालीफायर के अंतिम दौर के मैचों के लिए बांग्लादेश, हांगकांग और सिंगापुर के साथ एक ग्रुप में रखा गया है। मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के मुख्यालय में रविवार को आयोजित ड्रॉ में 24 टीमों को छह ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप में चार–चार टीमों को रखा गया है। प्रत्येक ग्रुप की विजेता टीम सऊदी अरब में 2027 में होने वाले टूर्नामेंट में जगह बनाएंगी। 18 टीम क्वालीफाइंग के दूसरे दौर से पहले ही टूर्नामेंट में अपनी जगह सुरक्षित कर चुके हैं। क्वालीफाइंग के अंतिम दौर के मैच 25 मार्च 2025 से लेकर 31 मार्च 2026 तक खेले जाएंगे। प्रत्येक टीम अपने घरेलू मैदान और विरोधी टीम के मैदान पर मैच खेलेगी। लगातार तीसरी बार क्वालीफाई करने के लक्ष्य के साथ भारत ग्रुप सी में अपने अभियान की शुरुआत घरेलू मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ करेगा। भारत 127वें स्थान के साथ समूह में सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम है। उसके बाद हांगकांग (156), सिंगापुर (161) और बांग्लादेश (185) का नंबर आता है। लेकिन, वे आसान प्रतिद्वंद्वी नहीं होंगे। भारत 25 मार्च 2025 को बांग्लादेश के खिलाफ अपनी धरती पर पहला मैच खेलने के बाद 10 जून 2025 को हांगकांग के खिलाफ उसके घरेलू मैदान पर मैच खेलेगा। भारतीय टीम सिंगापुर के खिलाफ नौ अक्टूबर 2025 को अपने घरेलू मैदान तथा 14 अक्टूबर 2025 को विदेशी मैदान पर मैच खेलेगी। भारतीय टीम इसके बाद 18 नवंबर 2025 को होने वाले मैच के लिए बांग्लादेश का दौरा करेगी और फिर 31 मार्च 2026 को हांगकांग के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर अंतिम मैच खेलेगी।

एडीलेड में नोक झोंक के लिए सिराज पर जुर्माना, हेड को भी सजा

एडीलेड, (भाषा) अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज पर यहां खेले गए दिन–रात्रि के दूसरे क्रिकेट टेस्ट में तीखी बहस के लिए मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया है जबकि ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ट्रेविस हेड को भी सजा दी गई। सोमवार को अनुशासनात्मक सुनवाई के बाद सिराज और हेड को आईसीसी की आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया। आईसीसी ने एक बयान में कहा, ''सिराज को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के नियम 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाए जाने के बाद उन पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।'' उपरोक्त नियम 'ऐसी भाषा, कार्य या हाव–भाव का उपयोग करने से संबंधित है जो किसी बल्लेबाज को अपमानित करती है या जो आउट होने पर बल्लेबाज को आक्रामक प्रतिक्रिया के लिए उकसा सकती है।'' आईसीसी ने कहा कि हेड को भी खिलाड़ियों और खिलाड़ी के सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के नियम 2.13 का उल्लंघन करने के लिए 'दंडित' किया गया था। हालांकि, वह 'किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किसी खिलाड़ी, खिलाड़ी सहायक कर्मियों, अंपायर या मैच रेफरी के साथ दुर्व्यवहार' से संबंधित नियम का उल्लंघन करने के लिए जुर्माने से बच गए। सिराज और हेड के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक–एक डिमेरिट अंक भी जुड़ गया जो पिछले 24 महीनों में उनका पहला अपराध था। आईसीसी ने कहा, ''दोनों ने अपने अपराध स्वीकार किए और मैच रेफरी रंजन मदुगले द्वारा प्रस्तावित प्रतिबंधों को स्वीकार किया।'' दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की 10 विकेट की जीत के दौरान दूसरे दिन हेड और सिराज के बीच कुछ समय के लिए नोक झोंक हुई थी। हेड ने सिराज की गेंद पर आउट होने से पहले 141 गेंद में 140 रन की शानदार पारी खेली थी। सिराज ने हेड को आक्रामक विदाई दी थी जिसके बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच बहस हुई थी।इस घटना के बाद भारतीय खिलाड़ी को एडीलेड में दर्शकों से हूटिंग का सामना करना पड़ा था।

कपिल ने रोहित का समर्थन करते हुए कहा, कप्तान को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं

नयी दिल्ली, (भाषा) महान क्रिकेटर कपिल देव ने सोमवार को कहा कि रोहित शर्मा की वापसी करने की क्षमता पर संदेह नहीं करना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आलोचनाओं से घिरे भारतीय कप्तान को अपने करियर के इस चरण में खुद को साबित करने की जरूरत नहीं है। एडीलेड में गुलाबी गेंद के टेस्ट में रोहित ने मध्य क्रम में बल्लेबाजी करते हुए तीन और छह रन बनाए थे। प्रशंसकों और पूर्व खिलाड़ियों ने नरम रुख के लिए उनकी आलोचना की थी। भारत ने ढाई दिन में मैच 10 विकेट से गंवा दिया। कपिल ने यहां दिल्ली गोल्फ क्लब में एक कार्यक्रम के दौरान कहा, ''उसे खुद को साबित करने की जरूरत नहीं है। वह कई वर्षों से ऐसा करता आ रहा है इसलिए हमें किसी पर संदेह नहीं करना चाहिए। मैं उस पर संदेह नहीं करूंगा। मुझे उम्मीद है कि वह फॉर्म में वापस आ जाएगा, यह महत्वपूर्ण है।'' रोहित अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण शुरुआती टेस्ट में नहीं खेले थे। सलामी बल्लेबाज के तौर पर अपने अधिकांश रन बनाने के बावजूद 37 वर्षीय रोहित दूसरे टेस्ट में छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे जिससे लोकेश राहुल को पारी का आगाज करने का मौका मिला जिन्होंने पर्थ में टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। कपिल ने कहा, ''एक या दो प्रदर्शन के आधार पर, अगर आपको किसी की कप्तानी पर संदेह है। मेरा मतलब है कि सिर्फ छह महीने पहले जब उसने टी20 विश्व कप जीता था तो आपने यह सवाल नहीं पूछा होता। इसे जाने दीजिए, उसकी क्षमता और प्रतिभा को जानते हुए, वह वापसी करेगा। वह मजबूती से वापसी करेगा।'' यह पूछे जाने पर कि क्या दूसरे टेस्ट में युवा हर्षित राणा को शामिल करना एक गलती थी, कपिल ने कहाः ''मैं कोई नहीं हूं। मैं कैसे फैसला कर सकता हूं? वहां ऐसे लोग हैं जिनके पास यह तय करने की जिम्मेदारी है कि टीम में किसे होना चाहिए।'' रोहित की अनुपस्थिति में उपकप्तान जसप्रीत बुमराह की अगुआई में पर्थ में भारत को 295 रन से जीत दर्ज की। यह पूछे जाने पर कि क्या बुमराह रोहित से कमान संभालने के लिए अच्छी तरह से तैयार हो रहे हैं, कपिल ने कहा, ''मुझे लगता है कि इस बारे में बात करना जल्दबाजी होगी। एक प्रदर्शन के आधार पर आप यह नहीं कह सकते कि वह सर्वश्रेष्ठ है और एक खराब प्रदर्शन के आधार पर आप यह नहीं कह सकते कि वह इसके लायक नहीं हैं।'' ऑस्ट्रेलिया में पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला से पहले खराब फॉर्म से जूझ रहे विराट कोहली पर्थ में 18 महीनों में अपना पहला शतक लगाने में सफल रहे। हालांकि यह स्टार बल्लेबाज दूसरे टेस्ट में असफल रहा और दो पारियों में सात और 11 रन ही बना पाया। कपिल ने कहा, ''विराट कोहली हमारे देश के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में से एक है। अगर आप चार शीर्ष बल्लेबाजों को शामिल करते हैं, तो वह वहां होगा। अगर वह बुरे दौर से गुजर रहा है तो यह केवल उस पर निर्भर करता है कि वह कितनी तेजी से वापसी कर सकता है।''
भारत के पूर्व बल्लेबाज विनोद कांबली शराब से जुड़ी और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। हाल ही में दिग्गज कोच रमाकांत आचरेकर की याद में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान वह काफी कमजोर दिखाई दिए। उन्हें अपने बचपन के दोस्त सचिन तेंदुलकर को हाथ पकड़कर रोकते हुए देखा गया। कपिल ने कांबली की स्थिति पर दुख व्यक्त किया और बाहरी सहायता के साथ–साथ स्वयं सहायता की आवश्यकता पर बल दिया। कपिल ने कहा, ''हम सभी को उनका समर्थन करने की कोशिश करनी चाहिए। लेकिन हमारे से अधिक उसे खुद का समर्थन करना है। अगर कोई व्यक्ति खुद का ख्याल नहीं रख सकता तो हम उसका ख्याल नहीं रख सकते।'' उन्होंने कहा, ''हमने जो देखा है, उससे सभी क्रिकेटर बहुत दुखी हैं।

भारत के कुश मैनी ने फॉर्मूला2 कंस्ट्रक्टर्स चैंपियनशिप जीतकर इतिहास रचा

अबुधाबी, (भाषा) भारतीय ड्राइवर कुश मैनी ने यहां एफ2 कंस्ट्रक्टर्स रेस जीतकर भारतीय खेलों में नया इतिहास रचा। वह एफआईए कंस्ट्रक्टर्स विश्व चैंपियनशिप जीतने वाले देश के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। मैनी के लिए फार्मूला2 में यह सत्र शानदार रहा। इससे पहले वह इस रेस में पोल पोजीशन हासिल करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे। मैनी ने इनविक्टा रेसिंग की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह टीम इस सत्र में पांच बार पोडियम पर पहुंची, जिसमें हंगरी में पहला स्थान हासिल करना भी शामिल है। इस भारतीय ड्राइवर ने जेद्दा में पोल पोजीशन हासिल की थी। इस तरह से उन्होंने अपनी टीम के अभियान की शानदार नींव रखी, जिसका मैनी की पूर्व टीम कैम्पोस रेसिंग पर 34.5 अंकों के अंतर से जीत के साथ समापन हुआ।

पूजा ने राष्ट्रीय अंडर–18 रिकॉर्ड के साथ हेप्टाथलन का स्वर्ण पदक जीता

भुवनेश्वर, (भाषा) हरियाणा की पूजा ने मंगलवार को 39वीं राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अंडर–18 वर्ग में राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ हेप्टाथलन का स्वर्ण पदक जीता। कलिंगा स्टेडियम में स्वर्ण जीतने के दौरान पूजा ने राष्ट्रीय अंडर–18 महिला ऊंची कूद के रिकॉर्ड को 1.85 मीटर तक सुधारने के एक दिन बाद हेप्टाथलन में 5,102 अंक हासिल किए जो इस साल की शुरुआत में आर खातून द्वारा बनाए गए 4,357 अंक के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड से बेहतर था। तेलंगाना की श्रीतेजा थोलेम ने भी 5,087 अंक हासिल करके पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया लेकिन उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। हरियाणा की खुशी ने 4,350 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता।

आजाद का आरोप, डीडीसीए ने पिछले साल बीसीसीआई से मिले 140 करोड़ का कुछ हिस्सा ही खर्च किया

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष पद के लिए इस सप्ताह होने वाले चुनावों में मौजूदा अध्यक्ष रोहन जेटली को चुनौती देने वाले पूर्व भारतीय क्रिकेटर कीर्ति आजाद ने मौजूदा अधिकारियों पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने पिछले वित्तीय वर्ष में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से मिले लगभग 140 करोड़ रुपये का केवल एक हिस्सा ही खर्च किया। पीटीआई द्वारा संपर्क करने के प्रयासों के बावजूद जेटली सहित डीडीसीए के मौजूदा पदाधिकारियों ने आजाद के आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। डीडीसीए की बैलेंस शीट के अनुसार राज्य इकाई को पिछले वित्तीय वर्ष में बीसीसीआई से 70 करोड़ रुपये की अनुदान आय (अनुदान या सब्सिडी के रूप में प्राप्त धन) प्राप्त हुई जबकि आईपीएल आय, बीसीसीआई से मैच फीस और अंतरराष्ट्रीय मैचों की टिकट बिक्री सहित अन्य स्रोतों से उसे लगभग 67 करोड़ रुपये की कमाई हुई।

खेल मंत्री मांडविया ने बधिर खिलाड़ियों के साथ समान रवैया अपनाने का आश्वासन दिया

नयी दिल्ली, (भाषा) खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने कुआलालंपुर में 10वें एशिया प्रशांत बधिर खेलों में 55 पदक जीतने वाले भारतीय दल को बधाई देते हुए सोमवार को यहां आश्वासन दिया कि बधिर खिलाड़ियों के साथ भी अन्य खिलाड़ियों की तरह समान व्यवहार किया जाएगा। भारत ने एक से आठ दिसंबर तक आयोजित किए गए खेलों में 68 खिलाड़ियों को भेजा था, जिन्होंने आठ स्वर्ण, 18 रजत और 29 कांस्य पदक जीते। इस प्रतियोगिता में कुल 21 देशों ने भाग लिया था तथा भारत कुल मिलाकर पांचवें स्थान पर रहा। मांडविया ने अपने आवास पर दल के लिए आयोजित सम्मान समारोह के दौरान कहा, ''मैं देश को गौरवान्वित करने के लिए सभी खिलाड़ियों को बधाई देता हूं। 55 पदक जीतना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। यह शानदार प्रदर्शन है।'' उन्होंने कहा, ''मैं आप सभी को हमारे पैरा खिलाड़ियों और ओलिंपिक खिलाड़ियों की तरह समान व्यवहार और सहायता का आश्वासन देता हूं। मैं आपको समान सुविधाएं प्रदान करने में कोई कसर नहीं छोड़ूंगा। यह मेरा वादा है।''

हैदराबाद स्ट्राइकर्स ने यश मुंबई ईगल्स को हराकर तीसरा टीपीएल खिताब जीता

मुंबई, (भाषा) हैदराबाद स्ट्राइकर्स ने यहां यश मुंबई ईगल्स को 51–44 से हराकर तीसरी बार टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) का खिताब जीता। हैरियट डार्ट, बेंजामिन लॉक और विष्णु वर्धन ने लगातार अच्छा प्रदर्शन करके हैदराबाद की टीम की जीत सुनिश्चित की। डार्ट ने महिला एकल में यश मुंबई ईगल्स की ज़ेनेप सोनमेज़ के खिलाफ 14–11 के स्कोर से जीत हासिल करके हैदराबाद स्ट्राइकर्स को अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके बाद करण सिंह ने लॉक के खिलाफ पुरुष एकल में 14–11 से जीत दर्ज करके मुंबई को मुकाबले में बनाए रखा। लेकिन हैदराबाद स्ट्राइकर्स ने मिश्रित युगल मैच में जीत दर्ज करके मुकाबले में अपना दबदबा बनाया। मिश्रित युगल में डार्ट और वर्धन की जोड़ी ने ज़ेनेप सोनमेज़ और जीवन नेदुनचेझियन पर 16–9 से जीत हासिल की। पुरुष युगल में करण और नेदुनचेझियन ने काफी कोशिश की लेकिन वह जीत हासिल नहीं कर सके। वर्धन और लॉक ने मैच 10–10 से समाप्त कर हैदराबाद को विजेता बनाया।

गेंदबाजी में सहज दिखे शमी ने हरफनमौला खेल से बंगाल को चंडीगढ़ पर दिलायी जीत

बेंगलुरू, (भाषा) मोहम्मद शमी ने फिटनेस संबंधी चिंताओं को दूर करते हुए अपने हरफनमौला खेल से चंडीगढ़ के खिलाफ बंगाल को तीन रन की रोमांचक जीत दिलाकर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा दिया। शमी ने सोमवार को यहां 17 गेंद में नाबाद 32 रन की पारी खेलने के बाद चार ओवर में सिर्फ 25 रन खर्च कर एक सफलता हासिल की। उन्होंने इस दौरान 13 डॉट गेंदें डाली और अच्छी गति से गेंदबाजी की। राष्ट्रीय टीम में वापसी की कोशिश में शमी ने भारत के पूर्व गेंदबाज संदीप शर्मा के खिलाफ आखिरी ओवर में 19 रन बटोरे जिससे एक समय आठ विकेट पर 114 रन बनाकर संघर्ष कर रही बंगाल की टीम ने नौ विकेट पर 159 रन बनाये। शमी ने इस दौरान आखिरी ओवर में दो छक्के और एक चौका लगाने के साथ 10वें विकेट के लिए सयान घोष के साथ 21 रन की साझेदारी की। चंडीगढ़ को आखिरी ओवर में जीत के लिए 11 रन की जरूरत थी और क्रीज पर मौजूद निखिल शर्मा (17 गेंद में 22 रन)अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। आखिरी ओवरों के विशेषज्ञ के तौर पर पहचान बना चुके घोष (30 रन पर चार विकेट) ने शानदार गेंदबाजी से निखिल को हाथ खोलने का मौका नहीं दिया। उन्होंने इस बल्लेबाज को पांचवीं गेंद पर पवेलियन की राह दिखायी। वह आखिरी गेंद पर चौका खा गये लेकिन इससे चंडीगढ़ का स्कोर नौ विकेट पर 156 रन ही हो पाया।शमी ने बल्ले के बाद गेंद से भी प्रभावित किया। शमी ने पहले स्पैल की तीसरी ही गेंद पर सलामी बल्लेबाज अर्सलान जेड. खान को शाकिर हबीब गांधी के हाथों कैच करा दिया। मध्य प्रदेश के खिलाफ अपने पहले रणजी ट्रॉफी मैच की तुलना में वह काफी फिट दिख रहे थे। वह गेंदबाजी के दौरान गेंद को अपने चिर–परिचित अंदाज में सीम की मदद से स्विंग कराते दिखे। मध्य प्रदेश के खिलाफ (रणजी मैच) उन्होंने 42.3 ओवर गेंदबाजी की थी लेकिन तब उनकी गेंदबाजी में वैसा पैनापन नहीं था जैसा की आज दिखा। उन्होंने लगभग 135 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से गेंदबाजी की और इस दौरान उनकी एक गेंद की गति 139 किलोमीटर प्रतिघंटे तक पहुंची। उन्होंने अपने शुरुआती तीन ओवर में सिर्फ 11 रन खर्च किये जिसमें दो चौके शामिल थे। चोट से वापसी के बाद शमी ने एक रणजी और आठ टी20 (सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी) मैच खेल है। उन्होंने इस दौरान 64 ओवर की गेंदबाजी में 16 विकेट लिये है। भले ही यह चार ओवर का प्रारूप है लेकिन शमी भारतीय टीम में वापसी की राह पर दिखे। टेस्ट मैच में उन्हें एक दिन में तीन या चार स्पैल में कुल 20 ओवर तक गेंदबाजी करनी पड़ सकती है। गेंदबाजी के साथ क्षेत्ररक्षण के लिए मैदान पर पूरे दिन रहना होगा। चयनकर्ता पूरी फिटनेस हासिल करने पर शमी को जल्द से जल्द टीम में लेना चाहेंगे लेकिन बीसीसीआई के गलियारों में चर्चा है कि अनुभवी तेज गेंदबाज ने खुद एनसीए मेडिकल टीम को बताया है कि 'वह अभी भी टेस्ट मैच के लिए तैयार नहीं हैं'। उन्होंने बताया है कि मैच के दौरान गेंदबाजी में कोई समस्या नहीं है लेकिन दिन के खेल के बाद उनके घुटने में थोड़ी सूजन महसूस होती है। इसका जिक्र टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा ने भी एडिलेड टेस्ट हारने के बाद मीडिया से बातचीत में किया था।

शास्त्री और गावस्कर ने रोहित को सलामी बल्लेबाज की भूमिका में लौटने को कहा

एडीलेड, (भाषा) पूर्व भारतीय क्रिकेटर रवि शास्त्री और सुनील गावस्कर चाहते हैं कि कप्तान रोहित शर्मा फिर से पारी की शुरुआत करें ताकि वह आक्रामक और प्रभावशाली बन सकें। पहले टेस्ट में नहीं खेलने वाले रोहित गुलाबी गेंद के दूसरे टेस्ट में छठे नंबर पर उतरे क्योंकि उनकी अनुपस्थिति में लोकेश राहुल ने श्रृंखला के पहले मैच में शीर्ष क्रम में अच्छा प्रदर्शन किया। हालांकि भारतीय कप्तान 'बहुत नरम' दिखे और उन्होंने यहां भारत की 10 विकेट की हार के दौरान तीन और छह रन की पारियां खेली। शास्त्री ने 'स्टार स्पोर्ट्स' से कहा, ''यही कारण है कि मैं उन्हें शीर्ष पर देखना चाहता हूं। यहीं पर वह आक्रामक हो सकते हैं। बस उनकी बॉडी लैंग्वेज देखकर लगा कि वह थोड़े ज्यादा शांत थे।'' पूर्व भारतीय कोच ने कहा, ''तथ्य यह है कि उन्होंने रन नहीं बनाए। मुझे नहीं लगता कि मैदान पर वह ज्यादा सक्रिय थे। मैं बस उन्हें मैच में अधिक जुड़ा हुआ और अधिक उत्साहित देखना चाहता था।'' एडीलेड टेस्ट से पहले रोहित ने कहा कि वह उस संयोजन के साथ छेड़छाड़ नहीं करना चाहते जिसने टीम को श्रृंखला के पहले मैच में सफलता दिलाई थी। भारत ने पहला टेस्ट पर्थ में 295 रन से जीता था। उन्होंने कैनबरा में अभ्यास मैच में मध्य क्रम में बल्लेबाजी भी की। हालांकि रोहित ने स्वीकार किया कि व्यक्तिगत रूप से उनके लिए यह आसान निर्णय नहीं था। वर्ष 2018 के बाद पहली बार मध्य क्रम में बल्लेबाजी करने वाले रोहित ने कहा, ''व्यक्तिगत रूप से यह आसान नहीं था। लेकिन टीम के लिए, हां, यह बहुत मायने रखता है।'' राहुल ने पहले टेस्ट की दूसरी पारी में साथी सलामी बल्लेबाज और शतकवीर यशस्वी जायसवाल के साथ 201 रन की साझेदारी की। उन्होंने टेस्ट में 26 और 77 रन बनाए। वह हालांकि दूसरे मैच में अपनी फॉर्म को दोहराने में विफल रहे। राहुल के अवसर का लाभ उठाने में विफल होने के बाद पूर्व भारतीय कप्तान गावस्कर ने रोहित को उनके सलामी बल्लेबाज के स्थान पर आने को कहा। गावस्कर ने 'स्पोर्ट्स तक' पर कहा, ''उन्हें अपने नियमित स्थान पर वापस लौटना चाहिए। हमें याद रखना चाहिए कि राहुल ने पारी का आगाज क्यों किया था। उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि रोहित शर्मा पहले टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं थे।'' उन्होंने कहा, ''मैं समझ सकता हूं कि दूसरे टेस्ट में उन्हें सलामी बल्लेबाज के रूप में क्यों रखा गया, उन्होंने जायसवाल के साथ 200 से अधिक रन की साझेदारी की। लेकिन अब जब वह इस टेस्ट में रन नहीं बना पाए तो मुझे लगता है कि राहुल को नंबर पांच या नंबर छह पर वापस जाना चाहिए और रोहित शर्मा को पारी का आगाज करना चाहिए। अगर रोहित शुरुआत में तेजी से रन बनाते हैं तो वह बाद में बड़ा शतक भी बना सकते हैं।''

श्रीलंका को हराकर दक्षिण अफ्रीका ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए मजबूत किया दावा

गक्बेरहा (दक्षिण अफ्रीका), (एपी) दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट के आखिरी दिन सोमवार को श्रीलंका को 109 रनों से हराकर श्रृंखला 2–0 से अपने नाम कर ली। जीत लिए 348 रन का पीछा कर रहे श्रीलंका को मैच के पांचवें दिन जीत के लिए और 143 रन की जरूरत थी जबकि उसके पांच विकेट बचे थे। कप्तान धनंजय डिसिल्वा (50) और कुसल मेंडिस (46) की छठे विकेट की 97 रन की साझेदारी टूटने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने पुछल्ले बल्लेबाजों को बिना समय गवांये चलता कर दिया। श्रीलंका की दूसरी पारी 238 रन पर सिमट गयी। वामहस्त स्पिनर केशव महाराज ने 76 रन पर पांच विकेट झटके। टेस्ट करियर में उन्होंने 11वीं बार पांच विकेट लेने का कारनामा किया है। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 358 बनाने के बाद श्रीलंका को 328 रन पर आउट किया था। उसने दूसरी पारी में 317 रन बनाये। श्रीलंका को आखिरी दिन कल के नाबाद बल्लेबाज डिसिल्वा और मेंडिस से चमत्कार की उम्मीद थी। दोनों ने दिन की शुरुआत में एक समान 39 रन पर थे। दिन के सातवें ओवर में महाराज ने मेंडिस को एडेन मारक्रम के हाथों कैच कराया। डिसिल्वा अर्धशतक पूरा करने के बाद कैगिसो रबाडा की गेंद को विकेटकीपर काइल वेरिन के हाथों में खेल गये जिससे श्रीलंका की हार तय हो गयी। श्रीलंका ने छह रन के अंदर आखिरी तीन विकेट गंवा दिये। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की तालिका में पहले स्थान पर पहुंच कर फाइनल के लिए अपना दावा मजबूत कर लिया। दक्षिण अफ्रीका को अब अपनी घरेलू सरजमीं पर पाकिस्तान के खिलाफ 26 दिसंबर से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलनी है।

ग्रैंडमास्टर को हराने वाले सबसे युवा भारतीय खिलाड़ी बने आरित कपिल

भुवनेश्वर, (भाषा) दिल्ली के नौ वर्षीय आरित कपिल यहां केआईआईटी इंटरनेशनल ओपन टूर्नामेंट के नौवें और अंतिम दौर में अमेरिका के रासेट जियातदीनोव को पराजित करके शतरंज ग्रैंडमास्टर को हराने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। कपिल ने यह उपलब्धि नौ साल, दो महीने और 18 दिन की उम्र में हासिल की। वह क्लासिकल टाइम कंट्रोल में ग्रैंडमास्टर को हराने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय और दुनिया के तीसरे खिलाड़ी हैं। किसी ग्रैंडमास्टर को हराने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी सिंगापुर के भारतीय मूल के अश्वथ कौशिक हैं। उन्होंने इस साल की शुरुआत में पोलैंड के जेसेक स्तूपा के खिलाफ जीत दर्ज करके यह उपलब्धि हासिल की थी। तब उनकी उम्र केवल आठ वर्ष और छह महीने थी। जियातदीनोव 66 वर्ष के हैं और निश्चित तौर पर वह अपने चरम पर नहीं हैं लेकिन उन्होंने सफेद मोहरों से खेल रहे कपिल को कड़ी चुनौती दी। भारतीय खिलाड़ी ने हालांकि उनकी हर चाल का अच्छी तरह से जवाब दिया और 63 चाल में यह बाजी जीत कर भारतीय शतरंज के इतिहास में नया अध्याय जोड़ा।

सिराज अच्छा इंसान है, उसके पास कोहली की तरह दर्शकों में उत्साह भरने की क्षमता है: हेजलवुड

एडिलेड, (भाषा) ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड के साथ कहासुनी में उलझने के बाद मोहम्मद सिराज के आक्रामक तेवर चर्चा का विषय बने हुए है लेकिन जोश हेजलवुड ने भारत के इस तेज गेंदबाज को अच्छा इंसान करार देते हुए कहा कि वह खेल के प्रति जुनूनी है और उसके पास विराट कोहली की तरह दर्शकों में जोश भरने की क्षमता है। एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिराज ने दो बार आक्रामक भाव भंगिमा दिखायी। दिन–रात्रि प्रारूप में खेले गये इस मैच को भारत 10 विकेट से हार गया था। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में उन्होंने गेंद मार्नस लाबुशेन के पास फेंक दी थी। उनकी गेंदबाजी रन अप के दौरान लाबुशेन स्टंप छोड़ कर पीछे हट गये थे जिससे खफा होकर सिराज ने ऐसी प्रतिक्रिया दी। लाबुशेन साइट स्क्रीन के सामने किसी दर्शक के आने से क्रीज छोड़ने को मजबूर हुए थे। इसके अगले दिन वह इस मैच में शतकीय पारी खेलने वाले ट्रेविस हेड को बोल्ड करने के बाद उनके साथ कहासुनी में उलझ गये। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज हेजलवुड ने कहा, '' वह अच्छे चरित्र वाले इंसान है और कभी–कभी उसे देखना अच्छा लगता है।'' हेजलवुड इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) की टीम में सिराज के साथ ड्रेसिंग रूम साझा कर चुके हैं। उन्होंने कहा, '' मैंने सिराज के साथ आरसीबी में अपने समय का वास्तव में लुत्फ उठाया। वह संभवतः कुछ हद तक भारतीय गेंदबाजी का नेतृत्व करता है। उसका व्यक्तित्व कुछ हद तक विराट जैसा है । वह बहुत भावुक है और उसमें दर्शकों में जोश भरने की क्षमता है। उसने पिछले कुछ वर्षों में आईपीएल में शानदार गेंदबाजी की है।'' हेजलवुड चोट के कारण एडिलेड टेस्ट मैच नहीं खेल सके थे। उन्होंने पहले टेस्ट मैच की शुरुआती पारी में कोहली को पांच रन पर आउट किया था।

अल्लू अर्जुन अभिनीत 'पुष्पा 2: द रूल' फिल्म ने 800 करोड़ रुपये की कमाई पार की

नयी दिल्ली, (भाषा) अल्लु अर्जुन की 'पुष्पा 2: द रूल' फिल्म ने रिलीज होने के बाद पहले सप्ताहांत पर 'बॉक्स ऑफिस' पर 829 करोड़ रुपये की कमाई की है और दुनियाभर में 800 करोड़ रुपये की कमाई पार करने वाली 'सबसे तेज भारतीय फिल्म' बन गयी है। निर्माताओं ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह फिल्म पांच दिसंबर को रिलीज हुई थी, जिसका निर्देशन सुकुमार ने किया है। फिल्म में रश्मिका मंदाना और फहाद फासिल भी हैं। प्रोडक्शन हाउस 'मैत्री मूवीज' ने अपने आधिकारिक 'एक्स' पेज पर इस फिल्म से इस सप्ताहांत को हुई कमाई का आंकड़ा साझा किया। 'इस बैनर' ने पोस्ट में कहा, ''सबसे बड़ी भारतीय फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सबसे बड़ी 'वाइल्डफायर' है। 'पुष्पा 2: द रूल' चार दिन में 829 करोड़ रुपये की कमाई के साथ दुनिया भर में 800 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली सबसे तेज भारतीय फिल्म बन गई है। सिनेमाघरों में राज कर रही है।'' निर्माताओं ने 'पुष्पा 2' के हिंदी डब संस्करण का भी 'बॉक्स ऑफिस' आंकड़ा साझा किया। इस फिल्म ने रविवार को 86 करोड़ रुपये की कमाई की जिसके साथ ही इस भाषा में उसकी कुल कमाई 291 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा, ''हिंदी में एक ऐतिहासिक दिन। 'पुष्पा 2: द रूल' ने चौथे दिन 86 करोड़ रुपये की कमाई की और एक दिन में सबसे ज़्यादा हिंदी 'कलेक्शन (कमाई)' का रिकॉर्ड बनाया।''

'क्लास' (2023) की 'बिगड़ैल ड्रगिस्ट सुहानी', अंजलि शिवारमन

वेब सीरीज 'क्लास' (2023) फेम एक्ट्रेस अंजलि शिवारमन की यह सीरीज, सुपरहिट स्पेनिश सीरीज़ 'इलीट' पर बेस्ड थी। इसे ऑडियंस का जमकर प्यार और प्रशंसा मिली। वर्ग असमानता, भ्रष्टाचार, जातिवाद और घृणा जैसे संवेदनशील विषयों को दर्शाती वेब सीरीज 'क्लास' (2023) में अंजलि शिवारमन एक बिगड़ैल ड्रगिस्ट सुहानी के किरदार में नजर आईं थी। इस सीरीज में अंजलि शिवरामन ने जिस तरह और जिस अंदाज में दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया, वह लाजवाब था। अंजलि शिवरामन का जन्म 17 अक्टूबर 1994 को बेंगलुरु में हुआ। वह लोकप्रिय भारतीय गायिका चित्रा अय्यर और जाने माने भारतीय वायु सेना पायलट विनोद शिवरामन की बेटी हैं। 8 साल पहले एक्ट्रेस बनने का ख्वाब दिल में संजाए हुए अंजलि, बेंगलुरु से मुंबई आई थी। महज 15 से 20 सैकंड तक, टेलीविज़न पर दिखाए जाने वाले एड से अपनी शुरुआत करने के बाद, अंजलि ने तरुण तहिलियानी और सब्यसाची जैसे डिजाइनरों के लिए मॉडलिंग और नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'क्लास' (2023) में मुख्य भूमिका निभाते हुए पहचान हासिल की। बहुमुखी प्रतिभा की धनी अंजलि अब तक, कई ऐड और प्रिंट विज्ञापनों में नजर आ चुकी हैं। वेब सीरीज 'क्लास' (2023) के पहले अंजलि को 7 एपीसोड वाली वेब सीरीज 'पीएम सेल्फीवाली' (2018) में मीरा और नेटफ्लिक्स की शॉर्ट फिल्म 'कोबाल्ट ब्लू' (2022) में 'जेनी' के मुख्य किरदार में देखा गया था ।अंजलि एक एक्ट्रेस होने के साथ–साथ गायिका और मॉडल भी है। वेब सीरीज 'क्लास' (2023) में मिली लोकप्रियता के बाद अब अंजलि के पास तमाम ऑफर आने की शुरूआत हो चुकी है। उम्मीद की जा रही है कि वह कुछ वेब सीरीज और हिंदी फिल्मों में भी नजर आ सकती हैं।

मेरा सपना रहा है 'रामायण' फिल्म में भगवान राम की भूमिका निभाना : रणबीर कपूर

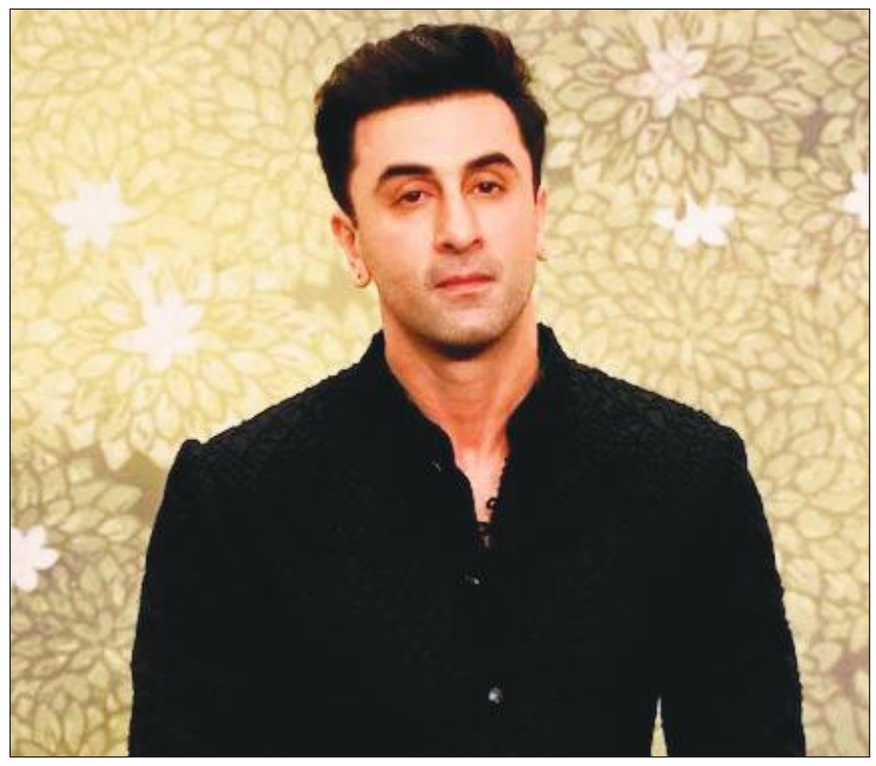

नयी दिल्ली, बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर ने नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में भगवान राम की भूमिका निभाने के बारे में खुलकर बात की और कहा कि 'भारत की सबसे बड़ी महागाथा' को बड़े पर्दे पर पेश करने वाली इस फिल्म का हिस्सा बनने को लेकर वह उत्साहित हैं। 'रामायण' फिल्म दो भागों में जारी होगी। पहला और दूसरा भाग वर्ष 2026 और 2027 में दिवाली पर रिलीज होगा। प्राइम फोकस स्टूडियो के नमित मल्होत्रा इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। ऐसी खबरें थीं कि रणबीर और साई पल्लवी फिल्म में राम और सीता का किरदार निभाएंगे। हाल में एक साक्षात्कार में, 'केजीएफ' फ्रैंचाइज़ी के स्टार यश ने कहा कि वह 'रामायण' में रावण की भूमिका निभाएंगे। निर्माताओं ने अभी तक कलाकारों की पुष्टि नहीं की है। सऊदी अरब के 'रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, 2024' में रविवार को एक सत्र में परिचर्चा के दौरान रणबीर ने कहा कि उन्होंने 'रामायण' के पहले भाग की शूटिंग पूरी की है और वह 'दूसरे हिस्से के लिए शीघ्र काम शुरू करेंगे।'' अभिनेता ने कहा, ''मैं उस कहानी का हिस्सा बन राम की भूमिका निभाकर बहुत खूश हूं। यह मेरा एक सपना है। यह एक ऐसी फिल्म है जिसमें सब कुछ है। यह सिखाती है कि भारतीय संस्कृति क्या है – परिवार और पति–पत्नी का रिश्ता। मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं।'' रणबीर ने अमेरिकी समाचार पोर्टल डेडलाइन को दिये साक्षात्कार में फिल्म को लेकर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा, ''इसमें दुनिया भर के कलाकार, निर्माता और (फिल्म) निर्माण से जुड़े विभिन्न लोग शामिल हैं। यह दो भागों में बनेगी। यह भगवान राम और रावण से जुड़ी भारत की महागाथा है।...एक अभिनेता के रूप में मेरे लिए यह बहुत ही रोमांचक और संतुष्टिपूर्ण अवसर है विशेषकर (इसमें) भगवान राम की भूमिका निभाना।'' अभिनेता ने वर्ष 2023 में आई अपनी फिल्म एनिमल के सीक्वल 'एनिमल पार्क' को लेकर भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एनिमल पार्क की शूटिंग 2027 में शुरू होगी। उन्होंने कहा कि वह संदीप रेड्डी वेंगा के साथ फिल्म के तीसरे सीक्वल को लेकर भी चर्चा कर रहे हैं।

मुझे ज्यादातर एक तरह के किरदारों की पेशकश हुई : संजय मिश्रा

मुंबई, (भाषा) अभिनेता संजय मिश्रा का कहना है कि वह उन निर्देशकों के बहुत आभारी हैं, जिन्होंने उन्हें अलग–अलग तरह के किरदार निभाने का मौका दिया, खास तौर पर ऐसे फिल्म जगत में जो उन्हें हास्य भूमिकाओं में ही देखने के लिए आमादा हो गया था। अभिनेता ने मुख्य रूप से 'गोलमालः फन अनलिमिटेड', 'धमाल', 'ऑल द बेस्टः फन बिगिन्स', 'बंटी और बबली' और 'भूल भुलैया' दो और तीन जैसी फिल्मों में अपनी हास्य भूमिकाओं के जरिए दर्शकों के बीच अपनी खासी पहचान बनाई है। मिश्रा ने इन फिल्मों के अलावा 'आंखों देखी', 'मसान', 'वध', और 'भक्षक' जैसी फिल्मों में अभिनय से प्रेरित भूमिकाओं के साथ एक अभिनेता के रूप में अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, "रजत कपूर और सुभाष कपूर ने मुझे क्रमशः 'आंखों देखी' और 'फंस गए रे ओबामा' जैसी फिल्मों का हिस्सा बनने का मौका दिया लेकिन यहां फिल्म जगत में ज्यादातर निर्देशक एक अभिनेता को एक जैसे किरदार देते हैं।" मिश्रा ने 'पीटीआई–भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में कहा, "उदाहरण के लिए अगर निर्देशक को किसी फिल्म में किसी खास दृश्य के लिए जॉनी लीवर और संजय मिश्रा की जरूरत होती है तो वे उन्हें उस भूमिका में ले लेते हैं।" अभिनेता ने हिंदी सिनेमा के दिवंगत दिग्गज अभिनेता महमूद का उदाहरण देते हुए कहा कि लोग उन्हें ज्यादातर हास्य भूमिकाओं के लिए जानते थे लेकिन उन्होंने पोलियो टीकाकरण के बारे में एक गंभीर संदेश वाली फिल्म 'कुंवारा बाप' भी बनाई थी। उन्होंने पूछा, "अगर आप मौका नहीं भुनाएंगे तो चीजें कैसे बदलेंगी?" मिश्रा हालांकि अलग–अलग भूमिकाएं निभाने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। मिश्रा जल्द रिलीज होने वाली फिल्म 'जाइए आप कहां जाएंगे' में नजर आएंगे। यह एक काल्पनिक फिल्म है, जिसमें किशन नाम का एक व्यक्ति समाज, खासकर महिलाओं के लिए अच्छा करने का प्रयास करता है और इन चुनौतियों से पार पाने के लिए एक मोबाइल टॉयलेट रिक्शा का आविष्कार करता है। फिल्म में किशन की भूमिका करण आनंद निभा रहे हैं जबकि मिश्रा उनके पिता की भूमिका में हैं।

अभिनेता अनिल कपूर ने पत्नी संग किया ताजमहल का दीदार

आगरा, (भाषा) आगरा शहर में अपनी फिल्म 'सूबेदार' की शूटिंग कर रहे बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर ने रविवार सुबह अपनी पत्नी सुनीता और फिल्म यूनिट के सदस्यों संग ताजमहल का दीदार किया। अधिकारियों के मुताबिक, अनिल कपूर के पूर्वी गेट से स्मारक में प्रवेश करते ही पर्यटकों ने उन्हें पहचान लिया और साथ –साथ चलने लगे।

प्रशंसकों ने शोर किया तो उन्होंने भी हाथ हिलाकर उनका अभिवादन स्वीकार किया। सुरक्षाकर्मियों ने कड़े सुरक्षा घेरे में अभिनेता और उनकी पत्नी को ताजमहल का भ्रमण कराया। इस संबंध में सहायक संरक्षक, ताजमहल प्रिंस बाजपेयी ने बताया कि फिल्म अभिनेता अनिल कपूर ने रविवार को ताजमहल का भ्रमण किया जिस दौरान उनको सुरक्षा व्यवस्था प्रदान की गयी।

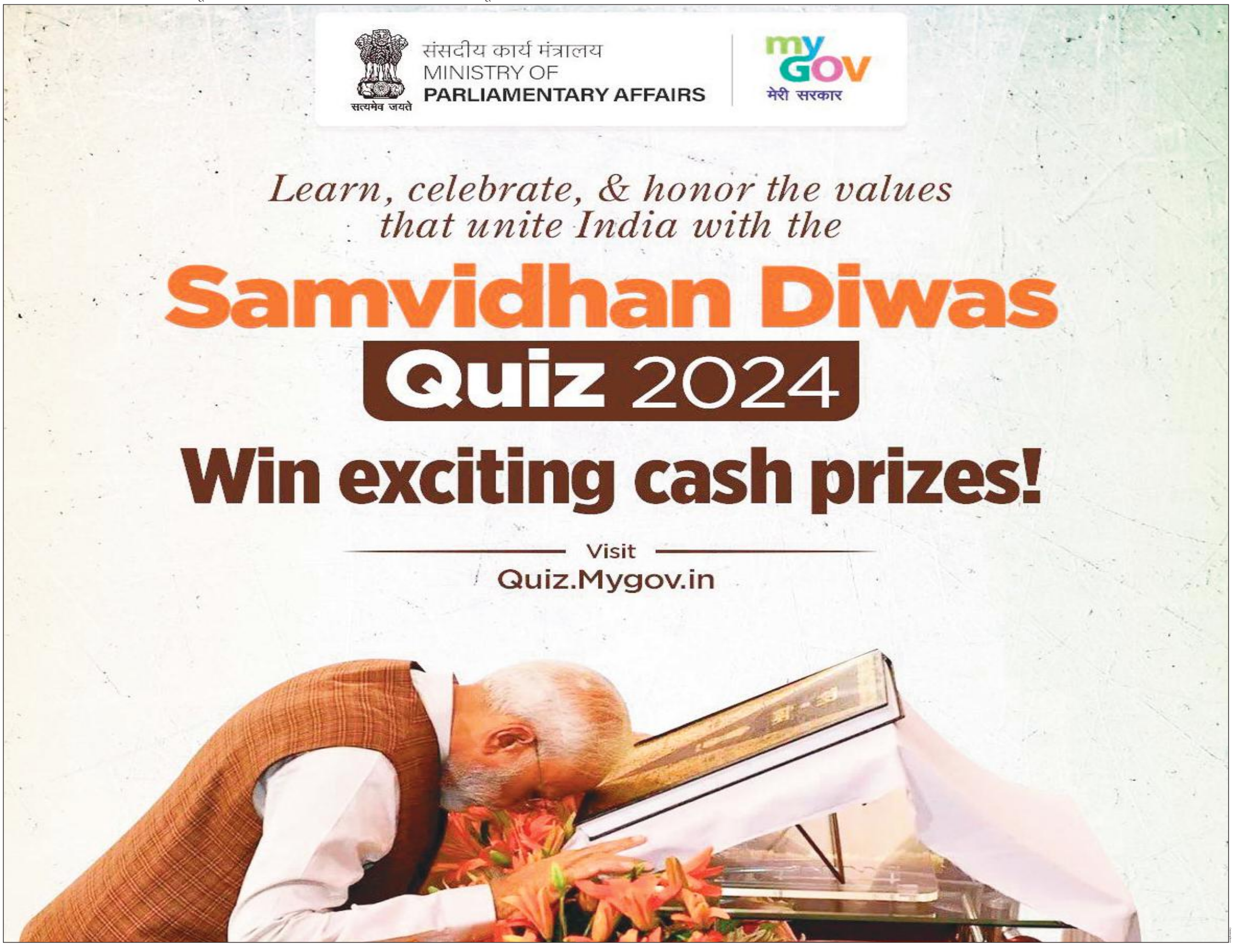

संपादकीय

दुनिया का सिरमौर बनने की ओर अग्रसर भारत

.... खेल, पर्यटन और फिल्मों से जिसको पहचाना जाता है। जिसकी अंतरिक्ष में पहुँच, तकनीकी प्रतिभाओं से विश्व ने भी भारत का लोहा माना है। बिना रक्त क्रांति के जिसने पायी थी आजादी। भारत दुनिया को बाजार नहीं, एक परिवार मानता है। संतों के सान्निध्य में चलने वाली भारत की व्यवस्था पूरी दुनिया के लिए मार्गदर्शन हैं। मानव सभ्यता के 95 प्रतिशत समय तक भारत दुनिया को खनिज, मसाले और धातुओं के साथ ही धर्म, गणित एवं खगोलशास्त्र की अवधारणाएं देता रहा। जब सारी दुनिया भटकती है तब भारत उसका मार्ग प्रशस्त करता है। भारत टकराव और संघर्ष को मानवता के लिए खतरा मानता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि मौजूदा दौर में हमें अपने अस्तित्व ही नहीं, सम्पूर्ण मानवता के लिए लड़ने की जरूरत है। भारत ने अपनी विदेश नीति के जरिए हमेशा ही ये संदेश दिया है कि आज दुनिया जलवायु परिवर्तन, गरीबी, आतंकवाद, युद्ध और महामारी जैसी जिन सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है, उनका समाधान आपस में लड़कर नहीं बल्कि मिलकर काम करके ही निकाला जा सकता है। आज दुनिया में ऐसी ही संवेदनशील अर्थव्यवस्थाओं के निर्माण की चर्चा हो रही है जहां समाज कल्याण एवं जीडीपी विकास दोनों का सह–अस्तित्व हो और नागरिकों की प्रसन्नता सर्वोपरि हो। भारत ऐसी ही अर्थव्यवस्था यानी संवेदनशील वैभव के सदुपयोग को खुशहाल जीवन और दीर्घकालिक आत्मनिर्भर समाज का आधार मानते हुए आगे बढ़ रहा हैं। भारतीय सभ्यता सदा से धन और दान दोनों को सर्वोच्च मानती है। हमारे ऋषियों–मनीषियों ने वाकपटुता, सहायता करने की तत्परता, शत्रुओं से निपटने की बुद्धिमत्ता, स्मृति, कौशल, नैतिकता एवं राजनीति का ज्ञान आदि गुणों को सफल नेतृत्व का आधार बताया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन्हीं गुणों के बल पर भारत को दुनिया में अव्वल स्थान पर पहुंचाया हैं। भारत के पास सबसे मजबूत लोकतंत्र है, विविधता है, स्वदेशी एवं समावेश सोच, आदर्श जीवनशैली, वैश्विक सोच है और दुनिया इन्हीं आइडियाज में अपनी सभी चुनौतियों का समाधान देख रही है। आज अमेरिकी अपनी गिरती साख को लेकर चिन्तीत है। यूरोपीय संस्कृति ऐसी रही है, जिसमें उन वस्तुओं पर भी पैसा बहाया गया, जिनकी उन्हें कभी जरूरत ही नहीं थी। चीन ने कारोबार और नीतियों का ऐसा रास्ता अपनाया, जिसमें कोई नैतिकता नहीं। रूस अपने शत्रु को आंकने में गलती कर गया और एक अंतहीन से युद्ध में उलझकर रह गया। दुनिया में मची इस उथल–पुथल के बीच ऐसा लगता है कि केवल भारत ही ऐसी प्रमुख शक्ति है, जिसने ऐसा रास्ता चुना जो कूटनीतिक समझ और नैतिकता से भरा है। साथ ही, उसने एक स्थिर अर्थव्यवस्था के वैश्विक ब्रांड के रूप में खुद को स्थापित किया है, जिसके साथ दुनिया व्यापार करना चाहती है। ये सब इसी कारण संभव हुआ, क्योंकि हम अपनी संस्कृति से जुड़े हैं, हमारा नेतृत्व संस्कृति से जुड़ा एक महान् कर्मयोद्धा कर रहा है। दुनिया पिछले हजारों सालों से सुखों के लिए दौड़ रही है लेकिन इस दौड़ में हार चुकी है। अब उसकी नजर भारत पर है। देश को अपनी सारी शक्ति एकजुट करनी होगी। सारी दुनिया में कट्टरपंथ और उदारता के बीच लड़ाई चल रही है। कपट और सरलता के बीच संघर्ष चल रहा है। देश को अपने मूल्यों को स्थापित करने के लिए सेनापति की भूमिका निभानी होगी और उसके लिये उसकी तैयारी भी है। वर्तमान में भारत आर्थिक, सामरिक, वैज्ञानिक तथा ज्ञान के क्षेत्र में विश्व का सिरमौर बन रहा है, यह अच्छा संकेत है। अन्यान्य क्षेत्रों के साथ भारत सौर ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया का सिरमौर है। सौर ऊर्जा उत्पादन में भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है। इसलिए सारा संसार भारत की ओर बड़ी आशा और विश्वास के साथ देख रहा है। परन्तु अनेकानेक विशेषताओं एवं विलक्षणताओं के बीच कुछ विसंगतियां एवं विषमताएं भी हैं। भारत की अस्मिता का प्रतीक मातृशक्ति की आज सर्वत्र अवमानना की जा रही है। चरित्रहीनता, भ्रष्टाचार और संवेदनहीनता से जूझता हुआ हमारा भारतीय समाज भोगवादी संस्कृति का आदी हो चुका है। अपने देश में भारत के हित में विचार करनेवाले, समाज की उन्नति के संबंध में चिंतन करनेवाले लोगों की कमी नहीं है। फिर भी आज देश की व्यवस्था में राष्ट्रभक्तों का अभाव दिखता है, संकीर्ण राजनीति एवं सत्ता की दौड़ में मूल्यों को धुंधलाने की स्थितियां कमजोर करती है। यही कारण है कि संपूर्ण देश में एक असंतोष की भावना दिखाई देती है। सरकारी यंत्रणाओं के प्रति जनमानस का विश्वास प्रायः लुप्त होता जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में नये परचम फहराने वाले युवाओं, घर को संस्कारों से संवर्धित करनेवाली नारीशक्ति, संपूर्ण भारत के जीवन को पोषित करनेवाले हमारे अन्नदाता किसान भाइयों तथा खेतों, कारखानों तथा सर्वत्र मजदूरी करनेवाले श्रमिकों, वन–संस्कृति का जतन करनेवाले वनवासी भगिनी–बंधुओं के आत्मविश्वास, लगन तथा परिश्रम के जागरण से भारत दुनिया में अव्वल होने की दिशा में अग्रसर है। देश का शिक्षित, प्रबुद्ध तथा समृद्ध समाज को दीन–दलितों, अशिक्षितों तथा असहाय लोगों के उत्थान के लिए आगे आना होगा। अंतर्राष्ट्रीय संगठन डेलायट ने अपनी हालिया रिपोर्ट में वर्ष 2030 तक भारत के चीन और अमेरिका जैसी विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़कर दुनिया के सबसे बड़े उपभोक्ता बाजार के रूप में उभर कर सामने आने की आशा व्यक्त की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के मध्यम वर्ग का दायरा काफी तेजी से बढ़ रहा है जिसके कारण बाजार तक पहुंच रखने वाले लोगों की संख्या भी बढ़ रही है। व्यापार की नीतियों में उदारीकरण और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ने का असर उपभोक्ता बाजार पर दिख रहा है, सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं और उत्पादों के निर्यात में बढ़ोत्तरी ने भी उपभोक्ता बाजार का आकार बढ़ाने में सहायता की है। हमें राष्ट्र को आर्थिक, सामाजिक, वैज्ञानिक तथा सामरिक दृष्टि से सबल बनाना होगा। भारत को दुनिया का सिरमौर देखने की कामना करने वाले लोगों से अपेक्षा है कि वे जागे, कुछ नया और अनूठा करें। आनेवाली पीढियां तुम्हें निहार रही हैं। भारत का भविष्य अब युवाओं पर ही निर्भर है। उठो, जागो और समस्त दायित्व अपने कंधों पर ले लो। और जान लो कि तुम ही अपने भाग्य के विधाता हो। जितनी शक्ति और सहायता चाहिए वह सब तुम्हारे भीतर है। अतः अपना भविष्य स्वयं गढ़ों। मानव चिंतन के शीर्ष पर रहने वाला भारतीय समाज 300 वर्षों के अंतराल के बाद अपने ऐतिहासिक गौरव को फिर से पाने के पथ पर अग्रसर है। मध्यकाल में राह भटकने के बाद आज देश की युवा पीढ़ी एक ऐसे भारत में आगे बढ़ रही है, जो अवसर, संस्कृति और प्रगति का देश है।

कृष्णा अग्रवाल
focusnews9@gmail.com

आधुनिक विकास और गंगा के अस्तित्व पर मंडराता संकट

भारत की सबसे महत्वपूर्ण नदी गंगा जो भारत और बांग्लादेश में कुल मिलाकर 2510 किमी की दूरी तय करती हुई उत्तराखंड में हिमालय से लेकर बंगाल की खाड़ी के सुंदरवन तक विशाल भू भाग को सींचती है, देश की प्राकृतिक संपदा ही नहीं, जन जन की भावनात्मक आस्था का आधार भी है। 2071 कि.मी तक भारत तथा उसके बाद बांग्लादेश में अपनी लंबी यात्रा करते हुए यह सहायक नदियों के साथ दस लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल के अति विशाल उपजाऊ मैदान की रचना करती है। सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण गंगा का यह मैदान अपनी घनी जनसंख्या के कारण भी जाना जाता है। 100 फीट (31 मीटर) की अधिकतम गहराई वाली यह नदी भारत में पवित्र मानी जाती है तथा इसकी उपासना माँ और देवी के रूप में की जाती है। भारतीय पुराण और साहित्य में अपने सौंदर्य और महत्व के कारण बार–बार आदर के साथ वंदित गंगा नदी के प्रति विदेशी साहित्य में भी प्रशंसा और भावुकतापूर्ण वर्णन किए गए हैं।वैज्ञानिक मानते हैं कि इस नदी के जल में बैक्टीरियोफेज नामक विषाणु होते हैं, जो जीवाणुओं व अन्य हानिकारक सूक्ष्मजीवों को जीवित नहीं रहने देते हैं। गंगा की इस असीमित शुद्धिकरण क्षमता और सामाजिक श्रद्धा के बावजूद इसका प्रदूषण रोका नहीं जा सका है।आलम यह है कि इसे रोकने में सरकारी तंत्र का रवैया भी सुस्त है। तभी तो नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के चेयरपर्सन न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव ने मौखिक रुप से टिप्पणी करते हुए कहा है कि महाकुंभ मेले में करोड़ों लोग आते हैं, अगर सीवेज के मल–जल को गंगा में गिरने से नहीं रोका गया तो लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित होगा। गंगा बेसिन का लगभग 79 फीसदी क्षेत्र भारत में है। बेसिन में 11 राज्य शामिल हैं, जैसे उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और दिल्ली। गंगा बेसिन से जुड़े सवालों को लेकर गंगा मुक्ति आंदोलन की ओर से बिहार के मुजफ्फरपुर के चंद्रशेखर भवन ,मिठनपुरा में " गंगा बेसिन : समस्याएं एवं समाधान" विषयक राष्ट्रीय विमर्श में जुटे देश के आठ राज्यों और नेपाल के प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर गंगा के सवाल पर देशव्यापी अभियान चलाने का संकल्प लिया। राष्ट्रीय विमर्श के केन्द्र में नदियों का गाद से पेट भरना , प्रदूषण (औद्योगिक और नगरीय कचरा) पानी की कमी , बालू उठाव और खनन , नदी की जैव विविधता, ग्लेशियर का पिघलना , जलवायु संकट , कार्बन उत्सर्जन , पारिस्थितिकी असंतुलन , औद्योगिक क्रांति से पनपे विकास की विनाशकारी अवधारणा और जल जंगल जमीन पर जीने वाले समुदाय का अधिकार रहे। कार्यक्रम में ऑन लाइन जुड़कर आईआईटी कानपुर के प्रो. डॉ.राजीव सिन्हा , बीबीसी के चर्चित पत्रकार रहे राम दत्त त्रिपाठी, पूर्व सांसद एवं चौथी दुनिया के संपादक संतोष भारतीय , बिहार सरकार में अपर मुख्य सचिव रहे व्यास जी एवं विजय प्रकाश , उत्तराखंड के नदी कर्मी सुरेश भाई सहित तमाम लोगों की चिंता इस बात को लेकर रही कि आखिर विनाश का खेल कब तक जारी रहेगा। उत्तराखंड के सुरेश भाई का कहना था कि मध्य हिमालय में स्थित गौमुख ग्लेशियर में हो रहे बदलाव को समझना बहुत जरूरी है। समय रहते यदि इसके चारों ओर के पर्यावरण संरक्षण और संयमित विकास पर ध्यान नहीं दिया तो आने वाले दिनों में बहुत बड़ी समस्या पैदा हो सकती है। उत्तराखंड में गंगा के उद्गम आपदा और जलवायु परिवर्तन के चलते बुरी तरह प्रभावित हैं। इस भयानक स्थिति के बाद भी गंगा की एक महत्वपूर्ण धारा भागीरथी के उद्गम से ही गंगा की निर्मलता को लेकर एनजीटी ने बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। दूसरी बात है कि भागीरथी के उद्गम में लाखों देवदार के पेड़ों पर संकट की तलवार लटक रही है। यहां चौड़ी सड़क बनाने के लिए घने देवदार के जंगल को काटने की तैयारी चल रही है । इस विषय को तो राष्ट्रीय विमर्श का मुद्दा बनाया जाना ही चाहिए और एक बार फिर देशवासी उद्गम से लेकर देश में जहां–जहां से गंगा बह रही है उन तमाम राज्यों से हो रहे प्रदूषण, अतिक्रमण, शोषण के खिलाफ एक बार फिर से "नदी बचाओ अभियान" की तर्ज पर एकत्रित होकर आवाज बुलंद करना चाहिए। पूर्व सांसद अली अनवर का कहना था कि गंगा का सवाल धार्मिक मामला नहीं है, जिसका राजनीतिक दोहन किया जा रहा है, बल्कि यह सांस्कृतिक मामला है। धार्मिक भावनाओं का शोषण करने के लिए राजनीतिक दल के लोग तरह–तरह की बातें करते हैं। नमामि गंगे योजना के नाम पर पिछले 10 साल से लूट मची है। यह योजना एक तरह से फेल है। पैसे भ्रष्टाचारियों व ठेकेदारों की जेब में जा रहे हैं। यकीनन यह सब गंगा को मारने की योजना है। विकास का विद्रूप चेहरा जो सभ्यता और संस्कृ ति की पावन धारा में सड़ांध पैदा करने से बाज़ नहीं आता। इस विकास का लक्ष्य गंगा की पवित्रता और अविरलता सुनिश्चित करना नहीं है, बल्कि इसकी निगाहें गंगा सफाई के लिए आवंटित बजट की बंदरबांट पर ही ज्यादा टिकी है। गंगा एक संस्कृति का नाम हैं इसलिए गंगा की लड़ाई संस्कृति बचाने की लड़ाई हैं। गंगा मुक्ति आंदोलन के संस्थापक अनिल प्रकाश कहते हैं कि गंगा की हत्यारी आधुनिक विकास की नीति हैं। दिल्ली के पत्रकार प्रसून लतांत कहते हैं कि योजनाएं जब तक जनता की अपेक्षा के प्रतिकूल होगी तो यही होगा। गंगा या नदी घाटी की सभ्यता को बचाने के प्रयास तभी सार्थक होंगे, जब गंगा पर आश्रित समुदाय से विमर्श कर योजनाएं बने। मधुपुर झारखंड के पर्यावरणविद सामाजिक कार्यकर्ता घनश्याम जी की चिंता बांधों को लेकर है, उनके अनुसार अमेरिका के केनंसी वैली के तर्ज पर कोलकाता बंदरगाह को साफ़ करने के लिए दामोदर को बांधा गया, तत्पश्चात फरक्का बराज बनाया गया। फरक्का बराज का विरोध उस वक्त इंजीनियर कपिल भट्टाचार्य ने किया था । गंगा मुक्ति आंदोलन के प्रणेता अनिल प्रकाश ने गंगा समेत अन्य नदियों को दोहन से बचाने के लिए बड़े आंदोलन का आह्वान किया साथ ही कहा कि जब दूसरे देश में बांध तोड़े जा रहे हैं, तब वहीं आज भारत में विश्व बैंक से कर्ज लेकर बांध पर बांध बनने को हरी झंडी दी जा रही है। इसके मूल में राजनेता, नौकरशाही और ठेकेदारों का गठजोड़ है। सारा खेल कमीशन का है। इसके कारण पूरी व्यवस्था भ्रष्टाचार में लिप्त है। क्या कारण है कि बांधों के सवाल पर सरकारी कमेटी में शामिल विशेषज्ञों की राय को नजर अंदाज किया जा रहा है।कार्यक्रम में राजस्थान महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, झारखण्ड, भागलपुर, कहलगांव एवं नेपाल के दर्जनों ऐसे लोग शामिल हुए, जो पर्यावरण, नदी, जल–जंगल–जमीन को लेकर काम कर रहे हैं। इस मौके पर वीरेंद्र क्रांति वीर, हेमलता महस्के, अखिलेश कुमार, कृष्ण कुमार माढ़ी, आदित्य सुमन, गणेश, राजा राम सहनी, चंदेश्वर राम, बागमती संघर्ष मोर्चा से नवल किशोर सिंह, ठाकुर देवेंद्र, डॉ संतोष सारंग, जगरनाथ पासवान, राम एकबाल राय, अरविंद, कृष्णा प्रसाद, डॉ नवीन झा, श्याम नारायण यादव, राजीव, शाहिद कमाल ने शिरकत की। साथ ही फैसला लिया गया कि 22 फरवरी 2025 को गंगा मुक्ति आंदोलन के वर्षगांठ पर कागजी टोला कहलगांव , भागलपुर में पुनः देश भर से परिवर्तनवादी जुटेंगे और आगे की योजना बनाएंगे । गंगा मुक्ति आंदोलन ने कई मुद्दों के साथ बिहार की नदियों में फ्री फिशिंग एक्ट बनाने के आंदोलन को तेज करने का निर्णय लिया है। 1990 में बिहार सरकार ने पारंपरिक मछुआरों को नदी में निःशुल्क मछली पकड़ने का अधिकार दिया था , जिसे छल और फरेब से अब शिथिल किया जा रहा है। बिहार में अभी स्पेशल जमीन सर्वे भी चल रहा है। नदियों की जमीन का सीमांकन (चौहद्दी) और रकबा निर्धारित करने को लेकर अभियान चलाने की बात कही गयी। इसके साथ ही संकल्प लिया गया कि गंगा की अविरलता और निर्मलता बहाली के लिए,गाद के स्वाभाविक निदान के लिए फरक्का बराज को खोलने सहित सभी बांध बराज तटबंध को खत्म कर नदियों की प्राकृतिक अवस्था बहाल करने और किसी भी प्रकार का प्रकृति के साथ छेड़छाड़ न करने के विरुद्ध अभियान जारी रहेगा।

संसार और सन्यास को एक साथ साधने की शिक्षा देती है श्रीमद्भगवद्गीता'

गीता विश्व का सबसे अद्भुत ग्रंथ है,यह हर धर्म के लोगों को जिंदगी जीना सिखाता है,यही कारण है कि दुनिया के हर धर्म ग्रंथ पर गीता का प्रभाव देखा जा सकता है फिर चाहे बाइबिल हो या कुरान उनमें भी कहीं न कहीं गीता की बातें अवश्य मिल जाएंगी।असल में जिस वक्त गीता का जन्म हुआ तब दुनिया में सनातन के अलावा कोई और धर्म था ही नहीं इसलिए इसमें सिर्फ मानव जीवन के उपदेश ही मिलते हैं । इसमें सिर्फ धर्म और अधर्म दो पक्ष ही इसके दो केंद्र बिंदु दिखाई देते हैं । मानव जीवन भी सिर्फ धर्म और अधर्म दो बिंदुओं के बीच ही चलता है, गीता अधर्म के बजाए धर्म को बेहतर विकल्प मानती है इसीलिए मानव को धर्म पर चलने के लिए प्रेरित करती है । सबसे खास बात तो यह है कि गीता के धर्म का वर्तमान के सम्प्रदायों से कोई संबंध नहीं है,सम्प्रदाय अलग बात है और धर्म बिल्कुल अलग । गीता में धर्म का संबंध हमारे स्वभाव से है न कि किसी संगठन,सम्प्रदाय या समूह से।हमारा स्वभाव ही हमारा धर्म है इसीलिए हर सम्प्रदाय में ब्राह्मण,क्षत्रिय,वैश्य और शूद्र चारों स्वभाव के लोग मिलते हैं । वर्तमान में संप्रदाय को ही धर्म मानकर धर्म को बहुत संकीर्ण कर दिया गया है इसीलिए दुनिया में अराजकता और अशांति है और इसकी जड़ है सभी सम्प्रदायों का अहंकार । आई एम द बेस्ट की भावना जबकि सच यह है कि कोई किसी से श्रेष्ठ नहीं है, सभी समान हैं क्योंकि धर्म नितांत व्यक्तिगत भाव है। वर्तमान परिवेश में इसको समझें तो हम कह सकते हैं कि हर सम्प्रदाय के धर्म गुरु ब्राह्मण है, हर सम्प्रदाय में जितने भी नेता और सैनिक हैं वो क्षत्रिय हैं,जितने भी व्यापारी हैं वो वैश्य हैं और जितने भी कर्मचारी हैं वो शूद्र हैं फिर इस से फर्क नहीं पड़ता कि वो किस जाति या सम्प्रदाय के हैं लेकिन यह बात जरूर महत्वपूर्ण है वो अपने अपने काम स्वाभाविक रूप से करते हैं या पेट भरने के लिए करते हैं। यदि हम अपने जॉब से सेटिस्फाई हैं और उत्साह से करते हैं तो वो ही हमारा स्वभाव या धर्म है लेकिन मन मारकर काम करते हैं तो वो हमारा स्वाभाविक काम नहीं है सिर्फ जीवन यापन के लिए हम वो काम कर रहे हैं और ऐसे लोगों को ही गीता पापी मानती है । यदि हम सिर्फ अपने पेट और परिवार को पालने के लिए ही काम करते हैं तो गीता कहती है कि ऐसे लोग पाप करते हैं लेकिन वही काम हम खुश होकर करते हैं और जनकल्याण के लिए करते हैं तो वह धर्म बन जाता है, पुण्य हो जाता है, एक यज्ञ बन जाता है । आजकल यही देखने में ज्यादा आता है कि हमारा स्वभाव कुछ और है लेकिन हमें काम या जॉब कुछ और करना पड़ता है यही टेंशन क्रिएट करता है,इसी दुविधा से बचाने के लिए गीता कहती है कि स्वाभाविक कर्म ही करना चाहिए अर्थात जिसमें हमारा इंट्रेस्ट हो वही काम करना चाहिए जिससे शांति और संतुष्टि दोनों मिलती है ।आज समस्या यह है कि हमारे इंट्रेस वाले काम से हमें अर्निंग होती है या नहीं ? तब गीता के अनुसार उसका एक ही समाधान है कि हम परिणाम या अर्निंग की परवाह न करते हुए सिर्फ अपने काम के लिए ही काम करें बदले में जो भी मिले उसी में संतुष्ट रहें या फिर जिस काम में हमें अर्निंग होती है उसी में खुश रहने की कोशिश करें। खुशी ही सबसे बड़ी प्रेरणा है और टेंशन ही अवसाद और निष्क्रियता का जनक है। अर्जुन भी टेंशन में थे क्योंकि उनको जॉब सेटिस्फेक्शन नहीं था और वे सब कुछ छोड़कर जान चाहते थे तब श्रीकृष्ण ने अर्जुन को समझाया कि युद्ध ही तुम्हारा स्वभाव है युद्ध की छोड़कर कभी संतुष्टि नहीं मिलेगी, संन्यास अर्जुन का स्वभाव नहीं है,अर्जुन स्वभाव से क्षत्रिय है, योद्धा है, अर्जुन का स्वभाव ब्राह्मण का स्वभाव नहीं है इसलिए संन्यास से अर्जुन को संतुष्टि नहीं मिल सकती ।व्यक्ति का स्वभाव बचपन से ही दिख जाता है,अर्जुन बचपन से ही तीरंदाजी में खुश रहते थे, वो तीरंदाजी में इतने डूबे हुए थे कि उनको अपने टारगेट के अलावा कुछ दिखाई नहीं देता था। श्रीकृष्ण भी अर्जुन को बचपन से ही जानते थे इसलिए उन्हें अर्जुन का स्वभाव पता था । वे जानते थे कि अर्जुन एक स्वाभाविक योद्धा हैं इसलिए उनको युद्ध ही करना चाहिए और इसके परिणाम के विषय में नहीं सोचना चाहिए। परिणाम के विषय में सोचने से ही सारा दुख और टेंशन क्रिएट होता है इसलिए गीता परिणाम के बजाय प्रैक्टिस पर जोर देती है । हम भी आम जीवन में यही महसूस करते हैं कि सारा टेंशन परिणाम पर विचार करने से ही होता है फिर चाहे एग्जाम की तैयारी हो या जॉब में प्रमोशन की या फिर सैलरी की चिंता हो,उसके बजाए हम सिर्फ काम को एंजॉय करें फिर सैलरी या प्रमोशन मनमाफिक मिले या न मिले । गीता के अनुसार डूबकर काम करना ही योग है और यही संन्यास है और यही धर्म भी है इसीलिए गीता में किसी तरह की यौगिक क्रियाओं का वर्णन नहीं मिलता। वास्तव में योगासनों का अर्थ योग नहीं है बल्कि एकाग्रता से काम करना ही योग है इसीलिए श्री कृष्ण चाहते हैं कि अर्जुन योगी हो जाएं और अपना धनुष बाण चलाने में ही इतने डूब जाएं कि उन्हें परिमाणों की सुध ही न रहे इसी से अर्जुन को शांति प्राप्त होगी और तनाव समाप्त होगा। लेकिन जब श्री कृष्ण अर्जुन को युद्ध के लिए प्रेरित करते हैं तो ज्यादातर लोगों को लगता है श्रीकृष्ण के कारण ही युद्ध हुआ वरना युद्ध नहीं होता पर यह सच नहीं है क्योंकि अर्जुन यदि युद्ध से हट जाते तो भी युद्ध तो होना ही था ।उस समय शेष सभी योद्धा तो लड़ने को उतावले थे ही,वे अच्छा बुरा कुछ नहीं सोच रहे थे,उनके मन में तो सिर्फ अपने शत्रु का विनाश ही था,वो लोग दृढ़ निश्चयी थे कि युद्ध करना ही है सिर्फ अर्जुन ही कन्फ्यूज्ड थे और कन्फ्यूज्ड लोगों के लिए गीता अमृत ही है । सही समाधान है शुद्ध औषधि है। श्रीकृष्ण जानते थे कि अन्य योद्धाओं के कारण युद्ध तो टल नहीं सकता फिर अर्जुन क्यों पलायन करे इसलिए अर्जुन की पलायनवादी सोच को दूर करने के लिए ही श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया। इसमें अर्जुन सिर्फ एक माध्यम हैं । उनके माध्यम से हर मानव को श्रीकृष्ण का उपदेश है गीता क्योंकि मानव जीवन में इस तरह की स्थितियां सबके साथ निर्मित होती है,कई बार हम भी सब कुछ छोड़कर दूर जाना चाहते हैं,काम धंधा छोड़कर भागते हैं यहां तक कि घर परिवार को भी छोड़कर कहीं एकांत में चले जाना चाहते हैं लेकिन हम छोड़कर जा नहीं पाते क्योंकि जाएंगे कहां ? कहीं भी जाएं तो पेट भरने के लिए काम तो करना ही पड़ेगा । यही गीता कहती है कि बिना काम किए शरीर का पोषण संभव नहीं है इसलिए जब काम करना ही है तो वर्तमान काम को छोड़कर क्यों जाना ? वर्तमान काम ही हमारी नियति है इसलिए इसको पूरे मन से करें और मन को भी वर्तमान में रखे क्योंकि भूत और भविष्य का विचार ही दुख का कारण है । भविष्य की चिंता में हम रिजल्ट ओरिएंटेड हो जाते हैं और रिजल्ट ओरिएंटेड होने का ही गीता विरोध करती है क्योंकि रिजल्ट ओरिएंटेड होने से निगेटिविटी और डिप्रेशन आने लगते हैं फिर सारे काम रुक जाते हैं । कई बार परिणाम पर ज्यादा विचार करने से बीमारी भी होने लगती हैं। आजकल बीपी और डायबिटीज का सबसे बड़ा कारण यही है कि हम परिणाम की चिंता से घिरे रहते हैं जबकि परिणाम को छोड़कर काम करें तो शांति और खुशी मिलने लगती है। काम क्या करें और काम का चयन कैसे करें इस तरह की दुविधाओं से बचने के लिए हमें गीता अवश्य पढ़ना चाहिए। दुनिया में गीता से बड़ी कोई मोटिवेशनल बुक नहीं है, बल्कि सारी मोटिवेशन बुक्स की जननी भगवद्गीता ही है। गीता ही एकमात्र ग्रंथ है जो हमें संसार और संन्यास एक साथ साधने की शिक्षा देती है । धर्म और अधर्म में संतुलन बनाने की दिशा देती है और हमारा धर्म क्या है और हमें करना क्या चाहिए इसकी शिक्षा भी गीता में बहुत सरल तरीके से मिल जाती है। गीता इतनी सरल और सरस क्यों है क्योंकि यह स्वयं भगवान के ही उद्गार से जन्मी है। भगवान कृष्ण पूर्ण ब्रह्म है पूर्ण पुरूषोतम हैं। वे इस जगत की और परा जगत की हर बात जानते हैं,इस दुनिया में जो कुछ भी हमें दिखाई या सुनाई देता है श्रीकृ ष्ण वह सब जानते हैं। उनकी बाधाओं को भी जानते हैं और उन बाधाओं को पार कैसे करना है यह भी जानते हैं इसलिए वह स्वयं का अनुभव ही अर्जुन को बताते हैं और अर्जुन के माध्यम से पूरी मानव जाति को बताते हैं। इसीलिए मानव कल्याण का ग्रंथ है भगवद्गीता। गीता को अवश्य पढ़ें,और अन्य लोगों को भी प्रेरित करें गीता को पढ़ना ज्ञान यज्ञ है और गीता का प्रचार करना ईश्वर की सबसे बड़ी सेवा।इसका वर्णन स्वयं भगवान ने अठारहवें अध्याय में किया है इसलिए नियमित रूप से गीता पढ़े और पढ़ाएं तभी गीता की सार्थकता होगी और गीता जयंती भी सार्थक होगी। सभी को गीता जयंती की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

सर्वकालिक,सार्वभौमिक, शाश्वत एवं श्रेष्ठ मार्गदर्शक श्रीमद्भगवद्गीता'

श्रीमद्भगवतगीता अध्यात्म ज्ञान और जीवन शैली सिखाने वाला विश्वविख्यात अनुपम ग्रंथ है। गीता के अध्ययन और मनन से व्यक्ति आत्म शांति का अनुभव कर सकता है। जीवन को सुखी बना सकता है। योगेश्वर श्री कृष्ण ने अर्जुन को निष्ठापूर्वक कर्म करके अपने जीवन को सफल करने का जो महत्वपूर्ण उपदेश 'कर्मण्येवाधिकारस्ते, मा फलेषु कदाचन' दिया । यह जीवन के मूल को समझने और व्यवहार करने का शाश्वत सूत्र है। रणभूमि में अर्जुन के हताश मन में नई स्फूर्ति और ओज भरने को कृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। इस बहाने सारी मनुष्य जाति का जीवन–समर को सही रीति से जीतने का अमर मंत्र गीता में ही है। इस तरह गीता हिन्दू धर्म विशेष की नहीं वैश्विक मूल्य की कृति है इसीलिए दुनिया की लगभग सभी भाषाओं में गीता प्रस्तुत की जा चुकी है। इसके भाष्य और विवेचन निरन्तर विद्वानों द्वारा किए जाते हैं । गीता पर प्रवचन लोग रुचि से सुनते हैं। द्वापर युग के समापन तथा कलियुग आगमन के समय आज से कोई पांच हजार वर्ष पूर्व कुरूक्षेत्र के रणांगण में उस समय गीता कही गई , जब महाभारत युद्ध आरंभ होने के समस्त संकेत योद्धाओं को मिल चुके थे। श्रीमद्भगवदगीता के प्रथम अध्याय में इसका विस्तृत वर्णन मिलता है। यथा युद्ध के वाद्यों का बजना, समस्त प्रकार के नादों का गूंजना, यहाँ तक कि तत्कालीन (द्वापर युग के) महानायक भगवान श्री कृष्ण के शंख "पांचजन्य" का उद्घोष, यह सब युद्धारंभ के स्पष्ट संकेत थे।आज भी दुनिया कुछ वैसे ही कोलाहल , असमंजस और किंकर्तव्यविमूढ़ स्थिति में है। मानव मन जीवन रण में छोटी बड़ी परिस्थितियों में सदैव इसी तरह की उहापोह में डोलता रहता है इसलिए गीता सर्वकालिक सर्वप्रासंगिक बनी हुई है।

श्रीमद्भगवद्गीता का भाष्य ही वास्तव में "महाभारत" है। गीता को स्पष्टतः समझने के लिये गीता को महाभारत के प्रसंगों में पढ़ना और हृदयंगम करना आवश्यक है। महाभारत तो विश्व का इतिहास ही है। ऐतिहासिक एवं तत्कालीन घटित घटनाओं के संदर्भ मे झांककर ही श्रीमद्भगवद्गीता के विविध दार्शनिक–आध्यात्मिक व धार्मिक पक्षों को व्यवस्थित ढंग से समझा जा सकता है। अनेक विद्वानों के गीता के हिंदी अनुवाद के क्रम में हिंदी काव्य में छंद बद्ध सरस पदों में प्रो. चित्र भूषण श्रीवास्तव विदग्ध ने भी इसका पद्यानुवाद किया है जिसे पढ़कर गीता को सरलता से समझा व आत्मसात किया जा सकता है।

Government of Haryana | Kurukshetra Development Board | Partner State Odisha | Partner Country Tanzania

International GITA Mahotsav 2024

28 November - 15 December
Kurukshetra, Haryana

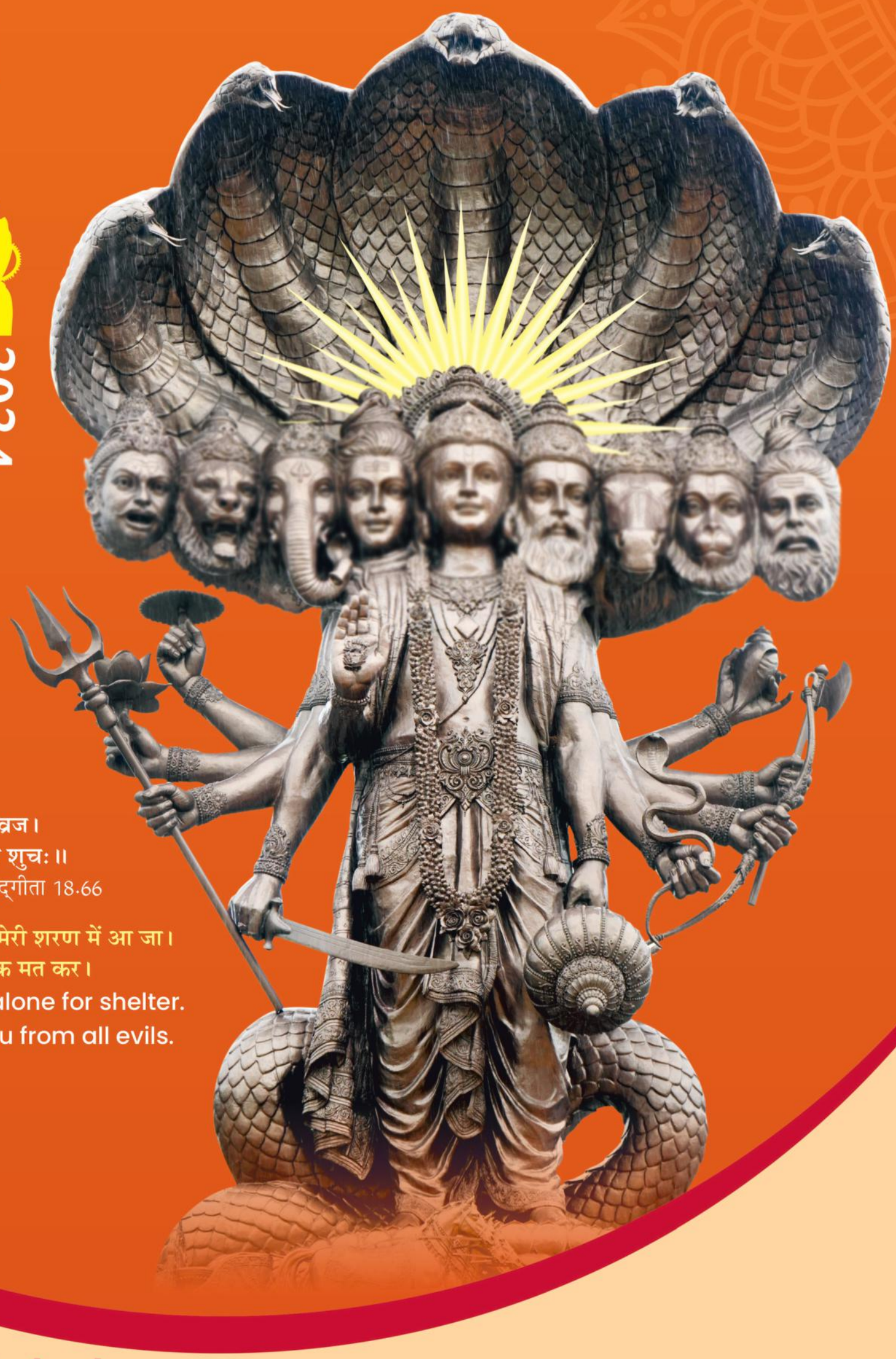

सर्वधर्मान्परित्यज्य मामेकं शरणं व्रज।
अहं त्वा सर्वपापेभ्यो मोक्षयिष्यामि मा शुचः ।।
भगवद्गीता 18.66

सम्पूर्ण कर्तव्य कर्मों का आश्रय छोड़कर तू केवल मेरी शरण में आ जा।
मैं तुझे सभी पापों से मुक्त कर दूंगा, शोक मत कर।
Abandoning all duties, come to Me alone for shelter.
Be not grieved, for I shall release you from all evils.

Margsheersh Shukla Mokshada Ekadashi - Gita Jayanti Samaroh

11 December, 2024 | Venue : Kurukshetra

Chief Guests

Sh. Manohar Lal
Union Minister, Housing & Urban Affairs and Power

Sh. Shivraj Singh Chouhan
Union Minister, Agriculture & Farmers' Welfare and Rural Development

Sh. Suryabanshi Suraj
Minister of Odia Language, Literature & Culture

Ms. Pindi Hazara Channa
Minister, Tanzania

Presided over by

Sh. Nayab Singh Saini
Chief Minister, Haryana

Main Programmes

9:00 am	Jyotisar-The Birthplace of Gita and Sannihit Sarovar	Complete recitation of Srimad Bhagavadgita and Gita Yajna
10:00 am	Theme Park, Kurukshetra	Global Gita Chanting by 18000 students
11:00 am	Purushottampura Baag, Kurukshetra	Cultural Programmes in Odisha Pavilion
02:00 pm	Srimad Bhagavadgita Sadan, Kurukshetra University	48 Kos Tirtha Sammelan
03:00 pm	In front of the Kurukshetra Development Board Office	Departure of Gita Shobha Yatra
03:00 pm to 04:30 pm	Senate Hall, Kurukshetra	The Resonance of Dialogue: Panchjanye 'Haryana's Transformation'
05:30 pm	Brahma Sarovar, Sannihit Sarovar & Jyotisar	Deepotsav
05:30 pm	48 Kos Kurukshetra region	Deepotsav at Tirthas
06:00 pm	Purushottampura Baag, Brahma Sarovar	Gita Maha Aarti and Deep Daan

"सभी देशवासियों को गीता जयंती की अनंत शुभकामनाएं।
श्रीमद्भगवद्गीता सदियों से मानवता का मार्गदर्शन करती आई है।
अध्यात्म और जीवन-दर्शन से जुड़ा यह महान ग्रंथ हर युग
में पथ प्रदर्शक बना रहेगा।"

- नरेन्द्र मोदी

Scan QR Code to join Global Gita Chanting

Scan QR Code to join 48 Kos Tirtha Sammelan

Information, Public Relations & Languages Department, Haryana
www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

राजस्थान में निवेश के लिए पुख्ता कानून व्यवस्था व भयमुक्त माहौल सुनिश्चित हो: डोटासरा

जयपुर, (भाषा) कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सोमवार को कहा कि प्रदेश में निवेश के लिए पुख्ता कानून व्यवस्था और भयमुक्त माहौल सुनिश्चित किया जाना बेहद जरूरी है। डोटासरा ने जयपुर में सोमवार से शुरू हुए 'राजस्थान राइजिंग' निवेश सम्मेलन का जिक्र करते हुए कहा, "राजस्थान पधारे समस्त निवेशकों का अभिनंदन एवं सरकार को 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' के लिए शुभकामनाएं। उम्मीद है सरकार सिर्फ करार एमओयू नहीं, निवेश लाएगी और जनता को निवेश की सच्चाई भी बताएगी।" उन्होंने कहा, "सरकार से ये भी अपेक्षा है कि निवेश के लिए प्रदेश में पुख्ता कानून व्यवस्था, भयमुक्त माहौल एवं निवेशकों को अपराधियों से सुरक्षा भी सुनिश्चित करेगी।" डोटासरा ने कहा, ''आज (सोमवार) से राजस्थान सरकार 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इसवेस्टमेंट समिट' 2024 आयोजित कर रही है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसका उद्घाटन करने के लिये राजस्थान पधारे है। हम देश के प्रधानमंत्री और सम्मेलन में भाग ले रहे तमाम उद्योगपतियों का बहुत बहुत हार्दिक स्वागत करते है।" उन्होंने कहा, ''हम चाहेंगे की राजस्थान में उद्योगपतियों को उद्योग लगाने के लिये राज्य सरकार सुविधाएं दे और पिछले 12 महीने से कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ी हुई है उसको जरूर नियंत्रित करने की आवश्यकता है ताकि उद्योगपति निर्भीक और निडरता के साथ अपना व्यापार कर सके और हमारे नौजवानों को रोजगार मिले, जिससे प्रदेश की प्रगति होगी।'' डोटासरा ने कहा कि जनता जानना चाहती है कि वास्तव में कितना निवेश हुआ, कितने उद्योग स्थापित हुए, कितने रोजगार सृजित हुए और इस शिखर सम्मेलन पर कितना खर्च हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सम्मेलन के दौरान जो साफ सफाई हुई, वह जारी रहे। कांग्रेस नेता ने कहा, "हमने इस सम्मेलन के लिए सफाई में सुधार देखा है और हमें उम्मीद है कि इस तरह के प्रयास जारी रहेंगे।" उन्होंने कहा कि शिखर सम्मेलन को केवल सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर तक सीमित नहीं रखना चाहिएॅ बल्कि सरकार को लोगों को यह बताना चाहिए कि इसमें से कितना वास्तविक निवेश जमीनी स्तर पर हुआ।

कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार को लोगों को यह बताना चाहिए कि शिखर सम्मेलन के दौरान कितना वास्तविक निवेश हुआ, कितने उद्योग स्थापित हुए, कितने रोजगार सृजित हुए और कितना व्यय हुआ। उन्होंने कहा, "राजस्थान की प्रगति में हम सब साथ हैं लेकिन जिस प्रकार का हम वातावरण देख रहे हैं, जो चर्चाएं काफी दिनों से सुन रहे हैं कि राजस्थान सरकार केवल कागजी खानापूर्ति कर एमओयू की बडी श्रृंखला दिखाना चाहती है उससे 'राजस्थान राइजिंग' भी नहीं होगा और प्रदेश के युवाओं को नौकरी भी नहीं मिलेगी।" उन्होंने कहा कि करार (एमओयू) को धरातल पर उतारने के लिए सरकार को गंभीरता से प्रयास करने होंगे।

ब्राइटनाइट राजस्थान में 15,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी

नयी दिल्ली, (भाषा) नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी ब्राइटनाइट ने मंगलवार को कहा कि वह राजस्थान में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता विकसित करने पर 15,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी ने बयान में कहा कि राजस्थान की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को बढ़ावा देने के लिए उसने राज्य सरकार के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने कहा, ''ब्राइटनाइट ने अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान सरकार के साथ 15,000 करोड़ रुपये के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।'' ब्राइटनाइट ने राजस्थान में दो गीगावाट से अधिक हाइब्रिड ऊर्जा क्षमता जोड़ने की योजना बनाई है जिससे करीब 40 लाख घरों तक बिजली आपूर्ति की जा सकेगी। इस निवेश से लगभग 5,000 रोजगार भी पैदा होंगे। कंपनी ने कहा कि इस परियोजना के तहत शुरुआती 600 मेगावाट क्षमता का निर्माण जनवरी, 2025 में शुरू होगा।

'एक राष्ट्र, एक सदस्यता' योजना एक जनवरी से होगी शुरू, करीब 1.8 करोड़ विद्यार्थियों को होगा लाभ

नयी दिल्ली, (भाषा) सरकार द्वारा वित्तपोषित विश्वविद्यालयों और आईआईटी समेत देशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों के करीब 1.8 करोड़ छात्र एक जनवरी से दुनिया भर की शीर्ष पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पत्रों तक पहुंच बना सकेंगे। छात्रों को यह लाभ केंद्र सरकार की 'एक राष्ट्र, एक सदस्यता' (वन नेशन, वन सब्सक्रिप्शन) पहल के तहत मिलेगा। केंद्र सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार ए. के. सूद ने मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि 'एक राष्ट्र, एक सदस्यता' योजना के पहले चरण के तहत विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, गणित, प्रबंधन, सामाजिक विज्ञान और मानविकी पर 13,400 से अधिक अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाएं शोधकर्ताओं के लिए उपलब्ध कराई जाएंगी। सूद ने बताया कि इस पहल के तहत 451 राज्य सार्वजनिक विश्वविद्यालय, 4,864 कॉलेज और 172 राष्ट्रीय महत्व के संस्थान उन 6,380 उच्च शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों में शामिल होंगे, जिन्हें एल्सेवियर, स्प्रिंगर नेचर और विले सहित 30 प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित शीर्ष पत्रिकाओं तक पहुंच प्राप्त होगी। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग सचिव अभय कराडीकर ने कहा, ''इससे पहले, आईआईटी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान) या केंद्रीय विश्वविद्यालय जैसे संस्थान विशिष्ट विषयों से संबंधित पत्रिकाओं के एक छोटे समूह की सदस्यता (सब्सक्रिप्शन) लेते थे, लेकिन 'एक राष्ट्र, एक सदस्यता' (ओएनओएस) के तहत, सभी संस्थानों को 13,400 शोध पत्रिकाओं तक पहुंच प्राप्त होगी।'' उन्होंने कहा कि ओएनओएस (वन नेशन, वन सब्सक्रिप्शन) पहल एक जनवरी को शुरू की जाएगी और इसके तहत छात्रों को अगले तीन वर्षों तक शीर्ष पत्रिकाओं तक पहुंच उपलब्ध रहेगी। ओएनओएस के दूसरे चरण के तहत सरकार सार्वजनिक–निजी भागीदारी मॉडल के माध्यम से इस पहल को निजी शैक्षणिक संस्थानों तक विस्तारित करने की योजना बना रही है। तीसरे चरण में सार्वजनिक पुस्तकालयों में निर्दिष्ट पहुंच बिंदुओं के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं तक सार्वभौमिक पहुंच प्रदान की जाएगी। इस पहल को तीन वर्ष की अवधि के लिए 6,000 करोड़ रुपये की लागत से केन्द्रीय क्षेत्र की योजना के रूप में पेश किया गया है।

गेहूं, मक्के के रिकॉर्ड एमएसपी से हिमाचल प्रदेश प्राकृतिक खेती में अग्रणी : कृषि मंत्री

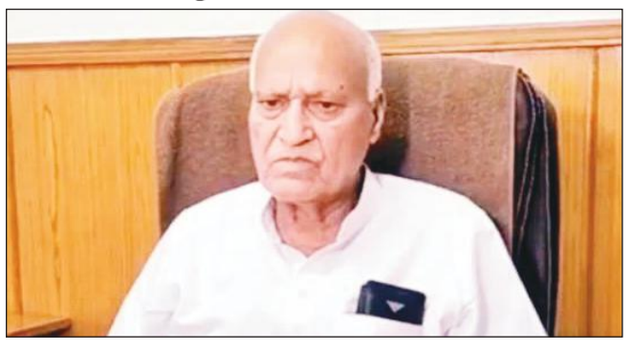

धर्मशाला, (भाषा) हिमाचल प्रदेश के कृषि मंत्री चंद्र कुमार ने रविवार को कहा कि प्राकृतिक खेती के माध्यम से उत्पादित गेहूं और मक्का के लिए सबसे ज्यादा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने में प्रदेश अग्रणी बन गया है। यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए कुमार ने कहा कि सरकार की गारंटी के तहत प्राकृतिक खेती से प्राप्त गेहूं 40 रुपये प्रति किलोग्राम तथा मक्का 30 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से खरीदा जा रहा है, जिससे 1,506 किसान परिवारों को लाभ मिल रहा है तथा 4,000 क्विंटल से अधिक मक्का की खरीद हो चुकी है। कुमार ने कहा कि 35,000 हेक्टेयर में प्राकृतिक खेती की जा रही है, जिसमें 1.98 लाख किसान शामिल हैं। मंत्री ने कहा, "उनकी सहायता के लिए, 1.5 लाख से अधिक किसानों को निःशुल्क प्रमाणीकरण प्राप्त हुआ है, और इस वर्ष 36,000 से अधिक किसानों को प्राकृतिक खेती की पहल से जोड़ा जा रहा है। प्राकृतिक खेती के उत्पादों की बिक्री को सुव्यवस्थित करने के लिए 10 कृषि मंडियों में बुनियादी ढांचे को उन्नत करने का काम चल रहा है।" उन्होंने कहा, "राजीव गांधी स्टार्टअप योजना के तीसरे चरण के तहत 680 करोड़ रुपये की लागत से सरकार का लक्ष्य कृषि को रोजगार के अवसरों से जोड़ना है। राज्य जल्द ही प्राकृतिक खेती से मक्का के आटे का ब्रांड हिमभोग भी पेश करने की योजना बना रहा है। इसके अलावा, डेयरी किसानों को सहायता देने के लिए गाय का दूध 45 रुपये प्रति लीटर और भैंस का दूध 55 रुपये प्रति लीटर की दर पर खरीदा जा रहा है।" मंत्री ने केंद्र सरकार की ओर से 9,000 करोड़ रुपये की लंबित आपदा राहत पर भी चिंता व्यक्त की।

महाकुंभ के लिये अपनी तैयारी दुरुस्त रखे स्वास्थ्य विभाग : पाठक

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग को प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ–2025 के दौरान अपनी तैयारी दुरुस्त रखने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए। इस महाकुंभ में करीब 45 करोड़ श्रद्धालुओं के जुटने की सम्भावना है। प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग का भी जिम्मा संभाल रहे उप मुख्यमंत्री ने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को ये निर्देश दिए। उन्होंने कहा, ''महाकुंभ–2025 में उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना हम सबकी संयुक्त जिम्मेदारी है। इस बार महाकुंभ में करीब 45 करोड़ लोगों के आने की उम्मीद है। हमें अपनी तैयारियां दुरुस्त रखनी होंगी और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहना होगा।'' पाठक ने बताया कि इस वर्ष मेले का क्षेत्रफल भी बढ़ा है तथा प्रयागराज में सरकारी और निजी स्तर पर करीब छह हजार चिकित्सा बिस्तरों की व्यवस्था की गई है जिनमें से 360 बिस्तर मेला स्थल पर उपलब्ध होंगे जबकि अरैल और झूंसी में 25–25 बिस्तर के दो अस्पताल समेत अन्य अस्पताल स्थापित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि मेला स्थल के अलावा सरकारी अस्पतालों में 3000 बिस्तर की व्यवस्था की गयी है। साथ ही जरूरत पड़ने पर निजी अस्पतालों में भी इतने ही बिस्तर उपलब्ध कराए जाएंगे। पाठक ने बताया कि अस्पतालों में इलाज के अलावा 'टेली' आईसीयू के जरिए भी मरीजों को इलाज मुहैया कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि मेला स्थल पर 125 एंबुलेंस और सात रिवर एंबुलेंस तैनात की गई हैं और इनकी 24 घंटे ऑनलाइन निगरानी की जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि पहली बार महाकुंभ में अस्पताल प्रबंधकों की तैनाती की जा रही है जो हर समय मरीजों की सेवा के लिए उपलब्ध रहेंगे। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया, " मेला परिसर के सभी सेक्टरों में मेडिकल हेल्प डेस्क की व्यवस्था की जा रही है। अस्पतालों में 24 घंटे डॉक्टर तैनात रहेंगे। अस्पतालों में महिला, पुरुष और बच्चों के लिए अलग–अलग वार्ड तैयार किए जा रहे हैं। महाकुंभ में नेत्र कुंभ का भी आयोजन किया जाएगा, जिसके तहत तीन लाख से अधिक जरूरतमंद लोगों को मुफ्त चश्मे उपलब्ध कराए जाएंगे।" उन्होंने बताया कि आपदा नियंत्रण केंद्र भी स्थापित कर दिया गया है और 15 दिसंबर से 'मॉक ड्रिल' भी कराई जाएगी। उनके मुताबिक, नरौरा स्थित परमाणु ऊर्जा स्टेशन में पहली बार डॉक्टरों की टीम को केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल, न्यूक्लियर और एक्सप्लोसिव (सीबीआरएनई) का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही पैरा मेडिकल स्टाफ को भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

असम को इजराइल से सबक सीखने की जरूरत : हिमंत सरमा

तेजपुर, (भाषा) असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि उनके राज्य को ''इजराइल से दुश्मनों से घिर जाने के बावजूद जीवित रहने का सबक'' सीखना है। सोनितपुर जिले के जमुगुरीहाट में 'शहीद दिवस' के अवसर पर एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बात करते हुए शर्मा ने कहा कि असम की सीमाएं कभी भी सुरक्षित नहीं थीं। उन्होंने कहा, ''ऐतिहासिक रूप से हमने बांग्लादेश, म्यांमा और पश्चिम बंगाल के साथ सीमाएं साझा की हैं। हम (असमिया लोग) 12 जिलों में अल्पसंख्यक हैं।'' उन्होंने ''हमें इजराइल जैसे देशों के इतिहास से सीखना होगा कि कैसे ज्ञान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग करके और अदम्य साहस के बूते, दुश्मनों से घिरे होने के बावजूद वह एक मजबूत देश बन गया है। तभी हम एक 'जाति' (समुदाय) के रूप में जीवित रह सकते हैं।' 'शहीद दिवस' खड़गेश्वर तालुकदार की शहादत की याद दिलाता है, जिन्हें छह साल लंबे असम आंदोलन का पहला 'शहीद' माना जाता है। असम आंदोलन 15 अगस्त 1985 को असम समझौते पर हस्ताक्षर के साथ समाप्त हुआ था। इस अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि समझौते के लगभग 40 साल बाद भी बाहरी लोगों से 'खतरा' खत्म नहीं हुआ है।

असम के लोगों के जमीन खोने के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में लोगों का एक वर्ग राज्य में उसके शासनकाल के नकारात्मक प्रभाव को नजरअंदाज करते हुए विपक्षी दल का पक्ष ले रहा है। शर्मा ने कहा, '' राज्य के 12 से अधिक जिलों में हम (असमिया) अल्पसंख्यक हैं। कांग्रेस के ये तथाकथित देशभक्त, मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि वे हमारे अपने लोगों को कमजोर करके किसका हौसला बढ़ाने की सोच रहे हैं। वे हमारे अपने समुदाय, हमारे समाज को नुकसान पहुंचा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''देशभक्ति सहमति बनने और सरकार बनाने से खत्म नहीं होती। सरकार बनाने के बाद, किसी को दुश्मनों के खिलाफ साहस के साथ लड़ना होता है और 'जाति' की रक्षा करनी होती है। और हम इसे अपनी पूरी ताकत से कर रहे हैं।''

रास उपचुनाव: भाजपा उम्मीदवार रेखा शर्मा ने नामांकन दाखिल किया, निर्विरोध चुने जाने की संभावना

चंडीगढ़, (भाषा) राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व प्रमुख एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार रेखा शर्मा ने राज्यसभा उपचुनाव के लिए मंगलवार को यहां हरियाणा से अपना नामांकन दाखिल किया। चुनाव मैदान में एकमात्र उम्मीदवार होने के कारण शर्मा के निर्विरोध चुने जाने की संभावना है। उपचुनाव के लिए हरियाणा विधानसभा सचिवालय में निर्वाचन अधिकारी के समक्ष नामांकन पत्र दाखिल करते समय शर्मा के साथ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा की हरियाणा इकाई के अध्यक्ष मोहन लाल बडोली और मंत्री कृष्ण लाल पंवार भी मौजूद थे। शर्मा ने नामांकन दाखिल करने के बाद पत्रकारों से कहा, ''मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी, अमित शाह जी, जे. पी. नड्डा जी, मनोहर लाल खट्टर और नायब सिंह सैनी जी को धन्यवाद देना चाहती हूं कि उन्होंने मुझे एक बार फिर देश की सेवा करने का मौका दिया।'' उन्होंने महिला सशक्तीकरण के लिए नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा लाई गई कई पहलों और योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। शर्मा के नामांकन दाखिल करने के बाद मुख्यमंत्री सैनी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''आपको जीत की अग्रिम बधाई एवं मंगलकामनाएं।' भाजपा ने 20 दिसंबर को होने वाले राज्यसभा उपचुनाव के लिए सोमवार को शर्मा के नाम की घोषणा की थी। विपक्षी दलों ने कोई उम्मीदवार नहीं उतारने का फैसला किया है। हरियाणा में 90 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 48, कांग्रेस के 37, इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के दो और तीन निर्दलीय सदस्य हैं। निर्दलीय भी नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली सरकार का समर्थन करते हैं। हरियाणा में राज्यसभा की सीट उस समय खाली हो गई थी जब भाजपा के कृष्ण लाल पंवार ने अक्टूबर में हुए राज्य विधानसभा चुनावों में विधायक चुने जाने के बाद अपनी सीट से इस्तीफा दे दिया था। पंवार वर्तमान में हरियाणा की भाजपा नीत सरकार में विकास एवं पंचायत मंत्री हैं। मुख्यमंत्री सैनी ने रेखा शर्मा द्वारा नामांकन दाखिल किए जाने के बाद पत्रकारों के एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी नयी योजनाएं और नीतियां शुरू करके महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। सैनी ने कहा कि सोमवार को प्रधानमंत्री ने एलआईसी की "बीमा सखी" योजना की पानीपत से शुरुआत की। उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे और वे अधिक सशक्त व आत्मनिर्भर बनेंगी। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं को यह भी बताया कि हिसार में महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे का काम अपने अंतिम चरण में है और जल्द ही इसका संचालन शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह हवाई अड्डा हिसार के आसपास औद्योगिक केंद्र के लिए अवसर खोलेगा और विकास को गति देगा, जिससे रोजगार के अनेक अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि इस हवाई अड्डे से न केवल हरियाणा बल्कि पंजाब और राजस्थान को भी लाभ होगा। इससे पहले, यहां एक आधिकारिक बयान में कहा गया था कि हरियाणा से रिक्त एकमात्र राज्यसभा सीट के लिए चुनाव कार्यक्रम तीन दिसंबर को अधिसूचित कर दिया गया है और 10 दिसंबर तक नामांकन दाखिल किए जा सकते हैं।

जो लोग जोखिम के लिए तैयार नहीं होते, वे पीछे रह जाते हैं : मुख्यमंत्री

गोरखपुर (उप्र), उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जो लोग जोखिम के लिए तैयार नहीं होते, वे पीछे रह जाते हैं। आदित्यनाथ ने यहां महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा, ''समय का चक्र बिना किसी की प्रतीक्षा किए निरंतर चलता रहता है। जो लोग जोखिम के लिए तैयार नहीं होते और खुद को ढाल नहीं पाते, वे पीछे रह जाते हैं।'' कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित समाजसेवी कैलाश सत्यार्थी का स्वागत करते हुए आदित्यनाथ ने समाज और राष्ट्र के कल्याण के लिए पहल करने में एकता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''जब हमारे प्रयास सामूहिकता और टीम भावना से प्रेरित होते हैं तो परिणाम स्वाभाविक रूप से समर्पण और तैयारी को दर्शाते हैं। यही सफलता का सही मापदंड होता है।'' मुख्यमंत्री ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में दिमागी बुखार के उन्मूलन को सामूहिक प्रयास और अनुसंधान की शक्ति का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल में 40 साल से अधिक समय तक दिमागी बुखार का कहर रहा, जिससे 38 जिलों में हजारों बच्चों की मौत हो गयी। आदित्यनाथ ने कहा कि शुरुआती वर्षों में इस क्षेत्र में उचित उपचार सुविधाएं मौजूद नहीं थीं और टीके उपलब्ध होने के बावजूद वायरस ने खुद को ढाल लिया, जिससे संकट और भी विकट हो गया। उन्होंने कहा कि हालांकि 2017 में उनकी सरकार बनने के बाद राज्य और केंद्र सरकारों, यूनिसेफ, स्वास्थ्य संगठनों और विभिन्न सरकारी टीमों के सहयोग से एक मजबूत कार्य योजना बनाई गई। आदित्यनाथ ने कहा, ''एक कठिन चुनौती का सामना करने से लेकर परिणाम प्राप्त करने तक की यात्रा टीम वर्क और सामूहिक दृढ़ संकल्प की शक्ति का उदाहरण है।'' उन्होंने युवाओं से मोबाइल फोन का उपयोग कम करने और अपनी ऊर्जा कड़ी मेहनत, पढ़ाई, कौशल विकास और प्रकृति से जुड़ने पर केंद्रित करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने साथ ही चेतावनी देते हुए कहा, ''हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम प्रौद्योगिकी को नियंत्रित करें और प्रौद्योगिकी को हमें नियंत्रित न करने दें।'' उन्होंने युवाओं को नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के जीवन से प्रेरणा लेने और अपनी रुचियों से जुड़ने तथा व्यक्तिगत प्राथमिकताओं से परे नए अवसरों की खोज करने के लिए प्रोत्साहित किया।

ओडिशा ने आदिवासी योद्धा रेंडो माझी को उनके 169वें शहादत दिवस पर याद किया

भवानीपटना, (भाषा) ओडिशा ने स्वतंत्रता सेनानी और आदिवासी नायक रेंडो माझी को उनके 169वें शहादत दिवस पर याद किया। माझी ने 1853 में अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूंका था और दो साल बाद ब्रिटिश राज की पुलिस की गोलियों से शहीद हुए थे। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में श्रद्धांजलि देते हुए कहा, ''महान स्वतंत्रता सेनानी, आदिवासी नेता रेंडो माझी को उनके बलिदान दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि। मातृभूमि की रक्षा के लिए उनके समर्पण और बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा।'' माझी और उनके 19 साथियों को 10 दिसंबर 1855 को ब्रिटिश राज की पुलिस ने उस समय गोलियां मार दी थी, जब वे कालाहांडी जिले के उरलादानी में विश्राम कर रहे थे। आदिवासियों के सामाजिक–सांस्कृतिक और धार्मिक मामलों में ईस्ट इंडिया कंपनी के हस्तक्षेप तथा वन उत्पादों पर आदिवासियों के अधिकारों में हस्तक्षेप के खिलाफ विद्रोह के बाद वे ब्रिटिश पुलिस के निशाने पर आ गए। विद्रोह को कुचलने के लिए तत्कालीन पुलिस ने माझी को गिरफ्तार कर लिया और उन्हें जंजीरों में जकड़कर गांवों में घुमाया। हालांकि, इससे स्थानीय निवासियों का आक्रोश और बढ़ गया और आदिवासियों ने उन्हें छुड़ा लिया। इसके बाद माझी ने आदिवासियों को संगठित किया और ब्रिटिश पुलिस पर हमले शुरू कर दिए। आदिवासी नायक के बलिदान और बहादुरी को याद करते हुए भवानीपटना, उरलादानी, रंगापदर और लुबेनगढ़ में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गई।

दिल्ली प्रदूषण: 204 परियोजनाओं के खिलाफ कार्रवाई, 35 को जीआरएपी के तहत बंद करने के आदेश जारी

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली की खतरनाक वायु गुणवत्ता से निपटने के लिए चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्ययोजना (जीआरएपी) के तहत कुल 260 स्थलों को धूल संबंधी उल्लंघन के लिए चिह्नित किया गया, 204 को पर्यावरण मंजूरी संबंधी कार्रवाई का सामना करना पड़ा तथा 35 को बंद करने के आदेश दिये गये। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने 775 अवैध 'डंपिंग साइट' (कचरा ढलाव स्थलों) के खिलाफ कार्रवाई की, 259 डीजल जनरेटर को सील कर दिया तथा कार्यान्वयन के सबसे जरूरी वक्त में 24,000 से अधिक शिकायतों का समाधान किया। दिल्ली के पर्यावरण निकायों ने गंभीर प्रदूषण स्तरों से निपटने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत जीआरएपी के विभिन्न चरणों के तहत कड़े उपाय लागू किए हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, निर्माण और विध्वंस (सीएंडडी) क्षेत्र में, धूल शमन मानदंडों के अनुपालन के लिए 6,741 स्थलों का निरीक्षण किया गया, जिनमें से 260 पर जीआरएपी के संबंधित चरण का अनुपालन नहीं किया जा रहा था तथा ऐसे स्थलों को चिह्नित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि 204 परियोजनाओं पर पर्यावरण मंजूरी का अनुपालन नहीं किये जाने को लेकर कार्रवाई की गयी, जबकि 35 परियोजनाओं को बंद करने के आदेश जारी किए गए। इसके अतिरिक्त, अवैध डंपिंग साइट की पहचान करने के लिए 974 निरीक्षण किए गए, जिसके परिणामस्वरूप अवैध डंपिंग करने के 775 मामलों में कार्रवाई की गई। इसके अलावा, आंकड़ों से पता चला कि पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) को कम करने के लिए 1,35,350 किलोमीटर सड़कों की यांत्रिक सफाई की गई। औद्योगिक क्षेत्र में जीआरएपी के चौथे चरण के दिशानिर्देशों के तहत 88 औद्योगिक इकाइयों का भौतिक निरीक्षण किया गया।

जॉर्जिया में भारत के नये राजदूत होंगे अभय कुमार

नयी दिल्ली, (भाषा) वरिष्ठ राजनयिक अभय कुमार जॉर्जिया में भारत के नये राजदूत होंगे। विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव कुमार वर्तमान में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के उप महानिदेशक के पद पर कार्यरत हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, वह बहुत जल्द ही यह कार्यभार संभालने वाले हैं। कुमार ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से भूगोल में स्नातकोत्तर किया था। इसके बाद वह 2003 में भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) में शामिल हुए थे। उन्होंने 2019 से 2022 तक मेडागास्कर में भारत के 21वें राजदूत के रूप में कार्य किया।

बीते वित्त वर्ष में तांबे की मांग 13 प्रतिशत बढ़कर 1,700 किलो टन हुई

नयी दिल्ली, (भाषा) अंतरराष्ट्रीय तांबा संघ–भारत ने सोमवार को कहा कि बुनियादी ढांचे के विकास और भवन निर्माण की तीव्र गति से भारत की तांबे की मांग बीते वित्त वर्ष 2023–24 में सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़कर 1,700 किलो टन हो गई। अंतरराष्ट्रीय तांबा संघ ने बयान में कहा कि पारंपरिक रूप से भवन निर्माण और बुनियादी ढांचे में तांबे की मांग का 43 प्रतिशत हिस्सा होता है, जबकि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में यह 11 प्रतिशत का योगदान देता है। संघ द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार, देश में तांबे की मांग 2023–24 में सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़कर 1,700 किलो टन (केटी) तक पहुंच गई। उद्योग निकाय ने कहा कि इस उछाल का श्रेय समग्र आर्थिक वृद्धि को जाता है। कोविड महामारी के बाद वित्त वर्ष 2020–21 और 2023–24 के बीच औसत वार्षिक तांबे की मांग में 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उसने कहा कि देश में तेजी से बढ़ते बुनियादी ढांचे और भवन निर्माण क्षेत्रों की मांग के चलते अगले वित्त वर्ष में तांबे की मांग में वृद्धि जारी रहेगी। ताजा जीडीपी आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में बुनियादी ढांचे और निर्माण क्षेत्रों में क्रमशः 9.1 प्रतिशत और 6.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अंतरराष्ट्रीय तांबा संघ भारत के प्रबंध निदेशक मयूर करमरकर ने कहा, ''कुल रुझान, तांबे की मांग में मजबूत वृद्धि को दर्शाती है, जो देश की आर्थिक वृद्धि के अनुरूप है। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के निवेश, उच्च उपभोक्ता खर्च और भवन निर्माण, बुनियादी ढांचे, परिवहन, औद्योगिक और उपभोक्ता वस्तुओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में प्रगति से यह वृद्धि हुई है। इससे तांबे की मांग में बढ़ोतरी दो अंक में रही है।''

वोडाफोन आइडिया के निदेशक मंडल ने 1,980 करोड़ रुपये जुटाने को मंजूरी दी

नयी दिल्ली, (भाषा) दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया के निदेशक मंडल ने 1,980 करोड़ रुपये तक जुटाने के लिए वोडाफोन समूह की इकाइयों को तरजीही आधार पर 175.53 करोड़ शेयर जारी करने की मंजूरी दे दी है। कर्ज में फंसी दूरसंचार कंपनी ने शेयर आवंटन के लिए निर्गम मूल्य 11.28 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया है। वोडाफोन आइडिया ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, ''...वोडाफोन आइडिया लि. के निदेशक मंडल ने आज नौ दिसंबर, 2024 को हुई अपनी बैठक में 10 रुपये अंकित मूल्य के 1,755,319,148 इक्विटी शेयर 1.28 रुपये प्रति इक्विटी प्रीमियम समेत 11.28 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर जारी करने को मंजूरी दे दी। कुल 1,980 करोड़ रुपये के शेयर तरजीही आधार पर वोडाफोन समूह की इकाइयों और प्रवर्तकों ओमेगा टेलीकॉम होल्डिंग्स प्राइवेट लि. (1,280 करोड़ रुपये) और ऊषा मार्टिन टेलीमैटिक्स लि. (700 करोड़ रुपये तक) को जारी किये जाएंगे...।'' कंपनी ने कहा कि तरजीही निर्गम का न्यूनतम मूल्य निर्धारित करने की तारीख छह दिसंबर, 2024 है। इसमें कहा गया है कि मामले को मंजूरी देने के लिए सात जनवरी, 2025 को कंपनी की एक असाधारण आम बैठक आयोजित की जाएगी।

गेहूं की बुवाई का रकबा अबतक 2.28 प्रतिशत बढ़ा, तिलहन का 4.34 प्रतिशत घटा

नयी दिल्ली, (भाषा) चालू रबी (सर्दियों) मौसम में गेहूं की बुवाई का रकबा 2.28 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 239.49 लाख हेक्टेयर हो गया है। वहीं तिलहन का रकबा 4.34 प्रतिशत घटकर 86.52 लाख हेक्टेयर रहा है। सोमवार को जारी कृषि मंत्रालय के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। सर्दियों की मुख्य फसल गेहूं को आमतौर पर नवंबर से बोया जाता है और मार्च और अप्रैल के बीच इसे काटा जाता है। इस रबी सत्र में छह दिसंबर तक दलहन का रकबा मामूली रूप से बढ़कर 120.65 लाख हेक्टेयर हो गया, जो पिछले साल 115.70 लाख हेक्टेयर था। मोटे अनाज की बुवाई 35.77 लाख हेक्टेयर पर स्थिर रही, जिसमें ज्वार 19.38 लाख हेक्टेयर और मक्का 10.07 लाख हेक्टेयर में बोया गया। हालांकि, तिलहन की बुवाई का रकबा पिछले वर्ष के 90.45 लाख हेक्टेयर से 4.34 प्रतिशत घटकर 86.52 लाख हेक्टेयर रह गया। रैपसीड–सरसों तिलहन का रकबा 84.70 लाख हेक्टेयर से घटकर 81.07 लाख हेक्टेयर रह गया, जबकि मूंगफली की खेती का रकबा 2.51 लाख हेक्टेयर से घटकर 2.31 लाख हेक्टेयर रह गया। वर्ष 2024–25 के चालू रबी सत्र में अबतक सभी रबी फसलों के तहत कुल खेती का रकबा 1.5 प्रतिशत बढ़कर 493.62 लाख हेक्टेयर हो गया।

एयर इंडिया ने एयरबस को 100 और विमानों का ऑर्डर दिया

मुंबई, (भाषा) एयर इंडिया ने सोमवार को 100 एयरबस विमानों की खरीद का नया ऑर्डर देने की घोषणा की। इनमें 10 विमान चौड़े आकार वाले ए350 श्रृंखला के, जबकि 90 विमान पतले आकार वाले ए320 श्रृंखला के होंगे। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने एक बयान में कहा कि 100 विमानों का यह ऑर्डर पिछले साल एयरबस और बोइंग को दिए गए 470 विमानों के ऑर्डर के अतिरिक्त है। एयरलाइन ने अपने ए350 बेड़े के लिए कलपुर्जे और रखरखाव सहायता के लिए एयरबस के साथ समझौते की भी घोषणा की। इस नए ऑर्डर के साथ अब एयर इंडिया की तरफ से एयरबस को दिए गए विमानों के ऑर्डर की संख्या 250 से बढ़कर 350 हो गई है। पिछले साल दिए गए 250 विमानों के ऑर्डर में ए350 श्रृंखला के 40 और ए320 श्रृंखला के 210 विमान शामिल थे। एयर इंडिया ने फरवरी, 2023 में घोषणा की थी कि वह 470 विमानों के लिए ऑर्डर देगी और 370 अतिरिक्त विमानों के ऑर्डर विकल्प भी होंगे। जून, 2023 में इस ऑर्डर की पुष्टि की गई। टाटा संस और एयर इंडिया के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा, ''ये अतिरिक्त 100 एयरबस विमान एयर इंडिया को 'अधिक वृद्धि' के मार्ग पर आगे बढ़ाने में मदद करेंगे और एयर इंडिया को एक विश्वस्तरीय एयरलाइन बनाने के हमारे मिशन में योगदान देंगे।'' कंपनी ने कहा कि 100 अतिरिक्त विमानों के ऑर्डर के साथ एयर इंडिया को एयरबस से कुल 344 नए विमान मिलने हैं। इनमें से उसे अबतक छह ए350 विमान मिल गए हैं। इस बीच, एयर इंडिया ने कहा कि उसने ए350 विमानों के बढ़ते बेड़े के रखरखाव के लिए एयरबस की फ्लाइट ऑवर सर्विसेज–कंपोनेंट (एफएचएस–सी) का चयन किया है। एयरबस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी गिलोम फॉरी ने कहा, ''मुझे खुशी है कि एयर इंडिया ने हमारे ए320 परिवार और ए350 विमानों के लिए इस अतिरिक्त ऑर्डर के साथ एयरबस पर फिर से अपना भरोसा दिखाया है।''

अमेरिका के न्यू जर्सी में बुद्ध की विशाल प्रतिमा बनी अंतर–धार्मिक आस्था का केंद्र

फ्रैंकलिन टाउनशिप(अमेरिका), (एपी) न्यू जर्सी के फ्रैंकलिन टाउनशिप में करीब दशक भर पहले निर्मित महात्मा बुद्ध की 30 फुट ऊंची प्रतिमा अंतर–धार्मिक आस्था का केंद्र बन गई है। प्रतिमा का निर्माण बुद्ध धर्म के थेरवाद संप्रदाय के एक श्रीलंकाई बौद्ध भिक्षु के नेतृत्व में किया गया था। थेरवाद, बौद्ध धर्म का सबसे पुराना स्वरूप है। वर्तमान में, न्यू जर्सी बौद्ध विहार और ध्यान केन्द्र में स्थित यह प्रतिमा अंतर–धार्मिक प्रयासों का केन्द्र तथा बौद्ध धर्मावलम्बियों, हिन्दुओं और ईसाइयों के लिए एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक स्थल बन गया है जो न्यू जर्सी की विविधता को प्रतिबिंबित करता है। इन बौद्ध धर्मावलम्बियों में से एक प्रिंसटन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हैं जो कोरियाई ईसाई चर्च में पले–बढ़े हैं और तिब्बती बौद्ध धर्म का पालन करते हैं। स्थानीय नेपाली समुदाय के भी एक नेता हैं जो अंतर–धार्मिक समारोहों का आयोजन करते हैं और परिसर में एक शांति उद्यान की देखभाल करते हैं। साथ ही एक ऐसी महिला भी है जो वर्षों तक प्रतिमा के पास रहने के बाद बौद्ध धर्मावलम्बी बन गई। प्रिंसटन में अध्यापन करने वाले और 2015 से बुद्ध प्रतिमा के सामने ध्यान कर रहे डैनियल चोई ने कहा, ''ऐसा लगता है कि यह एक ऐसा स्थान है जहां बहुत सारे लोग एक–दूसरे से जुड़ते हैं।'' न्यू जर्सी बौद्ध विहार, थेरवाद का अनुसरण करता है जो श्रीलंका, म्यांमा

ट्रंप ने भारतीय–अमेरिकी हरमीत ढिल्लों को नागरिक अधिकारों के लिए सहायक अटॉर्नी जनरल नामित किया

वाशिंगटन, (भाषा) अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय मूल की अमेरिकी हरमीत ढिल्लों को सोमवार को न्याय विभाग में नागरिक अधिकारों के लिए सहायक 'अटॉर्नी जनरल' नामित किया। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर घोषणा की, ''मुझे अमेरिकी न्याय विभाग में नागरिक अधिकारों के लिए सहायक अटॉर्नी जनरल के रूप में हरमीत के. ढिल्लों को नामित करते हुए खुशी हो रही है।'' ट्रंप ने कहा, ''हरमीत देश के शीर्ष चुनावी पैरोकारों में से एक हैं, जो यह सुनिश्चित करने के लिए लड़ रही हैं कि सभी और केवल वैध वोट की गिनती की जाए। वह 'डार्टमाउथ कॉलेज' और 'यूनिवर्सिटी ऑफ वर्जीनिया लॉ स्कूल' से स्नातक हैं और 'यूएस फोर्थ सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स' में कर्मी रही हैं।'' नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने कहा, ''हरमीत सिख धार्मिक समुदाय की एक सम्मानित सदस्य हैं। न्याय विभाग में अपनी नयी भूमिका में हरमीत हमारे संवैधानिक अधिकारों की रक्षक होंगी और हमारे नागरिक अधिकारों एवं चुनाव कानूनों को निष्पक्षता तथा दृढ़ता से लागू करेंगी।'' चंडीगढ़ में जन्मीं हरमीत (54) बचपन में ही अपने माता–पिता के साथ अमेरिका चली गई थीं। हरमीत ने बाद में 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''(नवनिर्वाचित) राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा हमारे देश के नागरिक अधिकार एजेंडे में सहायता करने के लिए नामित किये जाने से मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूं। अपने महान देश की सेवा करना मेरा सपना रहा है।'' उन्होंने कहा, ''मैं अपनी मां और भाई के समर्थन के बिना आज यहां नहीं होती। मेरे प्यारे पिता तेजपाल और पति सर्व, जो इस दिन को देखने के लिए जीवित नहीं हैं, मुझे उम्मीद है कि मैं उनकी यादों को संजो कर रखूंगी।''

इलेक्ट्रिक स्कूटर से धुआं निकलने के मामले में बजाज ऑटो ने कहा– जांच हो रही

छत्रपति संभाजीनगर, (भाषा) छत्रपति संभाजीनगर में एक इलेक्ट्रिक स्कूटर से धुआं निकलने का वीडियो वायरल हुआ है, जिसके बाद प्रमुख दोपहिया वाहन विनिर्माता बजाज ऑटो ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है। बृहस्पतिवार को जालना रोड पर व्यस्त ट्रैफिक सिग्नल पर बजाज चेतक के इलेक्ट्रिक स्कूटर से धुआं निकलने लगा। एक अधिकारी ने बताया कि दमकल विभाग ने धुआं बुझाने के लिए एक टीम मौके पर भेजी। वरवंडी गांव के दो किसान भगवान चव्हाण और रवींद्र चव्हाण पानी की पाइप खरीदने छत्रपति संभाजीनगर आए थे। अधिकारी ने बताया कि जब वे सिग्नल पर इंतजार कर रहे थे, तो उन्होंने देखा कि उनके ई–वाहन से धुआं निकल रहा है। वाहन को एक तरफ ले जाया गया और सेवन हिल्स फायर स्टेशन से फायर ब्रिगेड की टीम को बुलाया गया। अधिकारी ने बताया कि टीम ने वाहन पर पानी का छिड़काव किया और धुआं निकलना बंद हो गया। बजाज ऑटो के प्रवक्ता ने पीटीआई–भाषा से कहा, "हमें घटना की सूचना मिली है। मामले की जांच की जा रही है।" संपर्क किए जाने पर स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग के अधिकारी ने कहा कि उन्हें वाहन के ब्रांड के बारे में कोई जानकारी नहीं है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, "हमारे पास इस घटना की कोई सूचना नहीं है।" सेवन हिल्स फायर ब्रिगेड इकाई के एक अधिकारी ने कहा कि घटना की सूचना बृहस्पतिवार दोपहर करीब एक बजे मिली। बजाज ऑटो के प्रबंध निदेशक राजीव बजाज ने हाल ही में कहा कि बजाज चेतक देश में सबसे ज्यादा बिकने वाला इलेक्ट्रिक स्कूटर है। उन्होंने कहा, "ओला तो ओला है, चेतक तो शोला है।"

वेदांता समूह राजस्थान में एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा

जयपुर, (भाषा) वेदांता समूह राजस्थान में अपनी कंपनियों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए अगले दो–तीन साल में एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा। इससे रोजगार के एक लाख अतिरिक्त अवसरों का सृजन होगा। वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने 'पीटीआई–भाषा' के साथ साक्षात्कार में कहा कि समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक वर्तमान में 10 लाख टन जस्ता का उत्पादन कर रही है। कंपनी का इरादा इसे दोगुना कर 20 लाख टन करने का है। अग्रवाल ने कहा, '' इसमें 800 किलोग्राम चांदी भी बनाई जाती है, जिसे हम दोगुना कर 1.6 टन करने जा रहे हैं। हमारी सभी समूह कंपनियां पूरी तरह से नवीकरणीय ऊर्जा पर काम करेंगी। हम तीन लाख बैरल तेल और गैस का उत्पादन करेंगे। इसमें एक लाख करोड़ रुपये का निवेश होगा।'' उन्होंने गैर–लाभकारी आधार पर एक औद्योगिक पार्क स्थापित करने की घोषणा भी की। अग्रवाल ने कहा, '' ऐसे कई उद्यमी हैं जो अवसरों की तलाश में हैं। हम कच्चा माल उपलब्ध कराएंगे और घर–घर बिजली पहुंचाएंगे। जस्ता तथा चांदी का उपयोग कर कई चीजें बनाई जा सकती हैं। हमें उम्मीद है कि हम तीन साल में पूरा निवेश कर लेंगे और उत्पादन क्षमता दोगुनी कर देंगे।'' 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' में उन्होंने कहा कि वेदांता समूह की योजना राष्ट्रीय खजाने में करों के माध्यम से प्रतिवर्ष अपना योगदान बढ़ाकर 1.5 लाख करोड़ रुपये करने की है। इसमें से 40,000 करोड़ रुपये राजस्थान को मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में वेदांता समूह सरकारी खजाने में हर साल 50,000 करोड़ रुपये का योगदान देता है, जिसमें से 10,000 करोड़ रुपये राजस्थान को मिलते हैं। अग्रवाल ने कहा, '' हमारी विस्तार योजना जारी है। हम सरकार की कर आय में अपना योगदान तीन गुना बढ़ाकर 1.5 लाख करोड़ रुपये करेंगे, जिसमें से 40,000 करोड़ रुपये राजस्थान को जाएंगे और पांच लाख लोगों के लिए रोजगार पैदा होगा।''

अवाडा ग्रुप राजस्थान में एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा: चेयरमैन

जयपुर, (भाषा) ऊर्जा क्षेत्र में सक्रिय अवाडा ग्रुप ने राजस्थान को दुनिया के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा केंद्र में बदलने के लिए सोमवार को एक लाख करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई। अवाडा ग्रुप के चेयरमैन विनीत मित्तल ने यहां आयोजित 'द राइजिंग राजस्थान 2024' शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। मित्तल ने कहा कि यह निवेश न केवल हरित विनिर्माण को बढ़ावा देगा बल्कि लाखों नौकरियां भी पैदा करेगा, जिससे समूचे राजस्थान में लोग सशक्त होंगे। अवाडा ग्रुप सौर मॉड्यूल विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन और हरित हाइड्रोजन, हरित मेथनॉल, हरित अमोनिया और टिकाऊ विमानन ईंधन परियोजनाओं के विकास में सक्रिय है।

टाटा मोटर्स, किआ इंडिया के वाहन नए साल से महंगे होंगे

नयी दिल्ली, (भाषा) टाटा मोटर्स और किआ इंडिया ने बढ़ती लागत की आंशिक भरपाई के लिए नए साल यानी जनवरी से अपने वाहनों की कीमतें बढ़ाने की सोमवार को घोषणा की। घरेलू वाहन विनिर्माता टाटा मोटर्स ने कहा कि वह अगले महीने से अपने यात्री वाहनों की कीमतों में तीन प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करेगी। कच्चे माल की लागत तथा मुद्रास्फीति में वृद्धि के प्रभाव को आंशिक रूप से कम करने के लिए वह वाहन कीमतों में बढ़ोतरी कर रही है। बयान के मुताबिक, जनवरी, 2025 से प्रभावी होने वाली यह मूल्य वृद्धि मॉडल और उनके संस्करणों के आधार पर अलग–अलग होगी। दूसरी ओर, किआ इंडिया ने बयान में कहा, एक जनवरी 2025 से प्रभावी मूल्य वृद्धि मुख्य रूप से जिंसों की बढ़ती कीमतों और आपूर्ति श्रृंखला से संबंधित लागत में वृद्धि के कारण की जा रही है। किआ इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (बिक्री एवं विपणन) हरदीप सिंह बरार ने कहा कि कंपनी ग्राहकों को उच्चतम गुणवत्ता वाली प्रौद्योगिकी से लैस उन्नत वाहन देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, '' हालांकि, वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि, प्रतिकूल विनिमय दरों और कच्चे माल की लागत में वृद्धि से आवश्यक मूल्य समायोजन अपरिहार्य हो गया है।'' इससे पहले मारुति सुजुकी, हुंदै, महिंद्रा एंड महिंद्रा और जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर सहित कई वाहन विनिर्माता कंपनियां भी अगले महीने से वाहन की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा कर चुकी हैं। लक्जरी वाहन निर्माता मर्सिडीज–बेंज इंडिया, ऑडी और बीएमडब्ल्यू ने भी लागत और परिचालन व्यय में वृद्धि का हवाला देते हुए जनवरी से कीमतें बढ़ाने की

Jitin Prasada inaugurates 4th Edition of IIGF; Calls it a "Strong call to action"

New Delhi, Focus News: Minister of State for Electronics and Information Technology (MeitY), Sh. Jitin Prasada, inaugurated the 4th edition of the India Internet Governance Forum (IIGF) at Bharat Mandapam. The event, a vibrant platform for dialogue and action, brought together policymakers, industry leaders, and civil society to discuss the future of Internet governance. This year's theme, "Innovating Internet Governance for India", highlights the nation's commitment to leveraging the Internet for sustainable, inclusive, and equitable growth. The inauguration ceremony was also graced by the presence of several eminent dignitaries, including Shri S Krishnan, Secretary, (MeitY), Shri Sushil Pal, Joint Secretary, MeitY, Dr. Devesh Tyagi, CEO, National Internet Exchange of India (NIXI), Shivnath Thukral, Vice President, Public Policy, Meta India, Prof. Rekha Jain, Senior Visiting Professor, ICRIER (online participant), Ms. Amrita Choudhury, Director, CCAOI, and Mr. Dilsher Singh Malhi, Founder & CEO, Zupee. In his inaugural address, the Minister underscored the importance of the IIGF, stating, "This forum is not just a platform for discussion but also a strong call to action." He stressed the need for collective efforts to shape digital policies that reflect the values of equality, transparency, and sustainability, ensuring the Internet remains a force for good.

India's Digital Journey: A Model for the World, highlighting India's rapid strides in digital transformation, Sh. Prasada spoke about landmark achievements under the Digital India initiative. He remarked, "India's transformative journey over the last decade, marked by successes like UPI, Aadhaar, and the Bharat Net project, serves as a model for other nations." With over 1.4 billion citizens and nearly 1 billion Internet users, India has emerged as a vibrant digital economy, setting global benchmarks in innovation and inclusivity He also emphasized how government initiatives have reduced the digital divide, bringing technology to rural communities and enabling opportunities for all. "Today, 95% of our villages are linked to 3G-4G connectivity, and our startup ecosystem has reached over 600 districts, with more than half led by women," he added.

AI for India and the World: Addressing the transformative role of artificial intelligence, the Minister outlined the government's vision to position India as a global leader in AI. "Our vision is to make AI in India and make AI work for India as well as AI for all," he stated. The ₹10,000 crore allocation for the India AI Mission will focus on democratizing AI benefits, fostering innovation, and ensuring technological self-reliance. With the world's largest youth population and a thriving startup ecosystem, India is poised for an AI revolution.

Towards a Sustainable and Secure Digital Future: The Minister highlighted the environmental and security challenges posed by the rapid growth of the digital economy. He emphasized India's proactive steps to reduce the carbon footprint of its digital infrastructure, promoting renewable energy and incentivizing green innovations. Cybersecurity was also a key focus, with a call for robust infrastructure and real-time threat detection systems. The Minister stressed the importance of multi stakeholder collaboration in global Internet governance, citing India's active role in forums like the UN's Global Digital Compact and GPAI. He concluded by urging all stakeholders to shape a sustainable, inclusive, and secure digital future. S Krishnan, Secretary, (MeitY), highlighted the transformative power of digitalization over the past two decades, emphasizing how it has revolutionized the way we access and interact with information, now all at our fingertips. He reflected on the significant discussions from the previous edition of the India Internet Governance Forum (IIGF) and the actions taken since.

He stressed the importance of ensuring the continued resilience of the internet, underscoring the critical steps needed to maintain its stability. Krishnan further raised an important question: "What happens if there's a disruption? Are we stable enough to ensure that essential services can still be offered to citizens?" He called this the essence of Internet resilience and continuity.

INS Tushil, latest multi role stealth guided missile frigate, commissioned into Indian Navy in the presence of Rajnath Singh in Russia

New Delhi, Focus News: INS Tushil (F 70), the latest multi-role stealth-guided missile frigate, was commissioned into the Indian Navy in the presence of Raksha Mantri Shri Rajnath Singh at the Yantar Shipyard in Kaliningrad, Russia on December 09, 2024. Raksha Mantri, in his address, described the commissioning as a proud testament to India's growing maritime strength and a significant milestone in the long-standing friendship between India & Russia, which are bound together by shared values, mutual trust, and special & strategic privileged partnership. Rajnath Singh termed Russia's support to India's vision of 'Aatmanirbhar Bharat' as another important example of deep friendship between India and Russia. "Made in India content is continuously increasing in many ships including INS Tushil. The ship is a big proof of the collaborative prowess of Russian and Indian industries. It exemplifies India's journey towards technological excellence through jointmanship," he added. Highlighting the deep ties between the Navies of India and Russia, Raksha Mantri stated that technical & operational collaboration is constantly touching new heights under the holistically growing relations between the two countries under Prime Minister Shri Narendra Modi and Russian President Mr Vladimir Putin. He reasserted the Indian Navy's commitment to peace and security in the Indian Ocean Region (IOR). "Our Navy has foiled the designs of piracy, arms and drug smugglers and non-state actors in various hotspots. From the Gulf of Oman to the Gulf of Aden, from Suez to Malacca & from Australia to Madagascar, the Indian Navy is playing the essential role of a net security provider in IOR. India, along with its friendly countries, believes in ensuring that maritime trade in the region remains safe and secure, thereby promoting unhindered trade across the sea," he said.

Rajnath Singh added that, as a first responder, the Indian Navy is always prepared to provide quick and timely humanitarian assistance & disaster relief to its friends in the region. Reiterating the Indian Navy's commitment to realising the Prime Minister's vision of Security and Growth for All in the Region (SAGAR), Raksha Mantri termed the vision as the backbone of India's maritime policy, which aims to promote peace, stability & economic prosperity in IOR.

"Buyer Seller Meet" organized by Ministry of Development of North Eastern Region at Ashtalakshmi Mahotsav

New Delhi, Focus News: The vibrant Ashtalakshmi Mahotsav organized by Ministry of Development of North Eastern Region hosted an exclusive Buyer Seller Meet that brought together buyers from the North Eastern States and seller from various part of the country. The event, held at Bharat Mandapam, New Delhi aimed to foster long-term business relationships between North East India's artisans and buyers. The Buyer-Seller Meet facilitated direct business interactions between buyers and sellers from the North Eastern Region across four key sectors including Textiles, Sericulture, Handloom & Handicrafts, Gems, Jewellery & allied, Agriculture & Horticulture and Tourism. This platform encouraged bulk orders, long-term business relationships, and immediate trade deals to boost the economic development of the region Senior officers of Ministry of Development of North Eastern Region (MDoNER), North Eastern Handicrafts and Handloom Development Corporation Ltd. (NEHHDC); Open Network for Digital Commerce (ONDC) graced the event with their presence. During the opening session, Advisor, NEHHDC highlighted the advantages of North Eastern Region and opportunities available for investment in the region. Chief Business Officer, ONDC mentioned that ONDC, a tech-based initiative, to transform the way e-commerce functions in the country by enabling e-commerce through an open protocol based on open-source specifications. The initiative will not only facilitate the rapid adoption of e-commerce, but also boost and strengthen the growth of startups in India. By facilitating scalable and cost-effective e-commerce through the open protocol, ONDC will empower startups to grow collaboratively. He also highlighted that the ONDC in collaboration with NEHHDC is onboarding artisans/weavers/sellers of the North Eastern Region on their platform to increase their market linkage. Managing Director, NEHHDC appreciated the initiatives taken by MDoNER and stated that such kind of initiatives will not only help in promotion of indigenous products of the North Eastern Region but also help in economic prosperity of the local artisans/weavers/seller of the region.

Joint Secretary, MDoNER underlined that North Eastern Region is confident for growth, with strategic investments and can emerge as a leader in various sectors. She mentioned that Central Government and State Government through their initiatives/schemes have created a favorable environment for investment in the region. She also mentioned that all eight states provide unique opportunities to the investors for investment in the region. MDoNER as well as all the North Eastern States are committed for extending necessary support for investment in the region. The event featured one on one interaction of Sellers from the North Eastern States with Buyers from various part of the country.

ICG conducts second bilateral meeting with Philippine Coast Guard as part of the ongoing cooperation framework

New Delhi, Focus News: Indian Coast Guard (ICG) conducted the second bilateral meeting with Philippine Coast Guard (PCG) on December 09, 2024, at ICG HQs, New Delhi as part of the ongoing cooperation framework established under the MoU signed between the two Coast Guards. The meeting focused on enhancing collaboration in key areas such as Maritime Search and Rescue (SAR), Maritime Law Enforcement, Marine Pollution Response, and Capacity Building. The discussions were led by ICG Deputy Director General (Operations & Coastal Security) Inspector General Anupam Rai and PCG Deputy Commandant for Administration Rear Admiral Edgar L Ybanez. Both sides explored avenues to bolster joint SAR operations, ensuring swift responses to maritime emergencies through shared resources and expertise. Cooperation in maritime law enforcement was discussed with an emphasis on addressing transnational maritime crimes such as smuggling, trafficking, and illegal fishing. The meeting also highlighted the importance of joint efforts in marine pollution response, focusing on training and resource-sharing to tackle environmental hazards effectively. Additionally, both Coast Guards underscored the significance of capacity building through knowledge exchange, joint exercises, and training programs to enhance operational capabilities and interoperability. During the official visit from December 08-12, 2024, the high-level four-member PCG delegation will meet representatives from Department of Defence Production to witness India's indigenous shipbuilding capabilities under the 'Aatmanirbhar Bharat' initiative. The MoU signed in August 2023 underscores the shared vision of the ICG and PCG in ensuring a secure and pollution-free maritime environment in the Indo-Pacific region. This bilateral meeting further solidifies the professional relationship between the two Coast Guards, contributing to regional stability and enhancing cooperation in addressing maritime challenges.

DPIIT inks MoU with Flipkart to invest in and mentor Indian startups

New Delhi, In a significant move, the Department for Promotion of Industry and Internal Trade (DPIIT) has partnered with Flipkart, India's homegrown e-commerce market and signed an MoU with the former to support and empower tech start-ups across India.Aimed at encouraging the growth of innovators and entrepreneurs, the partnership further catapults on existing efforts under the Flipkart Leap and Ventures initiative with its USD 100 mn fund. Till date the company has invested in 20 companies and continues to identify startups with high growth potential. The collaboration will enable access for startups to industry reports, research papers, datasets and other studies published by government authorities for market research and fast-track patent applications filed by startups for timely opportunities. MoU reiterates DPIIT's firm commitment to provide fulsome to their partners to enable accessibility and connections to Startup India's program and network for greater program adoption, reach and participation. Sharing his vision about country's ambitions program of Startup India, Joint Secretary Startup India Mr. Sanjiv said it represents the spirit of innovation and entrepreneurship that drives our nation's progress. He said that the MoU will create synergy for a thriving environment to enable Startups to scale new heights. He added that this collaboration will accelerate the transformation of ideas into impactful solutions, strengthening India's position as a global innovation leader. Rajneesh Kumar, Chief Corporate Affairs Officer, Flipkart Group, said that MoU reflects company's goal of empowering startups through strategic support, resource access, and global market connections. With the continued association and combined synergies, Flipkart aims to unlock opportunities for entrepreneurs with 100 million USD venture fund to pioneer breakthroughs that shape the future of technology and business in India and beyond. He said that Flipkart will provide resources, guidance, and support for different milestones, such as prototype development and offer connections and insights for international expansion.

India-Australia CCEA stocktake visit concludes in Delhi

New Delhi, The 3-day stocktake visit for the India-Australia Comprehensive Economic Cooperation Agreement (CECA) concluded in New Delhi on 6th December, 2024. The meeting, held from December 4th to 6th, 2024, was a crucial step in strengthening the trade and strategic partnership between the two nations. The Indian delegation was headed by Additional Secretary and Chief Negotiator, Department of Commerce, Shri Rajesh Agrawal, and the Australian delegation was headed by First Assistant Secretary and Chief Negotiator, Department of Foreign Affairs and Trade Shri Ravi Kewalram. The stocktake discussions covered several critical areas of the CECA, including trade in goods, services, mobility, agri-tech cooperation, and more. Both sides emphasized their shared commitment to ensuring that the CECA delivers meaningful benefits and a balanced outcome for both countries. The discussions also centered on market access modalities that align with India's food security objectives. The visit follows the 10th round of negotiations held in Sydney from August 19th to 22nd, 2024, where both sides made significant progress on various aspects of the CECA. The New Delhi discussions were a continuation of those efforts, and both countries shared a constructive dialogue on issues related to trade, supply chains, and the agricultural sector. Both parties evaluated the progress made so far and outlined a path forward for the early conclusion of the CECA. Both delegations expressed optimism about the future of the CECA and the broader India-Australia economic partnership. The discussions have paved the way for further collaboration, particularly in areas such as agricultural innovation, market access, and supply chain

Enrollment for Ayushman Vay Vandana Cards reaches 25 lakhs

New Delhi, Focus News: In a significant achievement, the enrollment for the Ayushman Vay Vandana Card has reached an impressive milestone of 25 lakh in a span of less than 2 months of its launch by the Prime Minister on 29 October, 2024. Treatments worth more than Rs 40 crore have been availed since the launch of Ayushman Vay Vandana card benefitting more than 22000 senior citizens aged 70 years and above. Senior citizens have taken treatment for various conditions such as Coronary Angioplasty, Hip fracture/replacement, Gall bladder removal, Cataract Surgery, prostate resection, Stroke, hemodialysis, enteric fever and other febrile illness etc. On October 29, 2024, Prime Minister Shri Narendra Modi announced expansion of Ayushman Bharat Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana (AB PM-JAY) to include all senior citizens aged 70 years and above. Under the expansion, all senior citizen aged 70 years and above are receiving "Ayushman Vay Vandana Card" which will help them avail healthcare benefits. Ayushman Vay Vandana Card provides Rs 5 lakh free health cover to all senior citizens of the age 70 years and above irrespective of their socio-economic status. The senior citizens of the age 70 years and above belonging to families already covered under AB PM-JAY get an additional top-up cover up to ₹5 lakh per year for themselves. Senior citizens who are already availing benefits of various government schemes including Central Government Health Scheme (CGHS), Ex-Servicemen Contributory Health Scheme (ECHS), and Ayushman Central Armed Police Force (CAPF) have to choose between their existing scheme or can opt for AB PM-JAY. Additionally, persons covered by private health insurance coverage or members of the Employees' State Insurance scheme are eligible to benefit from AB PM-JAY. The card offers treatment for around 2000 medical procedures and covers all pre -existing diseases from first day itself without any waiting period. Senior citizens aged 70 or above who are eligible for the Ayushman Vay Vandana Card can register through multiple channels. They can visit nearest empanelled hospital for registration. For self-registration eligible citizens can download Ayushman app (from Google Play store) or visit www.beneficiary.nha.gov.in. Citizens can also call on the toll-free number 14555 or give a missed call on 1800110770 to know more about Ayushman Vay Vandana Card.

PROMOTION OF MILLET BASED PRODUCTS

New Delhi, Focus News: To promote the use of millets in food products and encourage value addition, the Government of India launched the Production Linked Incentive Scheme for Millet-based Products (PLISMBP) for the period FY 2022-2023 to FY 2026-2027, with an outlay of ₹800 crore. The scheme eliminates the threshold investment requirement, making it accessible to more applicants. To qualify for incentives, companies selected under the scheme must achieve a minimum year-on-year sales growth of 10% over the base year. The scheme incentivizes sales of branded Ready-to-Eat and Ready-to-Cook products in consumer packs that contain over 15% millet by weight or volume. Thirty beneficiaries were initially enrolled in the PLI Scheme for Millet-Based Products. Following the withdrawal of one beneficiary, there are now 29 beneficiaries. According to the scheme guidelines, only domestically sourced agricultural products (excluding additives, flavors, and oils) must be used in the preparation of millet-based products. This requirement has boosted local production and procurement of agricultural produce, which has benefited farmers.The scheme has a tenure of five years. The claims in respect of first performance year (FY 2022-2023) were required to be filed in FY 2023-2024. 19 applicants submitted incentive claims, and ₹3.917 crore has been disbursed to the eligible applicants so far. The Government has introduced several measures to enhance the implementation of the Production Linked Incentive Scheme for Millet-Based Products (PLISMBP). These measures include the establishment of a user-friendly portal and the creation of dedicated groups for prompt issue resolution. Clarifications on scheme guidelines have been issued from time to time to facilitate easy understanding of the scheme Guidelines. Moreover, regular monitoring and evaluation mechanisms have been instituted, and technical assistance is provided through dedicated teams to facilitate smooth implementation of the scheme. Additionally, weekly meetings with applicants are held to ensure effective communication and progress tracking. This information was provided by the Union Minister of State for Food Processing Industries, Ravneet Singh Bhittu, in a written reply to Rajya Sabha.

Nature-aligned green finance taxonomy shall enable sustainable finance flows in the country

New Delhi, Focus News: FICCI, WWF-India, and Indian Banking Association (IBA) jointly organized a workshop yesterday on 'Mainstreaming Nature and Climate-related Risks for the Finance Sector'. There is growing momentum around sustainable finance in India, with the investors increasingly asking for non-financial disclosures and the regulator echoing the need for increasing the understanding of the banking sector professionals on climate and ESG impacts of financial decision making. To ensure that India's finance sector workforce develops the ESG skills and competencies necessary to implement and achieve the objectives of India's sustainable finance roadmap, sustainable finance education is critical to upskilling the sector at scale. In her welcome address, Ms Jyoti Vij, Director General, FICCI, highlighted that India's rapid growth depends on sustainable resource management. Integrating sustainability into financial decisions is key to mitigating climate risks and ensuring long-term economic stability.

MODI'S LIFE REFLECTS HIGHEST STANDARD OF IDEAL FOR SOCIAL WORKER: HOME MINISTER

New Delhi, Focus News: In a lavish praise for Prime Minister Narendra Modi, Home Minister Amit Shah said: "The biggest parameter to judge the tenure of any politician is the judicial, social, economic, and administrative changes that take place during his tenure. From this perspective, the history of Modiji's public life is the highest standard of ideal for any social worker." Amit Shah wrote about Modi's life and PM tenure in a signed message to congratulate Dr. Adish C Aggarwala, ex-chief, Supreme Court Bar Association, and current Chairman, All India Bar Association, on his book, "Modi's Niti Shastra: The World's His Oyster". The Home Minister described Modi's tenure as a continuous period of unparalleled transformation in arenas of law, justice, and public welfare. He said: "Whether it is the abrogation of Article 370, freeing the country's judicial process from colonial slavery through three new criminal justice laws, the abolition of triple talaq, or the construction of a grand Ram temple in Ayodhya, Modiji has shown through his public life how public welfare and respect for heritage can be carried out in parallel." The Home Minister further added in message to Dr. Aggarwala who has been Acting Chairman of Bar Council of India, that the book was based on the "vision of public welfare and good governance in the country under the leadership of Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi." Amit Shah said that Modi's Niti Shastra, which explores India's endeavour to set the judicial world ablaze with new, innovative, and path-breaking laws during Modi's three regimes, "based on his personality, work and philosophy will undoubtedly strengthen the spirit of nation building among the readers." The signed message of the Home Minister was issued on Mahaparinirvan Diwas (6 December, 2024), which commemorates the death anniversary, and honours the legacy of Bharat Ratna Dr. B.R. Ambedkar, to mark the new book, Modi's Niti Shastra that deals with how the hundreds of new laws and amendments, and repealing of thousands of old laws and rules, helped India keep alive her constitutional ideals in the twenty-first century. Amit Shah added in his message: "His (PM Modiji's) journey from being a political worker to the Chief Minister of Gujarat and becoming the Prime Minister for the third time in a row after 60 years in the history of India is full of achievements for the welfare of the poor, women, farmers, youth and all sections of society and new records are also being created continuously." Modi's Niti Shastra fleshes out, explores, and analyzes the implications and expanse of new laws enacted by the three Modi regimes, and thousands that were repealed, to enhance the maxim of Minimum Government Maximum Governance, and gain Sabka Vishwas to attain Sabka Vikas.

Medanta expands access to Advanced Healthcare in Gurugram with Launch of medi clinic at Golf course Road

Gurugram, Focus News: India's top - notched hospitals ranked as best private hospital has launched a state of the art mediclinic at golf course road more accessible and feasible to the residents of gurgaon with multi speciality consultations and high precision diagnostics day care procedures for people of gurgaon with healthier lives. Dr. Naresh Trehan, Chairman and Managing Director, Medanta, inaugurated the Golf Course Road MediClinic in the presence of Mr. Pankaj Sahni, Group CEO, Medanta, distinguished doctors and residents. *Dr. Naresh Trehan, Chairman and Managing Director, Medanta, said*, "This MediClinic represents a significant evolution in community healthcare delivery. We have created a facility that combines the clinical excellence of our main hospital with the warmth and accessibility of a neighbourhood clinic. Our vision is to foster a culture of preventive healthcare by making it convenient for families to incorporate regular health monitoring into their daily lives. From routine check-ups to complex procedures, we are ensuring that quality healthcare is no longer a destination but a part of the community."
*Mr. Pankaj Sahni, Group CEO, Medanta, added, "At Medanta, we believe in delivering care to the patient's doorstep. Our newest clinic is a step in this direction. Our inclusive care programmes offer at-home services, catering to every need from a doctor's consultation to specialised nursing requirements. The clinic has been designed to further well-being of patients across age groups."
Key Features of the New MediClinic: - Extended operating hours: 8 AM to 8 PM, Monday to Saturday
- Dedicated day care unit with two endoscopy suites, an operating theatre and procedure rooms for minimally invasive interventions
- Advanced imaging tests including CT scans, MRIs, mammograms, OPGs, and colour Doppler ultrasounds
- Consultations with Medanta's renowned Head of Departments across specialities
- Dedicated Liver and Vein Clinic
- Premium health check-up facilities with personalised care programmes
Services span multiple specialities including Cardiac Care, Gastrosciences, Neurology, Nephrology, Urology, Endocrinology, ENT, Paediatrics, Obstetrics and Gynaecology, Respiratory and Sleep Medicine, Internal Medicine, ensuring comprehensive care for all. It also boasts of a modern Aesthetic Centre for cutting-edge cosmetic, dental and dermatological treatments.
The MediClinic's Day Care unit, supported by recovery rooms, is equipped for precise minimally invasive interventions under Gastroenterology, Dentistry, Plastic and Aesthetics, Gynaecology, Vascular Surgery, and Urology, allowing patients to return home the same day. All services are backed by Medanta's established expertise and quality protocols. Specially designed programmes cater to different age groups, from paediatric care to senior citizen wellness, complemented by home healthcare services.All services are available under one roof with super vision of best doctors in town.

विश्लेषकों को उम्मीद, नए गवर्नर की अगुवाई में फरवरी में रेपो दर में कटौती करेगा आरबीआई

मुंबई, संजय मल्होत्रा की भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नए गवर्नर के रूप में नियुक्ति ने फरवरी में अगली मौद्रिक नीति समीक्षा के दौरान ब्याज दरों में कटौती की संभावना को मजबूत किया है। विश्लेषकों ने मंगलवार यह अनुमान जताया। उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के निवर्तमान गवर्नर शक्तिकान्त दास दरों को लेकर 'अपने रुख पर अड़े हुए हैं', जैसा कि छह दिसंबर की बैठक में देखा गया। विश्लेषकों ने कहा कि उनकी अध्यक्षता में दर निर्धारण समिति ने दरों पर यथास्थिति जारी रखी।

जापानी ब्रोकरेज नोमुरा के विश्लेषकों ने कहा कि मल्होत्रा एक नौकरशाह भी हैं, और माना जा रहा है कि उनकी अगुवाई में मौद्रिक नीति अधिक उदार होगी। ब्रोकरेज घराने ने यह भी कहा कि फरवरी की बैठक में दरों में कटौती होने की पक्की संभावना है। नोमुरा ने कहा कि वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए अगली बैठक में दरों में कटौती उचित है। ब्रोकरेज ने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में ब्याज दरों में कटौती के मुद्दे पर सरकार और आरबीआई के बीच एक स्पष्ट विभाजन उभरता हुआ दिखाई दे रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, दोनों ने नीति को सख्त रखने के लिए आरबीआई की आलोचना की है। घरेलू ब्रोकरेज फर्म एमके ने कहा कि वह फरवरी में दरों में कटौती की संभावना से इनकार नहीं करती है। इसमें कहा गया कि मल्होत्रा को नियुक्त करने का फैसला अंतिम समय में लिया गया, और यह दर्शाता है कि सरकार आरबीआई के शीर्ष पर एक टेक्नोक्रेट के बजाय एक नौकरशाह को रखने में सहज है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव की प्रधानमंत्री मोदी से भेंट, निवेशक सम्मेलन के उद्घाटन के लिए किया आमंत्रित

नयी दिल्ली, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें इस साल प्रदेश में होने वाले वैश्विक निवेशक सम्मेलन के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने केन–बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के भूमिपूजन के लिए भी प्रधानमंत्री को आमंत्रित किया। यादव ने संसद भवन में हुई इस मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री को प्रदेश में चलाई जा रहीं जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी और उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। बयान में कहा गया, ''मुख्यमंत्री डॉ यादव ने प्रधानमंत्री मोदी को वर्ष 2025 में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने नदी जोड़ो अभियान के अंतर्गत केन–बेतवा लिंक परियोजना के भूमिपूजन के लिए भी प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित किया।'' मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार अपने कार्यकाल के एक वर्ष पूर्ण होने पर मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान की शुरुआत करने जा रही है, जो इस साल 11 दिसंबर से 26 जनवरी 2025 तक चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसी अवधि में मुख्यमंत्री जन कल्याण पर्व आयोजित किया जाएगा जो प्रदेश के समग्र विकास और जनहित पर आधारित होगा। उन्होंने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य युवा, नारी, किसान और गरीब कल्याण की चिन्हित योजनाओं के माध्यम से शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करना है।

उत्तर प्रदेश में जल्द खुलेंगे पांच नए केंद्रीय विद्यालय : सरकार

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश के अयोध्या और कन्नौज समेत पांच जिलों में एक–एक नया केंद्रीय विद्यालय खोला जाएगा। राज्य सरकार द्वारा मंगलवार को जारी एक बयान के मुताबिक, प्रदेश के अयोध्या, जौनपुर, कन्नौज, बिजनौर और महराजगंज जिलों में निकट भविष्य में पांच नए केंद्रीय विद्यालय (केवी) खोले जाएंगे। बयान में कहा गया है कि इससे सम्बन्धित प्रस्ताव को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी है तथा इन स्कूलों के खुलने से राज्य में केंद्रीय विद्यालयों की कुल संख्या बढ़कर 127 हो जाएगी। यह देश में सबसे अधिक होगी। बयान के अनुसार, इन नए स्कूलों के खुलने से राज्य में शिक्षा के स्तर में और सुधार होने तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित छात्रों को मुख्यधारा में लाये जाने की उम्मीद है। प्रत्येक नए स्कूल की क्षमता 960 छात्रों की होगी। बयान में कहा गया है कि पांच नये स्कूलों में 4,800 छात्रों को उच्च–गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान की जाएगी और इनसे नौकरी के 315 स्थायी अवसर पैदा होंगे।

झामुमो के रवींद्रनाथ महतो निर्विरोध झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष चुने गए

रांची, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के रवींद्रनाथ महतो मंगलवार को निर्विरोध रूप से झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष चुने गए। विधानसभा के चार दिवसीय सत्र के दूसरे दिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस पद के लिए महतो के नाम का प्रस्ताव रखा और झामुमो विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने प्रस्ताव का समर्थन किया। रवींद्रनाथ महतो पूर्व में पांचवी झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रह चुके हैं। वह निर्विरोध विधानसभा अध्यक्ष चुने गए क्योंकि विपक्षी दलों ने अपना उम्मीदवार नहीं उतारने का फैसला किया था। लगातार दूसरी बार विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने पर सोरेन ने सत्तारूढ़ गढबंधन की ओर से महतो को बधाई दी। सोरेन ने बधाई संदेश में कहा, ''आपके नेतृत्व में हमने पांचवीं झारखंड विधानसभा का कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा किया। सदन की गरिमा को मजबूत करने में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण रही।'' उन्होंने कहा, ''हमें आशा और पूर्ण विश्वास है कि पिछले सत्रों की तरह हम राज्य के समग्र विकास के लिए लोकतंत्र के इस मंदिर में एकत्रित होंगे।'' सोरेन ने विपक्षी दलों के सदस्यों से जनादेश का सम्मान करने और राज्य के विकास में रचनात्मक भूमिका निभाने का भी आग्रह किया। हाल के विधानसभा चुनाव में रवींद्रनाथ महतो ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के माधवचंद्र महतो को 10,483 मतों के अंतर से हराकर झामुमो के टिकट पर नाला विधानसभा सीट बरकरार रखी। झामुमो नेता महतो ने सोमवार को अन्य विधायकों के साथ झारखंड विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली थी। वरिष्ठ भाजपा नेता और धनवार से विधायक बाबूलाल मरांडी ने भी महतो को विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से आग्रह किया कि वे विपक्ष की बात सुनें क्योंकि वे सदन में वास्तविक मुद्दे और जानकारी लेकर आते हैं। उन्होंने कहा, ''विपक्षी सदस्यों द्वारा उठाए गए मुद्दों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। विधायक अक्सर सदन में ज्वलंत मुद्दे उठाते हैं, लेकिन बाद में उन्हें ज्यादा महत्व नहीं मिलता।'' नवनिर्वाचित विधानसभा अध्यक्ष ने हाल में हुए चुनावों में भाग लेने वाले मतदाताओं को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि लोगों की अपेक्षाएं और आकांक्षाएं बढ़ी हैं, जिन्हें पूरा करने के लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''मैं सदस्यों से चुनावी प्रतिस्पर्धा से पैदा हुई कड़वाहट को भूलने का आग्रह करता हूं। सभी विधायकों को एक नए झारखंड के निर्माण में रचनात्मक भूमिका निभानी चाहिए और राज्य को आगे ले जाना चाहिए।'' महतो ने कहा कि छठी विधानसभा में ''रचनात्मक और नये विचारों के साथ एक नया दृष्टिकोण और संकल्प'' होना चाहिए। बाद में उन्होंने बुधवार पूर्वाह्न 11 बजे तक सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 23 नवंबर को मतगणना के बाद लगातार दूसरी बार झारखंड में सत्ता हासिल की। इस गठबंधन ने 81 सदस्यीय विधानसभा में 56 सीट हासिल कीं। भाजपा के नेतृत्व वाले विपक्षी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने 24 सीट हासिल कीं।

राजस्थान में पर्यटन के लिए सड़क परियोजनाएं महत्वपूर्ण: गडकरी

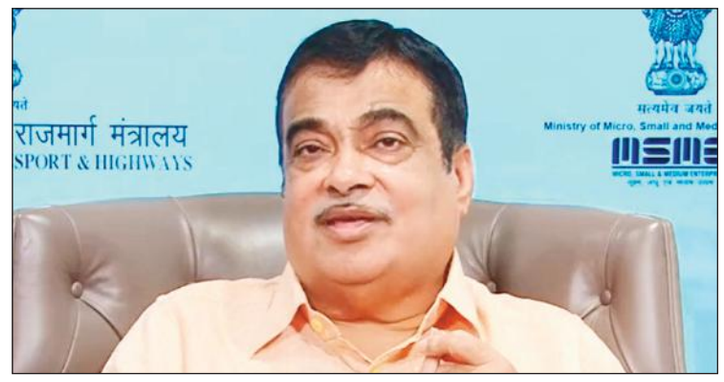

जयपुर, (भाषा) केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने यहां 30,000 करोड़ रुपये की नयी सड़क परियोजनाओं की घोषणा की। उन्होंने साथ ही राजस्थान सरकार से प्रस्तावित उत्तरी जयपुर बाईपास के पास विकसित भूमि का 40 प्रतिशत किसानों को देने की अपील की। गडकरी ने राइजिंग राजस्थान शिखर सम्मेलन में कहा कि राज्य में पर्यटन के लिए सड़क बुनियादी ढांचा महत्वपूर्ण है। मंत्री ने कहा कि 6,500 करोड़ रुपये के निवेश से 110 किलोमीटर लंबे उत्तरी जयपुर रिंग रोड को मंजूरी दी गई है। गडकरी ने कहा, ''सड़कों के बनने के बाद जमीन की कीमत पांच गुना बढ़ गई। मैंने आपसे (राजस्थान सरकार) पहले अनुरोध किया था। आप जयपुर विकास प्राधिकरण के साथ वहां एक नया जयपुर बनाएं। एक और अच्छी योजना है। विकसित भूमि का 40 प्रतिशत हिस्सा किसानों को दें। उन्हें भी बहुत पैसा मिलेगा।'' उन्होंने कहा कि 6,800 करोड़ रुपये की लागत से कोटपुतली से आगरा तक अत्याधुनिक एक्सप्रेसवे सितंबर तक पूरा हो जाएगा। गडकरी ने कहा, ''12,000 करोड़ रुपये लागत वाले जयपुर, किशनगढ़, जोधपुर से अमृतसर तक अत्याधुनिक हाईवे के लिए हम डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) तैयार कर रहे हैं। बहुत जल्द हम इसका काम शुरू कर देंगे।''

राजस्थान में हर साल मनाया जाएगा प्रवासी दिवस: मुख्यमंत्री शर्मा

जयपुर, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में हर साल दस दिसंबर को 'प्रवासी राजस्थान दिवस' मनाया जाएगा। शर्मा ने कहा कि साथ ही सरकार में प्रवासी राजस्थानियों के लिए एक विशेष विभाग बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री यहां "राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट" के "प्रवासी राजस्थानी कॉन्क्लेव" को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, "देश दुनिया में प्रवासी राजस्थानियों की मेहनत, कर्मठता और लगन से राजस्थान गौरवान्वित हुआ है। हमारी सरकार ने यह निर्णय किया है कि प्रवासी राजस्थानियों के हितों को ध्यान में रखते हुए उनके लिए एक विशेष विभाग बनाया जाएगा।" शर्मा ने कहा कि इसके साथ ही हर साल 10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थानी दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने राज्य में पहली बार हर साल 'प्रवासी राजस्थानी सम्मान' देने का निर्णय किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों के परिवारों को किसी तरह की समस्या आती है, तो इसके लिए हर जिले में 'सिंगल प्वाइंट कॉन्टैक्ट' बनाया जाएगा।